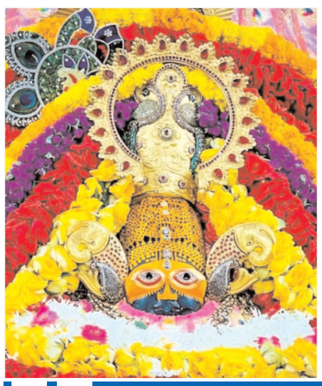

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:348। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 08 अगस्त 2026 (शनिवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

• एफसीआरए पर अमेरिकी सांसद की टिप्पणी को भारत ने किया खारिज

यह हमारा आंतरिक मामला : विदेश मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत ने विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) संशोधन विधेयक पर अमेरिकी सांसद की टिप्पणी का स्पष्ट और दो टूक जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत के विधायी मामलों पर फैसला देश की संसद करती है और यह पूरी तरह भारत का आंतरिक विषय है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यह भी कहा कि विदेशी फंड के प्रवाह को नियंत्रित करने के नियम केवल भारत में ही नहीं, बल्कि अमेरिका समेत कई देशों में लागू हैं।

एफसीआरए पर विदेश मंत्रालय ने क्या कहा?

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि सरकार ने एफसीआरए संशोधन विधेयक पर अमेरिकी सांसद की टिप्पणी देखी है।

उन्होंने कहा कि भारत से जुड़े विधायी मामलों पर निर्णय संसद लेती है और इस तरह के विषय देश के आंतरिक मामलों का हिस्सा हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कई देश, जिनमें अमेरिका भी शामिल है, विदेशी धन के प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए अपने-अपने कानून

लागू करते हैं।

समुद्री सुरक्षा को लेकर भारत ने क्या कहा?

भारत ने पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र में भारतीय जहाजों और नाविकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीय मिशन लगातार जहाजरानी मंत्रालय, समुद्री प्राधिकरणों और स्थानीय एजेंसियों के संपर्क में हैं ताकि जरूरत पड़ने पर भारतीय नाविकों और भारतीय ध्वज वाले जहाजों को तुरंत सहायता मिल सके। मंत्रालय ने यह भी दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही तथा व्यापार जारी रहना चाहिए।

भारतीय नाविकों के लिए सरकार ने क्या व्यवस्था की है?

विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारतीय मिशन कई महीनों से 24 घंटे चलने वाली हेल्पलाइन संचालित कर रहे हैं। इसके तहत केवल नाविक ही नहीं, बल्कि जरूरतमंद अन्य भारतीय नागरिक भी सहायता ले सकते हैं।

- खाड़ी क्षेत्र में भारतीय मिशन लगातार स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं।
- 24×7 हेल्पलाइन कई महीनों से संचालित की जा रही है।
- भारतीय ध्वज वाले जहाजों और नाविकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है।
- भारत ने सभी पक्षों से नागरिकों, व्यावसायिक जहाजों और समुद्री कर्मियों को निशाना न बनाने की अपील की।
- अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर सुरक्षित और निर्बाध व्यापार जारी रखने पर जोर दिया गया।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने राज्य में चीनी सेना की घुसपैठ की खबरों को खारिज किया

एजेंसी

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने राज्य में चीनी सेना की घुसपैठ की खबरों को खारिज कर दिया है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वे स्थानीय लोगों, भारतीय सेना और 'नाह वेलफेयर सोसाइटी' से बात करके इन दावों की पुष्टि करेंगे।

मुख्यमंत्री खांडू ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान एक सवाल पर कहा कि वे कोई भी बयान देने से पहले वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास चीनी सेना की कथित गतिविधियों के बारे में और जानकारी जुटाएंगे। उन्होंने कहा कि हमें नहीं लगता कि कोई घुसपैठ हुई है, क्योंकि भारतीय सेना के जवान वहां तैनात हैं। मुख्यमंत्री का यह बयान नाह वेलफेयर सोसाइटी द्वारा भारत-चीन सीमा पर टाक्सिंग के पास चीनी सेना की कथित गतिविधियों पर चिंता जताने और इससे जुड़ी खबरों के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद आया है।

हमें नहीं लगता कि कोई घुसपैठ हुई है, क्योंकि भारतीय सेना के जवान वहां तैनात हैं : सीएम

सोसाइटी ने दावा किया था कि भारतीय सेना ने पिछले एक महीने में इस इलाके में अपनी तैनाती बढ़ाई है और भारतीय सैनिकों का चीनी कर्मियों से हाल ही में आमना-सामना हुआ है। जो सोशल मीडिया में भी वायरल है। इतिहास उल्लेखनीय है कि पिछले महीने अरुणाचल प्रदेश के गृहमंत्री एम. नाटुंग ने भी चीनी घुसपैठ की खबरों को खारिज करते हुए उन्हें अफवाह बताया था और मीडिया से अपील की थी कि वे ऐसी खबरों को छापने से पहले उनकी सच्चाई की जांच कर लें।

जेपीएससी -जेएसएससी विवाद

रांची में नेहा बोरा पर फेंकी गई स्याही

हंगामे के बीच सीएम सोरेन बोले- हम बातचीत को तैयार

एजेंसी

रांची । झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि सरकार छात्रों से बातचीत के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि सरकार ने संवाद का एक माध्यम पहले ही तय कर रखा है और वह प्रत्येक छात्र की समस्याओं को समझना चाहती है। इधर, ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (AISA) की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा पर रांची में स्याही फेंकी गई है। जिसको लेकर उन्होंने कहा यह साधारण स्याही हमारा क्या बिगाड़ लेगी? हालांकि,आंदोलन स्थल पर स्याही फेंकने वाले युवक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

सरकार ठोस सुधारों की दिशा में कदम बढ़ाना चाहती है- सीएम हेमंत

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने JPSC-JSSC उम्मीदवारों के विरोध प्रदर्शन पर कहा कि जो माध्यम है, वो हमने बता दिया है और बात करने के लिए भी हम लोग तैयार हैं। सरकार हर छात्र की समस्या का समाधान करने की इच्छा रखती है। जो छात्रों की इच्छा है, उस इच्छा को हम जयपाल सिंह स्टेडियम से बाहर तक ले जाने की कोशिश में हैं। हमारे प्रदेश के जो छात्र-छात्राएं हैं, जो इस संबंध में अपने विचार रखते हैं, वे अपनी राय दे सकते हैं। एक मजबूत और बड़े सुधार के साथ हम लोग, बच्चों की ये जो जिज्ञासा है, उस जिज्ञासा को उनके अनुरूप बनाने के उद्देश्य से आगे बढ़ेंगे।

छात्र नेता बोले- सरकार बातचीत को तैयार, हम भी तैयार

छात्र नेता राजेश कुमार ने कहा कि सरकार की ओर से बातचीत के लिए तैयार होने की बात कही गई है और छात्र भी पहले की तरह बातचीत के लिए तैयार हैं। हालांकि, सरकार ने बातचीत के लिए केवल छात्रों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल करने की शर्त रखी है। राजेश कुमार के मुताबिक, छात्रों की ओर से तैयार की गई प्रतिनिधिमंडल की सूची में कुछ नामों को लेकर आपत्ति जताई गई है। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल के नामों की सूची में बदलाव किया जा रहा है। छात्रों की एक प्रमुख मांग यह भी है कि सरकार के साथ होने वाली बातचीत मीडिया की मौजूदगी में हो।

जेपीएससी को लेकर विधानसभा में हंगामा: सीबीआई जांच पर अड़ा विपक्ष, सत्ता पक्ष बोला- छात्रों को भड़का रही भाजपा

रांची । झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन भी जेपीएससी परीक्षा में कथित अनियमितताओं का मुद्दा सदन के अंदर और बाहर छाया रहा। विपक्षी दल भाजपा और आजसू ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग उठाई। भाजपा विधायकों ने छात्र आंदोलन का समर्थन करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और आरोप लगाया कि अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ है। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआई जांच आवश्यक है।

सरकार छात्रों की मांगों के प्रति संवेदनशील नहीं है- नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी

प्रदर्शन के दौरान नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार छात्रों की मांगों के प्रति संवेदनशील नहीं है। उन्होंने कहा कि छात्र पिछले 13 दिनों से सत्याग्रह पर बैठे हैं और कई छात्र भूख हड़ताल पर हैं, लेकिन सरकार उनकी चिंता नहीं कर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि सरकार के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है, तो वह सीबीआई जांच से क्यों बच रही है। भाजपा के अन्य विधायकों ने भी सरकार पर छात्रों की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

यूपी में 30 लाख लोगों की आजीविका का साधन बना हथकरघा-पावरलूमः सीएम योगी

• 40 हजार हस्तशिल्पियों को बिजली मद में मिला 109 करोड़ रुपये का लाभ, कारीगरों के उत्थान पर जोर

दुनिया मांग रही यूपी के हस्तशिल्प उत्पाद, डिजाइन-टेक्नोलॉजी पर पूरा ध्यान दे रही सरकार

एजेंसी

लखनऊ। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कारीगरों व बुनकरों के उत्थान के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि यूपी में हथकरघा और पावरलूम से करीब 30 लाख लोगों की आजीविका जुड़ी है। सरकार ने 40 हजार से अधिक हस्तशिल्पियों को विद्युत सुविधा के रूप में 109 करोड़ रुपये का लाभ दिया है। सीएम ने हथकरघा उत्पादों को डिजाइन, तकनीक, पैकेजिंग व मार्केटिंग के जरिये वैश्विक बाजार से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने सरकारी विभागों में हथकरघा उत्पादों की खरीद बढ़ाने और स्थानीय उत्पादों को उपहार में देने की अपील भी की। मुख्यमंत्री शुक्रवार को लोकभवन सभागार में आयोजित राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह-2026 के अवसर पर संत कबीर राज्यस्तरीय हथकरघा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने इस अवसर पर विशिष्ट कार्यों के लिए बुनकरों को सम्मानित किया और विभिन्न योजनाओं के तहत बुनकरों व लाभार्थियों को चेक भी वितरित किए। सीएम ने कार्यक्रम स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न उत्पादों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान हथकरघा उत्पादों के प्रमुख क्रेताओं के साथ समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान भी किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमारी विरासत है। ढाई लाख परिवार यानी लगभग 14-15 लाख लोग इस व्यवसाय पर आश्रित हैं। इसमें पावरलूम को भी जोड़ लिया जाए तो यह संख्या लगभग 30 लाख तक पहुंच जाती है। हथकरघा/पावरलूम उद्योग इन 30 लाख से अधिक लोगों की आजीविका का आधार बना है। इसके जरिए लाखों लोग सरकार पर आश्रित हुए बिना ही अपने कार्यक्रम, उद्योग, रोजगार को आगे बढ़ा रहे हैं। हमारी सरकार ने तय किया कि इन हस्तशिल्पियों को सम्मान मिलना चाहिए, साथ ही उन्हें हर प्रकार की सुविधा मिलनी चाहिए। इसी क्रम में गत वर्ष हैंडलूम से जुड़े हुए 40 हजार से अधिक हस्तशिल्पियों को 109 करोड़ रुपये की विद्युत से जुड़ी सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

उपराष्ट्रपति 08 और 09 अगस्त को अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के दौरे पर जाएंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन 08 और 09 अगस्त को दो दिवसीय अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वह श्री विजयपुरम स्थित सेल्युलर जेल राष्ट्रीय स्मारक में स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे तथा 'हर घर तिरंगा' अभियान सहित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। उपराष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार उपराष्ट्रपति 08 अगस्त को श्री विजयपुरम स्थित सेल्युलर जेल राष्ट्रीय स्मारक पहुंचेंगे, जहां वह शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे, स्वातंत्र्य ज्योति पर सम्मान प्रकट करेंगे और वीर सावरकर की कोठरी का अवलोकन करेंगे। इसके बाद वह भारत के स्वतंत्रता संग्राम और वीर स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान पर आधारित लाइट एंड साउंड शो भी देखेंगे। दौरे के दूसरे दिन 09 अगस्त को उपराष्ट्रपति श्री विजयपुरम के फ्लैग प्वाइंट पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर 'हर घर तिरंगा' अभियान में भाग लेंगे। इसके बाद वह डॉ. बी. आर. आंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (डीबीआरएआईटी) के सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम 'तिरंगा कॉन्सर्ट ऑन वंदे मातरम्' में शामिल होंगे। दोपहर में उपराष्ट्रपति ऐतिहासिक नेताजी सुभाषचंद्र बोस द्वीप का भी दौरा करेंगे।

अनुच्छेद 370 को बहाल करने की मांग के चलते पीडीपी को बनाया जा रहा निशाना : महबूबा मुफ्ती

'उन्हें और उनकी पार्टी को दक्षिणपंथी लोगों द्वारा इसलिए परेशान किया जा रहा है'

एजेंसी

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को गंभीर आरोप लगाया। मुफ्ती ने बताया कि उन्हें और उनकी पार्टी को दक्षिणपंथी लोगों द्वारा इसलिए परेशान किया जा रहा है क्योंकि पीडीपी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35ए को बहाल करने की मांग कर रही है। महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को श्रीनगर में विरोध प्रदर्शन किया क्योंकि पुलिस ने उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती को वर्दीधारी पुलिसकर्मी पर कथित हमले के मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था। श्रीनगर शहर के कोठीबाग पुलिस स्टेशन में 5 अगस्त को एक एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसमें इल्तिजा मुफ्ती पर आरोप है कि उन्होंने ड्यूटी पर तैनात

एक पुलिसकर्मी के साथ मारपीट की, जब वह अनुच्छेद 370 को हटाने की सातवीं बरसी पर विरोध प्रदर्शन कर रही थीं। पीडीपी कार्यकर्ताओं का एक समूह इल्तिजा मुफ्ती के साथ कोठीबाग पुलिस स्टेशन जाने की कोशिश कर रहा था लेकिन उन्हें रास्ते में ही रोक दिया गया, जबकि इल्तिजा मुफ्ती शुक्रवार को पुलिस स्टेशन गईं। महबूबा मुफ्ती ने पत्रकारों से कहा कि चूंकि पीडीपी एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी है जो अनुच्छेद 370 और 35ए को बहाल करने की मांग कर रही है, इसलिए यह दक्षिणपंथी आरएसएस और भाजपा का मुख्य निशाना बन गई है।

शुक्रवार को भारी बारिश से महमाया फ्लाईओवर के नीचे जमा गहरे पानी में एक एंबुलेंस फंस गई, जिससे यातायात प्रभावित हुआ।

जम्मू से 926 अमरनाथ यात्रियों का जत्था बालटाल रवाना

एजेंसी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में अमरनाथ यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से चल रही है। जम्मू से आज यात्रियों का एक और जत्था बालटाल बेस कैंप के लिए भेजा गया। इस बीच भक्तों का एक जत्था कड़ी सुरक्षा के बीच रामबन जिले से होते हुए जम्मू लौटा। पुलिस कंट्रोल रूम के अनुसार, 926 यात्रियों वाला 29वां जत्था तड़के 2:59 बजे 42 वाहनों के साथ भगवती नगर यात्री निवास से बालटाल रूट के लिए रवाना हुआ। इस जत्थे में 693 पुरुष, 178 महिलाएं, 34 साधु और 21 साध्वियां शामिल हैं। इन्हें 210बसों, तीन माध्यम वाहन, 17 छोटे और एक दोपहिया वाहन से भेजा गया है। गांदरबल जिले में बालटाल बेस कैंप की ओर बढ़ने से पहले यात्रा की आवाजाही सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के लिए ट्रैफिक और सुरक्षाकर्मी तैनात रहे।

राज्यसभा में अमित शाह की मौजूदगी की मांग पर किरेन रिजिजू का जवाब, बोले-

मंत्री कब सदन में आएंगे, यह विपक्ष तय नहीं कर सकता

राज्यसभा में हंगामे के बाद सभा सोमवार तक के लिए स्थगित

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी की मांग को लेकर विपक्ष के विरोध पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष यह तय नहीं कर सकता कि कोई मंत्री सदन में कब आएगा। रिजिजू ने स्पष्ट किया कि राज्यसभा के सभापति ने किसी मंत्री को सदन में मौजूद रहने का कोई निर्देश नहीं दिया है।

रिजिजू ने शुक्रवार को राज्यसभा में कहा कि गृह मंत्री अमित शाह सुबह से ही संसद में मौजूद रहते हैं। हालांकि, किसी मंत्री का सदन में आना उस समय के निर्धारित कामकाज पर निर्भर करता है। यदि उनके मंत्रालय से संबंधित कोई कार्य सूचीबद्ध होता है, तभी मंत्री का सदन में उपस्थित होना आवश्यक होता है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने किसी मंत्री को सदन में उपस्थित रहने का निर्देश नहीं दिया है। रिजिजू का यह

बयान विपक्ष की ओर से गृह मंत्री अमित शाह को सदन में बुलाने की लगातार मांग के बीच आया।

दरअसल, 6 अगस्त को राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने संसदीय कार्य मंत्री से विपक्ष की मांग को गृह मंत्री तक पहुंचाने को कहा था। सभापति ने कहा था कि विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे समेत विपक्षी सदस्य गृह मंत्री की सदन में मौजूदगी की मांग कर रहे हैं। उन्होंने रिजिजू से विपक्ष की भावनाओं को गृह मंत्री तक पहुंचाने का आग्रह किया था।

इससे पहले राज्य सभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने सभा की कार्यवाही शुरू करते हुए भारत छोड़ो आंदोलन की 84वीं वर्षगांठ का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि 9 अगस्त 2026 को ऐतिहासिक भारत छोड़ो आंदोलन की 84वीं वर्षगांठ है। यह आंदोलन भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक निर्णायक पड़ाव था।उन्होंने कहा कि 9 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी के नेतृत्व में शुरू हुए भारत छोड़ो आंदोलन ने देश की आजादी की लड़ाई को नई गति दी। गांधीजी के 'करो या मरो' के आह्वान ने करोड़ों भारतीयों को स्वतंत्रता के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने की प्रेरणा दी। सभापति ने कहा कि ब्रिटिश शासन के कठोर दमन, जेल और तमाम कठिनाइयों के बावजूद स्वतंत्रता सेनानियों ने साहस, दृढ़ संकल्प और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण का परिचय दिया। उनके त्याग और बलिदान ने स्वतंत्रता आंदोलन को मजबूत किया और 1947 में देश की आजादी का मार्ग प्रशस्त किया।

उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर पर सदन उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करता है, जिन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेकर देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया।

सभापति ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों की देशभक्ति, एकता, त्याग और समर्पण के आदर्श आज भी मजबूत, समृद्ध और समावेशी भारत के निर्माण के लिए प्रेरणा देते हैं।

पौड़ी-देवप्रयाग मार्ग पर हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

एजेंसी

पौड़ी/देवप्रयाग । उत्तराखंड के पौड़ी जनपद में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दुर्घटना पौड़ी-देवप्रयाग मार्ग पर कुंडधार के निकट हुई, जहां एक कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह लगभग 11:30 बजे थाना देवप्रयाग को सूचना मिली कि कुंडधार क्षेत्र में एक वाहन सड़क से नीचे खाई में गिर गया है।

सीएम धामी ने शोक जताया

घटना पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि पौड़ी-देवप्रयाग मार्ग पर हुई भीषण सड़क दुर्घटना का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। मुख्यमंत्री ने दिवंगतों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भगवान बदरी विशाल से सभी घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

संत संसद में भाग लेने पहुंचे देश के शीर्ष संतों का हीथ्रो एयरपोर्ट पर अभूतपूर्व स्वागत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लंदन। सात समुद्र पार यूनाइटेड किंगडम की राजधानी लंदन में उस समय सनातन संस्कृति और भारतीय परंपरा का अनुपम दृश्य देखने को मिला, जब भारत से 'संत संसद' में सहभागिता करने के लिए पधारे देश के मूर्धन्य और पूज्य संतों का आगमन हुआ। लंदन के प्रसिद्ध हीथ्रो इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर संतों के उतरते ही पूरा परिसर ढोल-नगाड़ों की गूंज और सनातन धर्म के जयकारों से जीवंत हो उठा। ब्रिटेन की धरती पर भारतीय संतों के इस भव्य और आत्मीय स्वागत ने वहां मौजूद हर श्रद्धालु का हृदय उत्साह और भक्ति भाव से भर दिया। इस ऐतिहासिक अवसर पर संत समाज की अनेक विभूतियां एक साथ उपस्थित रहीं। एयरपोर्ट पर आगमन करने वाले मुख्य संतों एवं गणमान्य अतिथियों में जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणिनन्द गिरी जी महाराज, नेटवर्क 10 के चीफ एडिटर श्री संजय गिरी जी, श्री महंत नारायण गिरी जी महाराज, जन-जन की आस्था के केंद्र पंडोखर सरकार, पूज्य महामंडलेश्वर उमाकांतानंद जी महाराज, एवं महामंडलेश्वर यतींद्रानंद जी महाराज सहित देश के अन्य कई प्रतिष्ठित पूज्य संत सम्मिलित थे। एयरपोर्ट पर संतों की स्वागत व्यवस्था और अगवानी के लिए लंदन के स्थानीय धार्मिक नेतृत्व और श्रद्धालुओं ने विशेष तैयारियां की थीं। लंदन स्थित प्रसिद्ध सिद्ध आश्रम के प्रमुख पूज्य श्री राज राजेश्वरानंद गुरुजी अपने विशाल भक्तगणों के दल के साथ स्वयं एयरपोर्ट पहुंचे। उनके साथ ही त्रिलोचन दास जी महाराज के अनुयायी और स्थानीय प्रवासी भारतीय समाज के लोग भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। पारंपरिक ढोल-नगाड़ों की थाप के साथ उनका भव्य स्वागत किया।

मानावदर में जलाराम वेब्रिज के पास खुले नाले में बाइक गिरने से बच्चों समेत परिवार घायलः स्थानीय लोगों ने नगर पालिका के खिलाफ गुस्सा जताया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मानावदर। लायंस स्कूल मोड़ के पास जलाराम वेब्रिज के पास बिना सुरक्षा दीवार (पवेलियन) वाले खुले नाले में एक परिवार के सदस्यों के गिरने से एक गंभीर हादसा हुआ है। हादसा तब हुआ जब पिता अपने तीन बच्चों को बाइक पर स्कूल छोड़ने जा रहे थे। खुले नाले की वजह से हुए इस हादसे में परिवार के दो सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जबकि 2 से 3 बच्चों को मामूली चोटें आई हैं। घटना होते ही सभी घायलों को तुरंत इलाज के लिए मानावदर सिविल हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। हादसे के समय पास में ही एक ट्रक की मरम्मत कर रहे भरत ओडेदरा ने बहुत अच्छा काम किया। उन्होंने अपनी आंखों के सामने दो युवा छात्रों, एक छोटे लड़के और उसके पिता को अपनी बाइक के साथ नाले में गिरते देखा। बिना एक पल की देरी किए, वह तुरंत सीवर में कूद गए और दोनों छात्रों समेत बच्चों को बचाकर उनकी जान बचाई। इस घटना के बाद, लोकल लोगों ने भी नगर पालिका की गंभीर लापरवाही के खिलाफ आवाज उठाई है। पीड़ित परिवार की सीमाबेन वाघेला और कुमनभाई सोलंकी ने भारी मन से कहा कि वे बहुत गरीब परिवार से हैं और मेहनत-मजदूरी करके अपना गुज़ारा करते हैं। इस अचानक हुई घटना में उनकी बेटी, दामाद और बच्चे घायल हो गए, जिससे परिवार आर्थिक रूप से परेशान हो गया है। यह मजदूर वर्ग का परिवार इस समय अस्पताल और इलाज के खर्च को लेकर बहुत परेशान है और इस दुखद घटना के लिए सीधे तौर पर नगर पालिका की लापरवाही को जिम्मेदार ठहरा रहा है। सोशल एक्टिविस्ट और लोकल अमीश सोलंकी और भरत ओडेदरा ने इस मुद्दे पर प्रशासन के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया है और मांग की है कि लायंस स्कूल मोड़ के पास सीवर पर तुरंत एक प्रोटेक्शन वॉल बनाई जाए। अगर यहां एक सही बाउंड्री वॉल बनाई जाती है, तो भविष्य में ऐसे जानलेवा हादसों को रोका जा सकता है। लोकल लोगों ने नगर पालिका और संबंधित अधिकारियों से अपील की है कि वे इस मामले को गंभीरता से लें और तुरंत कार्रवाई करें ताकि कोई और मासूम बच्चा या नागरिक ऐसी लापरवाही का शिकार न हो।

डभोई के सथोड़ में लोगों का गुस्सा चरम पर, MGVCL के खिलाफ ग्राहकों का हंगामा, मीटर तोड़ने की धमकी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। स्मार्ट मीटर के खिलाफ पूरे गुजरात में शुरू हुई विरोध की आग अब उग्र और जानलेवा रूप लेती जा रही है। जहां पूरे राज्य में शुरुआती विरोध प्रदर्शन थम नहीं रहे हैं, वहीं अब डभोई तालुका के सथोड़ गांव में स्मार्ट मीटर की बिलिंग के मुद्दे पर बड़ा धमाका हुआ है। एक तरफ स्मार्ट मीटर के नंबरों में बदलाव से बिजली उपभोक्ता भारी कन्फ्यूजन और परेशानी में हैं, वहीं दूसरी तरफ आंखें खोल देने वाले कमरतोड़ बिलों की वजह से गांव वालों की भारी भीड़ सथोड़ गांव पंचायत ऑफिस में जमा हो गई और स्त्रङ्कष्ट्रु (मध्य गुजरात इलेक्ट्रिसिटी कंपनी लिमिटेड) के खिलाफ जमकर विरोध जताया और सीधे स्मार्ट मीटर तोड़ने की धमकी दी। बिलिंग का गणित ही सथोद गांव के बिजली कंज्यूमर्स के गुस्से के चरम पर पहुंचने का कारण है। गांववालों के मुताबिक, पहले हर दो महीने में रेगुलर बिजली बिल आते थे, जो बजट में थे। स्मार्ट मीटर लगने के बाद अब हर महीने बिल दिए जा रहे हैं। परेशान करने वाली बात यह है कि सिर्फ एक महीने का बिल पिछले दो महीने के बिल से 3 से 4 गुना ज्यादा आ रहा है! इस तरह से लूट का सीधा असर कंज्यूमर्स की जेब पर पड़ने से लोग गुस्से में थे और पूरा गांव इकट्ठा होकर पंचायत ऑफिस पहुंच गया। लोगों के भारी गुस्से और हंगामे से हालात बिगड़ते, इससे पहले स्त्रङ्कष्ट्रु के अधिकारी के.डी. सोनी मौके पर पहुंचे। उन्होंने हालात को शांत करने की कोशिश करते हुए टेक्निकल फॉल्ट की बात मानी। अधिकारी के.डी. सोनी ने कहा कि यह समस्या टेक्निकल फॉल्ट की वजह से आई है, जिससे करीब 4000 बिजली कंज्यूमर्स प्रभावित हुए हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिन कंज्यूमर्स के बिल ज़्यादा आए हैं, उन्हें ठीक कर दिया गया है और ज़्यादा रकम अगले बिजली बिल में 'एडजस्ट' (काट) दी जाएगी। बिजली कंपनी के अधिकारियों ने टेक्निकल फॉल्ट का हवाला देकर उन्हें भरोसा दिलाने की कोशिश की है, लेकिन गांववाले इस सफाई से बिल्कुल भी खुश नहीं हैं।

राज्य सरकार के नोटिफिकेशन पर सवालों की झड़ी

नकली चीज़ पर बुलडोज़र, लेकिन बड़ी कंपनियों के 'फैट स्प्रेड' पर भी कृपा?

नकली पनीर पर सख्ती, बड़े ब्रांडों के 'फैट स्प्रेड' पर चुप्पी!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद. गुजरात सरकार ने नकली चीज़, नकली चीज़ और नकली मक्खन के गैर-कानूनी प्रोडक्शन पर रोक लगाने के लिए एक नोटिफिकेशन जारी किया है, लेकिन इस नोटिफिकेशन में पॉलिसी की गड़बड़ियों ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। छोटे लेवल की एनालॉग चीज़ यूनिट्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई का दावा किया गया है, लेकिन दूसरी तरफ, बड़ी ब्रांडेड कंपनियों द्वारा बेचे जाने वाले 'वेजिटेबल फैट' और 'फैट स्प्रेड' के खिलाफ रहस्यमयी चुप्पी के आरोप के साथ प्रशासन की पॉलिसी पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं।

छोटी यूनिट्स पर ताला, बड़ी इंडस्ट्रीज़ को खुला छोड़ दिया?

राज्य सरकार के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने घरेलू या रिटेल बेसिस पर चल रही एनालॉग चीज़ फैक्ट्रियों पर रेड मारकर उन्हें बंद करने का कैंपेन शुरू किया है, जो पब्लिक हेल्थ के नजरिए से एक अच्छा कदम है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या सिर्फ छोटे मैन्युफैक्चरर ही खाने की चीजों में मिलावट और हेल्थ से समझौता कर रहे हैं? बड़ी मल्टीनेशनल और ब्रांडेड कंपनियाँ सुपरमार्केट में बटर या चीज़ के नाम पर खुलेआम 'फैट स्प्रेड' और वेजिटेबल फैट वाले प्रोडक्ट बेच रही हैं। इन प्रोडक्ट्स को प्रोसेस करके शुद्ध दूध का फैट निकालकर पाम ऑयल या हाइड्रोजेनेटेड वेजिटेबल ऑयल के साथ मिलाया जाता है। सवाल यह है कि जो पॉलिसी छोटी यूनिट्स के लिए 'गैर-कानूनी' मानी जाती है, वह कानूनी तौर पर वैलिड कैसे हो सकती है, जब वही चीज़ बड़े पैक में 'फैट स्प्रेड' का लेबल लगाकर बेची जा रही हो?

पब्लिक हेल्थ के साथ खिलवाड़ः नोटिफिकेशन फ्रॉड

कंज्यूमर फ्रॉडः जब कोई आम नागरिक बाज़ार से बटर या पनीर खरीदता है, तो उसे लगता है कि वह दूध से बना प्रोडक्ट खरीद रहा है। लेकिन प्रोसेस्ड फैट स्प्रेड के नाम पर उसकी प्लेट में वेजिटेबल ऑयल की बर्बादी परोसी जाती है।

दोहरे मापदंडः अगर एनालॉग पनीर (जो वेजिटेबल फैट से बनता है) हेल्थ के लिए नुकसानदायक है, तो वेजिटेबल फैट स्प्रेड भी हेल्थ के लिए उतना ही खतरनाक है। फिर भी, ऐसी स्थिति पैदा हो गई है जहाँ बड़ी कंपनियों को नोटिफिकेशन के दायरे से छूट दी गई है।

सरकार के सामने पॉलिसी के सवालः क्या कानून सिर्फ छोटे उद्योगपतियों या एक्सपर्ट्स तक ही सीमित है? या डिपार्टमेंट बड़े कॉर्पोरेट घरानों के मार्केटिंग मॉडल को नज़रअंदाज़ कर रहा है?

जनता का गुस्साः बॉर्डर पार कार्रवाई की मांग

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, वेजिटेबल ऑयल और प्रोसेस्ड फैट के रेगुलर इस्तेमाल से दिल की बीमारी, कोलेस्ट्रॉल और मोटापे जैसी गंभीर बीमारियां होती हैं। जनता चाहती है कि सरकार न सिर्फ छोटी यूनिट्स को सील करे और उनके काम से खुश हो, बल्कि बड़ी कंपनियों के ऐसे वेजिटेबल फैट स्प्रेड्स पर सख्त कंट्रोल भी लगाए या एक कानूनी चेतावनी लेबल लगाना ज़रूरी करे जिसमें साफ और बड़े अक्षरों में लिखा हो 'यह शुद्ध दूध का प्रोडक्ट नहीं है'। अगर सरकार सच में ज़ीरो टॉलरेंस पॉलिसी अपनाना चाहती है, तो मिलावट और नकली खाने के प्रोडक्ट्स के खिलाफ यह लड़ाई छोटे-बड़े सभी लेवल पर एक जैसी चलानी होगी, नहीं तो यह नोटिफिकेशन सिर्फ कागजों पर एक कवायद बनकर रह जाएगा।

विरोध प्रदर्शन या झड़प की संभावना से बचने के लिए सेक्टर-24 में सदियों पुराने धार्मिक दबाव के चलते सूर्योदय से पहले ही बुलडोजर चला दिया गया

सूर्योदय से पहले एक्शन, गांधीनगर सेक्टर-24 में धार्मिक अतिक्रमण पर चला बुलडोजर गांधीनगर में सुबह-सुबह बड़ा बुलडोजर एक्शन, सरकारी जमीन से हटाया धार्मिक अतिक्रमण

कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका के बीच गुपचुप कार्रवाई, सेक्टर-24 में चला बुलडोजर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर. राजधानी गांधीनगर में सरकारी और सार्वजनिक जमीन से अवैध निर्माण हटाने के लिए प्रशासन ने एक और बड़ी और आक्रामक कार्रवाई की है. सेक्टर-24 इलाके में सदियों पुराने धार्मिक दबाव पर आज तड़के एक बार फिर सिस्टम का बुलडोजर चला। सड़क एवं भवन विभाग और गांधीनगर नगर निगम की संयुक्त पहल पर आयोजित इस अभियान में अवैध धार्मिक अतिक्रमण को कुछ ही मिनटों में ध्वस्त कर जमींदोज कर दिया गया। सुबह-सुबह बड़े काफिले के साथ अचानक हुई इस कार्रवाई के बाद पूरे सेक्टर-24 और आसपास के इलाके में खूब चर्चा हुई।

स्थानीय लोगों के लिए निर्माण आस्था का केंद्र था

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, जिस स्थान पर तंत्र द्वारा विध्वंस किया गया था, वह कई वर्षों से आसपास के स्थानीय लोगों के लिए आस्था का केंद्र रहा है। लोग वहां नियमित रूप से पूजा-पाठ और

धार्मिक आयोजनों के लिए आते रहते थे। हालाँकि, चूंकि निर्माण सरकारी भूमि पर एक अनधिकृत अतिक्रमण था, इसलिए इसे हटाने के लिए सड़क और भवन विभाग और नगर निगम द्वारा कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई थी। विरोध प्रदर्शन से बचने के लिए सुबह-सुबह एक गुप्त ऑपरेशन चलाया गया लोगों की धार्मिक भावनाओं के कारण यदि दिन में या पूर्व सूचना देकर कार्रवाई की जाती है तो स्थानीय विरोध, दंगा होने या कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने का डर रहता है। इसीलिए तंत्र ने सुबह-सुबह अंधेरे में प्रहार करके शांतिपूर्वक इस दबाव को दूर करने की एक विशिष्ट रणनीति अपनाई। इस कार्रवाई के दौरान घटनास्थल पर कोई अप्रिय घटना न हो और शांति बनी रहे, इसके लिए पुलिस के भी कड़े इंतजाम किये गये थे.

सुबह जब नागरिक जागे तो दबाव से राहत मिल चुकी थी

सुबह-सुबह, जब नागरिक गहरी नींद में सो रहे थे, सिस्टम जेसीबी सहित मशीनरी के साथ पहुंचा और छह बजे पूरे ढांचे को ध्वस्त कर दिया और इसके मलबे को हटाने का काम भी तुरंत शुरू कर दिया गया। सुबह जब लोग उठे तो धार्मिक वास्तुशिल्प गायब देख हैरान रह गए। सिस्टम की इस बुलडोजर कार्रवाई से राजधानी में धार्मिक या अन्य अवैध दबाव बनाने वालों को कड़ा संदेश गया है कि सार्वजनिक भूमि पर अनधिकृत कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

गलतेश्वर के मिठना मुवाड़ा में गांववाले प्रशासन की लापरवाही से नाराज़, मॉनसून में मौत का डर

बेगुनाह गांववाले जान जोखिम में डालकर लकड़ी का बना टेम्परेरी पुल पार करने को मजबूरः नेता सिर्फ़ चुनाव आने पर चेहरा दिखाते हैं, अगर जल्द पक्का पुल नहीं बना तो बड़ा आंदोलन होगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। ज़िले के गलतेश्वर तालुका के मिठना मुवाड़ा गांव से एक बहुत ही गंभीर और चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई है, जो विकास के दावों के खोखलेपन को सामने लाती है। यहां के गांववाले पिछले 15 सालों से पक्के पुल की सुविधा के लिए प्रशासन से शिकायत कर रहे हैं, लेकिन प्रशासनिक सिस्टम के बहरे कान लोगों की गुहार नहीं सुनते। हर मॉनसून में यहां हालात इतने खराब हो जाते हैं कि गांववाले अपनी जान जोखिम में डालकर हाथ से बने, कच्चे लकड़ी के पुल को पार करने को मजबूर हो जाते हैं। मानसून आते ही संपर्क टूटने का डर, लकड़ी का पुल ही एकमात्र सहारा मिठाना के मुवाड़ा गांव से गुजरने वाली खड्ड या नदी पर कोई पक्का पुल न होने से, मानसून का मौसम शुरू होते ही गांव से संपर्क टूटने का डर हमेशा बना रहता है। स्थानीय निवासियों ने अपने तरीके से लकड़ी और बांस का इंतज़ाम करके एक अस्थायी पुल बनाया है। मानसून के दौरान, जब खड्ड में पानी का बहाव बढ़ जाता है, तो छोटे बच्चों, महिलाओं और बुज़ुर्गों के लिए इस फिसलन भरे और कमज़ोर लकड़ी के पुल को पार करना सीधे मौत की सज़ा देने जैसा है। मासूम बच्चों को स्कूल भेजते समय माता-पिता की जान सांसत में है। गांव वालों के मुताबिक, वे पिछले 15 सालों से इस गंभीर समस्या का सामना कर रहे हैं।

स्थानीय सरपंच, तालुका और ज़िला स्तर के अधिकारियों और नेताओं को कई बार रिप्रेजेंटेशन दी जा चुकी है। जब चुनाव आते हैं, तो नेता बड़े-बड़े वादे करते हैं और वोट रजिस्टर करवाते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही इस खतरनाक पुल और मेटना मुवाड़ा के लोगों को भुला दिया जाता है। आज़ादी के दशकों बाद भी सुरक्षित पुल न मिलना सिस्टम की असंवेदनशीलता और निष्क्रियता का ज्वलंत सबूत है। लोग इस बात पर गुस्सा जाहिर कर रहे हैं कि अगर मानसून के दौरान लकड़ी के पुल को पार करते समय कोई बच्चा या गांववाला गिर गया और किसी की जान चली गई, तो इसकी पूरी ज़िम्मेदारी सिस्टम की होगी। स्थानीय निवासियों ने अब साफ चेतावनी दी है कि अगर मेटना मुवाड़ा के लिए कंस्ट्रक्शन के काम को जल्द से जल्द मंज़ूरी नहीं मिली, तो वे आने वाले समय में उग्र आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे और चुनाव का बॉयकॉट करने से भी नहीं हिचकिचाएंगे।

वडोदरा के वाघोडिया रोड पर एक घर की वॉशिंग मशीन के पीछे साढ़े तीन फीट लंबा 'पतला घो' मिला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। श्रीनाथजी सोसाइटी की रेजिडेंशियल बिल्डिंग में एक बहुत बड़ा रेंगने वाला जीव घुस गया, जिससे परिवार में डर फैल गयाः रेस्क्यू टीम ने मॉनिटर लिज़र्ड को सुरक्षित रूप से पकड़कर उसके नेचुरल हैबिटैट में छोड़ दिया वडोदरा शहर में वाघोडिया रोड के पास श्रीनाथजी सोसाइटी से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। सोसाइटी की एक रेजिडेंशियल बिल्डिंग में अचानक साढ़े तीन फीट से ज़्यादा लंबा एक बहुत बड़ा 'पतला घो' (मॉनिटर लिज़र्ड) देखा गया, जिससे परिवार के सदस्यों में बहुत ज़्यादा घबराहट और डर फैल गया।
मिली जानकारी के अनुसार, घर के काम करते समय परिवार के सदस्यों ने इस बड़े रेंगने वाले जीव को वॉशिंग मशीन के पीछे छिपा हुआ देखा। साढ़े तीन फीट से ज़्यादा लंबे पतले घो को देखकर परिवार वाले डर गए और बिना देर किए, उन्होंने तुरंत लोकल वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम से संपर्क किया। जैसे ही घटना की खबर मिली, बचाव दल के नितिन सोलंकी और प्रीतेश सोलंकी टाइम इंडिकेटर का इस्तेमाल करके तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने घर में डरे हुए परिवार के सदस्यों को हिम्मत दी और बहुत सावधानी से बचाव अभियान चलाया। वाशिंग मशीन के पीछे छिपे पतले घो को बहुत सावधानी से पकड़ा गया और सफलतापूर्वक बचाया गया। बचाव दल द्वारा पतले घो को सुरक्षित रूप से बचाने और उसे इंसानों की आबादी से दूर उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ने के बाद, सोसायटी के निवासियों और परिवार के सदस्यों ने राहत की सांस ली।

संक्षिप्त न्यूज

NTA पेपर लीक मामले में CBI चार्जशीट के बाद सियासत गरम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। NTA पेपर लीक मामले में CBI की चार्जशीट के बाद केंद्र सरकार और NTA की कार्यप्रणाली पर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं। भर्ती प्रक्रिया, प्रशासनिक व्यवस्था और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका को लेकर भी जांच की मांग तेज हो गई है। विपक्ष ने सरकार पर जवाबदेही से बचने के आरोप लगाए हैं। मामले को लेकर छात्रों और अभिभावकों में भी नाराजगी बनी हुई है।

सुरेंद्रनगर डब्बा ट्रेडिंग स्कैम में बड़ी कार्रवाई A SI संजयसिंह राठौड़ सस्पेंड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सुरेंद्रनगर। रतनपुर के चर्चित अवैध डब्बा ट्रेडिंग मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ASI संजयसिंह राठौड़ को सस्पेंड कर दिया। मामले में ASI के पिता समेत छह लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। जांच में ASI की कथित संलिप्तता सामने आने के बाद राजकोट रेंज DIG निर्लिप्त राय ने कार्रवाई की। सस्पेंशन के बाद ASI के फरार होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

अरावली में 8 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के प्रयास का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अरावली। घर से करीब 500 मीटर दूर दुकान पर सामान लेने गई 8 वर्षीय बच्ची के साथ एक व्यक्ति द्वारा दुष्कर्म का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है। बच्ची के शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस CCTV फुटेज और तकनीकी निगरानी के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है। घटना से क्षेत्र में आक्रोश है।

काठलाल में जुए के अड्डे पर पुलिस की रेड, 3 जुआरी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

काठलाल। छिपड़ी आउट पोस्ट क्षेत्र के कलेसर आंबलिया गांव में पुलिस ने खुले मैदान में चल रहे कथित जुए के अड्डे पर छापा मारकर तीन लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से 16,300 रुपये नकद और जुए से संबंधित सामग्री बरामद की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चंदनसिंह उर्फ सीके खोडाजी झाला, बलवंतसिंह पर्वतसिंह झाला और जगदीश जुवानसिंह झाला के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ गैंबलिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

वडोदरा के रमेशनगर से 4.30 लाख की विदेशी शराब ज़ब्त, 2 शराब तस्करों को जेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। जवाहरनगर पुलिस दो बार रेड में नाकाम, स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने शराब नेटवर्क का पर्दाफाश किया अल्पेश मेहुलिया और खालिद शेख गिरफ्तार स्टेट मॉनिटरिंग सेल की एक टीम ने वडोदरा शहर के जवाहरनगर पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत करोलिया रमेशनगर इलाके में एक बड़े शराब नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। SMC ने मौके से 4.30 लाख (लगभग 35 से 40 पेटी) की विदेशी शराब ज़ब्त की है, जिससे लोकल पुलिस के काम पर बड़े सवाल उठ रहे हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, स्ष्ट टीम ने खास जानकारी मिलने पर रमेशनगर में रेड की। इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने मौके से मुख्य आरोपी अल्पेश मेहुलिया और खालिद काशम शेख को हिरासत में लिया है, जबकि एक और संदिग्ध को हिरासत में लेकर उससे कड़ी पूछताछ की जा रही है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इससे पहले जवाहरनगर पुलिस स्टेशन की टीम ने इसी जगह पर दो बार रेड मारी थी, लेकिन लोकल पुलिस को वहां से कुछ नहीं मिला और वे खाली हाथ लौट आए। जहां लोकल पुलिस रेड में फेल हो गई, वहीं SMC टीम ने लाखों रुपये की विदेशी शराब सफलतापूर्वक जब्त कर ली, जिससे पुलिस फोर्स में भारी हंगामा मच गया। फिलहाल, स्ष्ट ने जवाहरनगर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया है ताकि पता लगाया जा सके कि इतनी शराब कहां से लाई गई थी और इस नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल है। आगे की कानूनी जांच की गई है।

नसवाड़ी तालुका के पिसायदा गांव के प्राइमरी स्कूल में पढ़ाई का संकट

कमरे खराब होने की वजह से बच्चे छप्पर के नीचे पढ़ने को मजबूर है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटा उदयपुर। नसवाड़ी तालुका के पिसायदा गांव में पहली से आठवीं क्लास तक के सरकारी प्राइमरी स्कूल की हालत बहुत खराब हो गई है। स्कूल की बिल्डिंग खराब होने और बेसिक सुविधाओं की कमी की वजह से छोटे बच्चे छप्पर के नीचे खुले में पढ़ने को मजबूर हैं। पिसायदा प्राइमरी स्कूल में कुल चार क्लासरूम हैं, लेकिन उनमें से तीन इतनी खराब हालत में हैं कि उनका इस्तेमाल करना खतरनाक हो गया है। बारिश के मौसम में, इन कमरों की छत से लगातार पानी टपकने की वजह से बच्चों को वहां बैठाना मुमकिन नहीं है। दीवारें और छत भी कमजोर होने की वजह से टीचर और बच्चे हादसों के डर के बीच पढ़ रहे हैं। अभी, सिर्फ एक क्लासरूम इस्तेमाल हो रहा है, जिसमें छठी से आठवीं क्लास के बच्चे बैठते हैं। वहीं, क्लासरूम न होने की वजह से पहली से पांचवीं क्लास के स्टूडेंट्स को स्कूल कैंपस में बने छप्पर के नीचे बैठना पड़ता है। इन बच्चों को बारिश, गर्मी और दूसरी मुश्किलों के बीच भी अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

स्कूल में बिजली सप्लाई की समस्या भी गंभीर हो गई है। बिजली मीटर लाइन में खराबी की वजह से स्कूल में लंबे समय से बिजली नहीं आ रही है। इस बारे में मध्य गुजरात बिजली कंपनी को लिखकर और बोलकर बताने के बाद भी अभी तक कोई हल नहीं निकला है। बिजली न होने की वजह से स्टूडेंट्स और टीचर्स को अपने रोज़ाना के पढ़ाई के काम में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय गांववालों और पेरेंट्स का कहना है कि बार-बार बताने के बाद भी स्कूल में नए क्लासरूम बनाने या खराब कमरों की मरम्मत के लिए अभी तक कोई असरदार कदम नहीं उठाया गया है। जिससे गरीब आदिवासी बच्चों की पढ़ाई पर सीधा असर पड़ रहा है। पेरेंट्स और गांववालों ने जिला शिक्षा विभाग, जिला प्रशासन और राज्य सरकार से मांग की है कि पिसायदा प्राइमरी स्कूल के खराब क्लासरूम को तुरंत हटाया जाए और नए और सुरक्षित क्लासरूम बनाए जाएं। साथ ही, स्कूल में बिजली की सप्लाई जल्द से जल्द ठीक की जानी चाहिए ताकि स्टूडेंट्स को सुरक्षित और सही पढ़ाई का माहौल मिल सके। अभी, पिसायदा गांव के

गरीब आदिवासी परिवारों के बच्चे अपने भविष्य के सपनों को पूरा करने की उम्मीद में छप्पर के नीचे पढ़ाई कर रहे हैं। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी इस गंभीर समस्या का समाधान कब और कैसे करेंगे।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और डेनमार्क के राजदूत की खास मौजूदगी

हानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात. ग्लोबल लेवल पर मॉडर्न टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में ज़्यादा कॉम्पिटिटिव, इनोवेटिव और लीडर बनाने के शुभ उद्देश्य से, डेवलप्ड गुजरात समिट 2026' का आयोजन मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल की अध्यक्षता में GIFT सिटी, गांधीनगर में 'भारत की भविष्य के लिए तैयार अर्थव्यवस्था का निर्माण' थीम पर बड़े पैमाने पर किया गया। इस हाई-लेवल समिट में साइंस और

टेक्नोलॉजी मंत्री श्री अर्जुनभाई मोढवाडिया, डेनमार्क के राजदूत श्री क्रिस्टेंसन के साथ-साथ देश-विदेश के उद्योगपति और गणमान्य लोग खास तौर पर मौजूद थे। प्रधानमंत्री के विज़न ने गुजरात को ग्लोबल हब बनाया हैः मुख्यमंत्री समिट को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी के दूरदर्शी विज़न की वजह से, गुजरात आज 'भविष्य का ग्लोबल गेटवे' बनकर उभरा है। राज्य में बन रहे तीन बड़े सेमीकंडक्टर प्लांट, नई डेटा सेंटर पॉलिसी और GIFT सटी में बन रहे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) सेंटर ने गुजरात में टेक्नोलॉजी और IT सेक्टर में एक नई क्रांति ला दी है। कार्यक्रम के दौरान, साइंस और टेक्नोलॉजी मंत्री श्री अर्जुनभाई मोढवाडिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न की वजह से, पूरा देश और गुजरात विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है। इस समिट के दौरान, साल 2047 तक गुजरात को ग्लोबल लीडर बनाने के रोडमैप पर चर्चा की गई। समिट में सेमीकंडक्टर, एडवांस्ड इंडस्ट्रीज़, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), साइबर सिक्योरिटी, ग्रीन एनर्जी, स्मार्ट सिटीज़ और इंफ्रास्ट्रक्च

यकीन मानिए कि आप कर सकते हैं!

महानगर मेट्रो ब्यूर

सिर्फ़ पॉज़िटिव सोच और नज़रिया ही हमें अपने लक्ष्य तक पहुँचने में मदद कर सकता है। कई बार हम अपनी कमियों पर ध्यान देते हैं, जिससे खुद पर शक और कॉन्फिडेंस की कमी होती है। इतिहास साबित करता है कि इंसान ने पक्के इरादे, नई सोच और लगातार कोशिशों से कई मुश्किलों को पार किया है। अगर हम अपनी काबिलियत पर भरोसा करें और ईमानदारी से कोशिश करें, तो हम अपने लक्ष्य पा सकते हैं। लेकिन अगर हम सिर्फ़ अपनी नाकामियों पर ध्यान देते हैं, तो हम पहला कदम उठाने में भी हिचकिचाते हैं। कामयाबी के लिए पॉज़िटिव नज़रिया, लगातार कोशिश और लक्ष्य पर ध्यान देना ज़रूरी है। यही बात स्पिरिचुअल ज़िंदगी पर भी लागू होती है। जब हम ज़िंदगी का मतलब खोजने के लिए स्पिरिचुअल सफ़र पर निकलते हैं और स्पिरिचुअल तरक्की के लक्ष्य पर

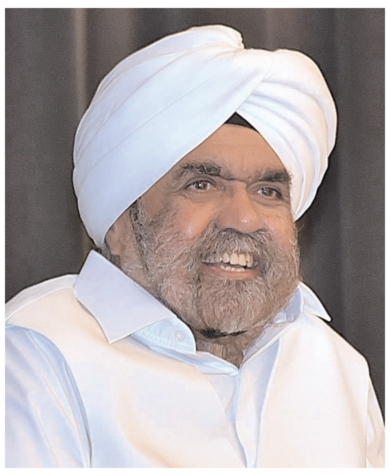

विश्वास और लगन के साथ डटे रहते हैं, तो हमें एहसास होता है कि सभी जवाब हमारे अंदर ही हैं। मेडिटेशन के ज़रिए हम अपनी आत्मा के असली रूप को पहचानते हैं और भगवान के प्यार और दिव्य रोशनी का अनुभव करते हैं। यह अनुभव हमारी ज़िंदगी को बदल देता है, अंदरूनी स्थिरता देता है और हमें ज़िंदगी के सबसे ऊँचे लक्ष्य की ओर बढ़ने में मदद करता है। उम्मीद हमारी आत्मा का एक दि० गुण है। चूँकि हमारी आत्मा भगवान का एक हिस्सा है, इसलिए यह गुण हमारे अंदर नैचुरली मौजूद होता है। निराशा हमें महसूस कराती है कि भगवान दूर हैं, जबकि आशावाद हमारे लक्ष्य तक पहुँचने का रास्ता खोलता है। यह सब सिर्फ़ एक विश्वास से शुरू होता है–कि हम अपना लक्ष्य पा सकते हैं। सावन कृपाल स्पिरिचुअल मिशन के दुनिया भर में 3200 से ज़्यादा सेंटर हैं और इसके साहित्य का 55 से ज़्यादा भाषाओं में अनुवाद किया गया है। मिशन का मुख्य सेंटर विजयनगर, दिल्ली में है और इंटरनेशनल सेंटर नेपरविले, ‡ में है। ज़्यादा जानकारी के लिए, संपर्क करें: 9825467110,

झालोद तालुका के बम्बाला सरकारी सेकेंडरी स्कूल के मिड-डे मील में कीड़े होने का आरोप, पेरेंट्स में गुस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद. तालुका के बम्बाला गांव के सरकारी सेकेंडरी स्कूल में स्टूडेंट्स को परोसे गए मिड-डे मील में कीड़े होने के आरोप के बाद पेरेंट्स में भारी हंगामा हुआ। घटना की जानकारी मिलने पर तालुका पंचायत प्रेसिडेंट सुरेशभाई कटारा खुद स्कूल पहुंचे और पूरी घटना का जायजा लिया और स्टूडेंट्स और टीचर्स से बात करके सच्चाई का पता लगाया। मिली जानकारी के मुताबिक, स्कूल में मिड-डे मील में स्टूडेंट्स को थूली और सब्जी परोसी गई थी। कुछ स्टूडेंट्स ने खाने में कीड़े होने का आरोप लगाते हुए खाने से मना कर दिया। स्टूडेंट्स के मुताबिक, उन्होंने स्कूल कैंपस में जगह-जगह खाना फेंक दिया। जैसे ही घटना की खबर गांव में फैली, पेरेंट्स भी स्कूल पहुंच गए। तालुका पंचायत प्रेसिडेंट सुरेशभाई कटारा ने कहा, 'बच्चों की हेल्थ को लेकर कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। घटना की जानकारी मिलने पर मैं तुरंत स्कूल पहुंचा। स्टूडेंट्स से सीधे बात करते हुए कुछ बच्चों ने शिकायत की कि खाने में कीड़े थे। जिम्मेदार अधिकारियों को पूरे मामले की जांच करने और सही एक्शन लेने का निर्देश दिया जाएगा। यह

बहुत ज़रूरी है कि मिड-डे मील की क्वालिटी बनी रहे। ' आरोपों को खारिज करते हुए, स्कूल की असिस्टेंट टीचर कमलाबेन मालीवाड़ ने कहा 'खाने में कोई कीड़े नहीं थे। हमने खुद भी वही खाना खाया था। स्टूडेंट्स को जो खाना दिया गया था, वह सही और अच्छी क्वालिटी का था। हालांकि, स्टूडेंट्स की शिकायत को गंभीरता से लिया जा रहा है। ' 'बच्चों से खाने में कीड़े होने की जानकारी मिलने के बाद मैं तुरंत स्कूल पहुंचा। जब मैंने बच्चों से पूछा, तो उन्होंने साफ-साफ बताया कि खाने में कीड़े थे और इसलिए उन्होंने खाना नहीं खाया। बच्चों की हेल्थ से कोई कॉम्प्रोमाइज नहीं किया जा सकता। पूरी घटना की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

महापौर हितेश बारोट की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय अहमदाबाद में 'ऑपरेशन नाइट वॉच':5000 से ज़्यादा पुलिसवाले सड़क पर उतरे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में कानून-व्यवस्था की स्थिति को और मज़बूत करने और रात में असामाजिक तत्वों पर सख्त कंट्रोल पाने के मकसद से अहमदाबाद शहर पुलिस एक्शन मोड में आ गई है। पुलिस कमिश्नर अनुपमसिंह गहलोत के समझदारी भरे गाइडेंस में शहर में एक बड़ा और ज़बरदस्त कैंपेन 'ऑपरेशन नाइट वॉच' शुरू किया गया है। इस मेगा ड्राइव के तहत, पूरा शहर रोज़ाना रात 12:00 बजे से 2:00 बजे तक पुलिस छावनी में बदल जाता है। इस खास कैंपेन के तहत, बड़े अधिकारियों से लेकर क्राइम ब्रांच, स्ह्ल, ट्रैफिक पुलिस और लोकल पुलिस स्टेशनों की टीमों तक, 5000 से ज़्यादा पुलिसवाले सीधे फील्ड में तैनात हैं। शहर के पूर्वी और पश्चिमी इलाकों में मेन रोड, हाईवे, सिंधु भवन रोड, एस.जी. हाईवे और 150 से ज़्यादा सेंसिटिव जगहों पर स्पेशल नाकाबंदी और सख्त चेकिंग की जा रही है, जहाँ असामाजिक तत्व तैनात हैं। रात में लापरवाही से गाड़ी चलाने वाले स्टंटमैन, नशे में गाड़ी चलाने वाले ड्राइवर और देर रात खुले में रॉन्ग साइड या काली खिड़कियों वाली कारों में गाड़ी चलाने वाले लोगों के खिलाफ मौके पर ही कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा, संदिग्ध गाड़ियों की तलाशी लेकर गैर-कानूनी कामों पर सीधा प्रहार किया जा रहा है। पुलिस के इस सख्त और अचानक कॉम्बिंग ऑपरेशन से अपराधियों और असामाजिक तत्वों में भारी दहशत फैल गई है। दूसरी ओर, अहमदाबाद पुलिस ने देर रात काम और बिजनेस से लौट रहे मासूम नागरिकों और उनके परिवारों को सुरक्षा का पक्का एहसास दिलाया है। पुलिस सिस्टम ने साफ संदेश दिया है कि कानून हाथ में लेने या शांति भंग करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

गोंडल में 25 साल के आशिक ने 45 साल की गर्लफ्रेंड को चलती ट्रेन से कटवाकर मार डाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। रेलवे पुलिस और गोंडल बी-डिवीजन पुलिस की टीम ने एक सनसनीखेज मर्डर मिस्ट्री को सुलझाकर बड़ी कामयाबी हासिल की है। गोंडल इलाके में हुई एक दिल दहला देने वाली घटना में, एक 25 साल के युवक ने अपनी 45 साल की गर्लफ्रेंड को बहुत ही बेरहमी से चलती ट्रेन से कटवाकर मार डाला। इस साजिश का पर्दाफाश होते ही पूरे इलाके में भारी हंगामा मच गया।शुरुआती जानकारी के मुताबिक, उम्र में काफी अंतर वाले युवक और युवती के बीच प्रेम संबंध थे। किसी अनजान वजह से या अंदरूनी झगड़े के चलते, 25 साल के आशिक ने अपनी गर्लफ्रेंड को मारने की जानलेवा साजिश रची। मौका मिलते ही आरोपी ने 45 साल के प्रेमी को चलती ट्रेन से टक्कर मार दी, जिससे महिला को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। शुरू में पता चला कि इस घटना के पीछे कोई बड़ी साज़िश थी, जो एक एक्सीडेंट लग रहा था। घटना की गंभीरता को देखते हुए, राजकोट रेलवे पुलिस के डी-स्टाफ और गोंडल बी-डिवीजन पुलिस के स्टाफ ने तुरंत एक जॉइंट ऑपरेशन शुरू किया। टेक्निकल सोर्स और खास जानकारी के आधार पर पुलिस ने इस बेरहमी से साज़िश रचने वाले आरोपी प्रेमी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस हर तरफ से पूरी जांच कर रही है ताकि पता चल सके कि इस भयानक हत्या के पीछे असली वजह क्या थी, दोनों के बीच क्या झगड़ा था और क्या हत्या में कोई और भी शामिल था।

कर्णावती महानगर में 'हर घर तिरंगा' अभियान को आसमान तक ले जाने के लिए तैयारियां जोरों पर

हानगर मेट्रो ब्यूरो

कर्णावती। बैठक आयोजित की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देशव्यापी आह्वान को लेकर अहमदाबाद मनपा एवं संगठन तैयार पुलिस आयुक्त, मनपा आयुक्त समेत आला अधिकारी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के देशव्यापी आह्वान से प्रेरित होकर पूरे कर्णावती महानगर में 'हर घर तिरंगा' अभियान को अभूतपूर्व सफल बनाने एवं देशभक्ति का माहौल बनाने हेतु पूर्व तैयारियों की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण एवं उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। अहमदाबाद के महापौर श्री हितेश बारोट की विशेष उपस्थिति एवं अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में अभियान को घर-घर तक ले जाने के लिए विस्तृत योजना बनाई गई। इस उच्च स्तरीय बैठक में कर्णावती महानगर अध्यक्ष श्री प्रेरकभाई शाह, मनपा आयुक्त श्री बंछानिधि पानी (आईएएस), अहमदाबाद शहर पुलिस आयुक्त, स्थायी समिति अध्यक्ष श्री कमलेशभाई पटेल, उप महापौर श्रीमती. अंजूबेन शाह, रूलिंग पार्टी के नेता श्री जशुभाई ठाकोर और दंडक श्री अतुल मिश्रा खास तौर पर मौजूद थे। इसके अलावा, महानगर संघ के अलग-अलग पदाधिकारी, अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के पदाधिकारी और बड़े अधिकारी भी बड़ी संख्या में मौजूद थे। मीटिंग के दौरान, मेयर हितेश बारोट और मौजूद गणमान्य लोगों ने कहा कि सिस्टम और संगठन मिलकर यह पक्का करेंगे कि शहर के हर नागरिक के दिल और घर में राष्ट्रीय ध्वज गर्व और सम्मान के साथ लहराता रहे। शहर के सभी ज़ोन और वार्ड लेवल पर तिरंगा आसानी से उपलब्ध कराने और अलग-अलग देशभक्ति प्रोग्राम, रैलियां और जन-जागरूकता कैंपेन आयोजित करने के लिए अधिकारियों को ज़रूरी निर्देश दिए गए।

गुजरात की पूर्व मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल का खुद का धमाकाः गुजरात में रास्ते में ही खाने के सैंपल बदले जा रहे थे!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। सियासत गरमा गई है क्योंकि BJP की सीनियर नेता और राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने BJP राज और उसके 'गुजरात मॉडल' की पोल खोल दी है। उत्तर प्रदेश में एक पब्लिक प्रोग्राम के दौरान मंच से बयान देते हुए आनंदीबेन पटेल ने सनसनीखेज खुलासा किया कि गुजरात में लिए गए खाने के सैंपल टेस्टिंग के लिए लैब पहुंचने से पहले रास्ते में ही बदले जा रहे थे! पूर्व मुख्यमंत्री के इस बयान ने BJP सरकार के भ्रष्टाचार-मुक्त शासन के दावों की हवा निकाल दी है। 30 साल तक उन पर भरोसा करने वाली जनता के साथ इतना बड़ा धोखा? गुजरात की जागरूक जनता ने 30 साल तक BJP पर अटूट भरोसा करके सत्ता की चाबी सौंपी और उसे दिल्ली की गद्दी तक पहुंचाया। लेकिन बदले में उन्हीं लोगों को क्या मिला? लोगों के घरों तक पहुंचने वाले खाने-पीने के सामान में मिलावट, नकली सामान और भ्रष्टाचार! जब राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री खुद मानते हैं कि रास्ते में ही

फूड सेफ्टी सैंपल बदल दिए जाते थे, तो सवाल उठता है कि क्या यह बिचौलिया राज और भ्रष्टाचार शासकों के आशीर्वाद के बिना संभव है? लोगों की सेहत से खिलवाड़ ही BJP का असली 'मॉडल' हैकांग्रेस पार्टी ने BJP सरकार पर हमला बोलते हुए कहा है कि गुजरात के करोड़ों नागरिकों की सेहत और जान से खिलवाड़ करने वाला सिस्टम ही BJP का असली मॉडल है। खाने-पीने के सामान की धरपकड़ और जांच सिर्फ कागजों तक ही सीमित रही और मिलावट करने वालों को खुली छूट दी गई। आनंदीबेन पटेल के इस गुस्से के बाद, BJP के कथित विकास मॉडल का असली चेहरा गुजरात की जनता के सामने आ गया है.

गुजरात की पूर्व मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल का खुद का धमाका

सैंपलिंग में बिचौलियों के राज और जनता की सेहत के साथ BJP का असली 'गुजरात मॉडल' बेमेलः सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी पर कड़ा हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। सियासत गरमा गई है क्योंकि BJP की सीनियर नेता और राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने BJP राज और उसके 'गुजरात मॉडल' की पोल खोल दी है। उत्तर प्रदेश में एक पब्लिक प्रोग्राम के दौरान मंच से बयान देते हुए आनंदीबेन पटेल ने सनसनीखेज खुलासा किया कि गुजरात में लिए गए खाने के सैंपल टेस्टिंग के लिए लैब पहुंचने से पहले रास्ते में ही बदले जा रहे थे! पूर्व मुख्यमंत्री के इस बयान ने BJP सरकार के भ्रष्टाचार-मुक्त शासन के दावों की हवा निकाल दी है। गुजरात की जागरूक जनता ने 30 साल तक BJP पर अटूट भरोसा करके सत्ता की चाबी सौंपी और उसे दिल्ली की गद्दी तक पहुंचाया। लेकिन बदले में उन्हीं लोगों को क्या मिला? लोगों के घरों तक पहुंचने वाले खाने-पीने के सामान में मिलावट, नकली सामान और भ्रष्टाचार! जब राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री खुद मानते हैं कि रास्ते में ही फूड सेफ्टी सैंपल बदल दिए जाते थे, तो सवाल उठता है कि क्या यह बिचौलिया राज और भ्रष्टाचार शासकों के आशीर्वाद के बिना संभव है? लोगों की सेहत से खिलवाड़ ही BJP का असली 'मॉडल' है कांग्रेस पार्टी ने BJP सरकार पर हमला बोलते हुए कहा है कि गुजरात के करोड़ों नागरिकों की सेहत और जान से खिलवाड़ करने वाला सिस्टम ही BJP का असली मॉडल है। खाने-पीने के सामान की धरपकड़ और जांच सिर्फ कागजों तक ही सीमित रही और मिलावट करने वालों को खुली छूट दी गई। आनंदीबेन पटेल के इस गुस्से के बाद, BJP के कथित विकास मॉडल का असली चेहरा गुजरात की जनता के सामने आ गया है और सिस्टम की इस बड़ी लापरवाही के खिलाफ लोगों में काफी गुस्सा है। RSS चीफ मोहन भागवत के 'Gen-Z पर बयान से सियासत गरमाईःकॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने दिया कड़ा रिएक्शन 'जो युवा प्रोटेस्ट कर रहे हैं, वे एंटी-नेशनल नहीं हैं, डेमोक्रेसी में प्रदर्शन आम सहमति का एक टूल है राष्ट्रीय स्वयंसेवक के सरसंघचालक मोहन भागवत के नई पीढ़ी यानी 'Gen-' और हाल के युवा आंदोलनों को लेकर दिए गए बयान के बाद देश की सियासत में नई गरमाहट आ गई है। गुरुवार को 'Gen-' से जुड़े एक खास प्रोग्राम में शामिल होते हुए मोहन भागवत ने खुले तौर पर माना कि हाल के आंदोलनों के दौरान स्टूडेंट्स की शिकायतें और मांगें पूरी तरह से जायज थीं। मोहन भागवत ने जोर दकर कहा कि Gen के जो युवा अपनी मांगों और हक के लिए सड़कों पर प्रोटेस्ट कर रहे हैं.

आज का राशिफल

मेष
आज कामकाज में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृषभ
धन संबंधी मामलों में लाभ के योग हैं। रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। सेहत का ध्यान रखें।

मिथुन
आज नए अवसर मिलेंगे। नौकरी-व्यवसाय में प्रगति होगी। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

कर्क
मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

सिंह
कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन लाभ के अवसर मिल सकते हैं। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर लें।

कन्या
आज योजनाओं में सफलता मिल सकती है। व्यापार में लाभ होगा। यात्रा के योग बन रहे हैं।

तुला
नौकरी और व्यवसाय में सकारात्मक बदलाव आएंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी।

वृश्चिक
आज मेहनत अधिक करनी पड़ सकती है। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

धनु
नए काम की शुरुआत के लिए दिन अच्छा है। करियर में आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मकर
कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। धन संबंधी परेशानियां कम होंगी। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा।

कुंभ
आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यापार में नए सौदे मिल सकते हैं। निवेश में जल्दबाजी से बचें।

मीन
दिन शुभ रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। परिवार और मित्रों का सहयोग मिलेगा।

संसदीय-गतिरोध से नहीं चलेगा लोकतंत्र, संवाद ही है समाधान

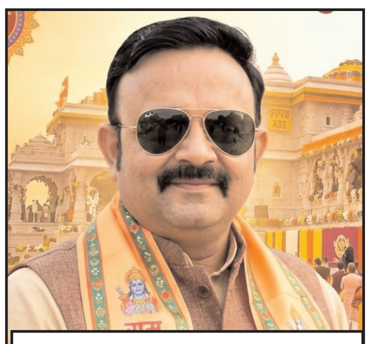

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

> लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है। यही वह सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है जहां राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य से जुड़े विषयों पर गंभीर विमर्श होता है, सरकार जवाबदेह बनती है, विपक्ष जनभावनाओं को स्वर देता है और कानूनों के माध्यम से देश के विकास की दिशा तय होती है। लेकिन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज संसद संवाद और सहमति का मंच बनने के बजाय टकराव, आरोप-प्रत्यारोप, नारेबाजी और राजनीतिक हठधर्मिता का अखाड़ा बनती जा रही है। मानसून सत्र में जिस प्रकार लगातार गतिरोध बना हुआ है, उससे केवल संसदीय कार्यवाही ही बाधित नहीं हो रही, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा भी आहत हो रही है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए हुई बातचीत भी किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी। यह स्थिति बताती है कि दोनों पक्ष अपने-अपने राजनीतिक आग्रहों में इतने उलझ गए हैं कि राष्ट्रहित पीछे छूट गया है। विपक्ष की ओर से यह शर्त रखी जा रही है कि जब तक कुछ विशेष मुद्दों पर सरकार सदन में बयान और चर्चा के लिए तैयार नहीं होती, तब तक संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी जाएगी। दूसरी ओर सरकार भी अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर अडिग है। परिणाम यह है कि संसद का बहुमूल्य समय निरर्थक विवादों की भेंट चढ़ रहा है।

लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। लोकतंत्र में विरोध की भी मयार्दा होती है। जब विरोध संसद को चलने ही न दे, तब वह लोकतांत्रिक अधिकार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक दायित्वों की उपेक्षा बन जाता है। पिछले कुछ वर्षों से यह चिंताजनक प्रवृत्ति लगातार बढ़ी है कि संसद सत्र प्रारंभ होने से पहले ऐसे मुद्दे राजनीतिक रूप से उछाले जाते हैं, जिनके आधार पर पूरे सत्र को बाधित किया जा सके। परिणामस्वरूप अनेक महत्वपूर्ण विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित हो जाते हैं अथवा कई विधेयक लंबित रह जाते हैं। इससे सबसे अधिक नुकसान देश को होता है। संसद का प्रत्येक मिनट करोड़ों रुपये की सार्वजनिक धनराशि से संचालित होता है। यदि वह समय केवल शोर-शराबे और नारेबाजी में बीत जाए तो यह करदाताओं के धन और लोकतांत्रिक विश्वास-दोनों का अपमान है।

लोकतंत्र में संवाद ही समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम है। महात्मा गांधी से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी तक भारतीय राजनीति की श्रेष्ठ परंपरा संवाद, सहमति और संवेदनशीलता की रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पक्ष और विपक्ष दोनों अपने-अपने दुराग्रह छोड़कर संवाद की मेज पर बैठें। संसद की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन किसे अधिक कठघरे में खड़ा करता है, बल्कि इस बात में है कि राष्ट्रहित के प्रश्नों पर कितनी गंभीरता से विचार किया जाता है। विशेष रूप से कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल आंदोलन और विरोध का नाम नहीं है। विपक्ष की भूमिका सरकार को गिराने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र को संभालने की होती है। यदि प्रत्येक मुद्दे पर संसद को बाधित करने की रणनीति अपनाई जाएगी तो जनता के बीच यह संदेश जाएगा कि विपक्ष के पास वैकल्पिक नीति और दृष्टि का अभाव है। लोकतंत्र में जनता केवल विरोध नहीं, समाधान भी चाहती है। यदि विपक्ष स्वयं संवाद से दूरी बनाएगा तो ह्यसंवाद से समाधानह्ण का आदर्श केवल नारा बनकर रह जाएगा।

सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतंत्र में बहुमत का अर्थ मनमानी नहीं होता। सरकार को भी विपक्ष की उचित मांगों को सुनना चाहिए और जहां संभव हो, सहमति का मार्ग निकालना चाहिए। संसद किसी एक दल की नहीं, पूरे राष्ट्र की संस्था है। इसलिए सरकार को भी संवेदनशीलता, धैर्य और व्यापक दृष्टिकोण का परिचय देना होगा। किंतु यदि संवाद का प्रत्येक प्रयास केवल राजनीतिक शर्तों और हठधर्मिता में उलझ जाए तो समाधान की संभावनाएं स्वतः समाप्त हो जाती हैं। आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीतिक परिपक्वता की है। दुर्भाग्य से भारतीय राजनीति में आग्रह, पूर्वाग्रह और दुराग्रह का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। हर मुद्दे को चुनावी लाभ-हानि के चश्मे से देखा जा रहा है। संसद में बहस कम और राजनीतिक संदेश अधिक दिए जा रहे हैं। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र को कमजोर करती है। संसद का उद्देश्य जनकल्याणकारी नीतियों पर विचार करना है, न कि चुनावी रणनीतियों का मंच बन जाना।

देश आज आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति, रोजगार, शिक्षा, कृषि, राष्ट्रीय सुरक्षा, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक समरसता जैसी अनेक चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय संसद का प्रत्येक दिन अत्यंत मूल्यवान है। यदि यह समय केवल राजनीतिक टकराव में व्यतीत होगा तो विकास की गति अवश्य प्रभावित होगी। कानूनों में विलंब, नीतिगत निर्णयों की देरी और संसदीय अस्थिरता का सीधा प्रभाव आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती इस बात में नहीं कि संसद में कितना शोर हुआ, बल्कि इस बात में है कि वहां कितने सार्थक विचार सामने आए। स्वस्थ लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष प्रतिद्वंद्वी अवश्य होते हैं, किंतु शत्रु नहीं। दोनों का अंतिम लक्ष्य राष्ट्रहित होना चाहिए। यदि राजनीतिक दल इस मूल भावना को भूल जाएंगे तो लोकतंत्र केवल संख्या का खेल बनकर रह जाएगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल आत्ममंथन करें। विपक्ष अपने विरोध को रचनात्मक बनाए, सरकार अपने संवाद को व्यापक बनाए और दोनों मिलकर संसद की प्रतिष्ठा पुनः स्थापित करें। लोकतंत्र का भविष्य टकराव में नहीं, संवाद में सुरक्षित है। संसद की गरिमा नारेबाजी से नहीं, विचार-विमर्श से बढ़ती है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में यदि संसद ही गतिरोध का प्रतीक बन जाएगी तो जनता का विश्वास कमजोर होगा, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है। समय की पुकार है कि राजनीति चुनावों की सीमाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़े। पक्ष और विपक्ष दोनों यह स्मरण रखें कि वे किसी दल के नहीं, पहले भारत के प्रतिनिधि हैं। संसद की प्रत्येक घड़ी राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। उसे हठ, अहंकार और राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ाना भविष्य की पीढ़ियों के साथ अन्याय होगा। यदि लोकतंत्र को सशक्त बनाना है, संसद की प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित करनी है और भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, तो केवल एक ही मार्ग है-संवाद, सहमति और राष्ट्रहित। यही भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है और यही संसदीय मयार्दा का सर्वोच्च आदर्श।

संपादकीय

रिश्तों के जख्म

अक्सर भारतीय समाज में उदाहरण दिया जाता रहा है कि बेटे भले ही बुढ़ापे में मां-बाप की अनदेखी कर दें, लेकिन बेटियां हर मुश्किल वक्त में मां-बाप के साथ खड़ी होती हैं। वे संवेदनशील होती हैं। रिश्तों की कद्र करना जानती हैं। लेकिन सोनीपत के एक वृद्धाश्रम में रहने वाले एक हारे हुए कारोबारी, जीवन के बाद भी अपनों की बेरुखी से हार गये। जिन तीन बेटियों को नाजों से पाला, खूब पढ़ाया-लिखाया और धूमधाम से शादी की, उनमें से कोई भी पिता की चिता को अग्नि देने नहीं आई। वृद्धाश्रम के कर्ता-धताओं के सबल आग्रह के बावजूद कोई बेटी आने को तैयार न हुई। एक बेटी तो नेपाल में थी लेकिन दूसरी आजमगढ़ और तीसरी मुंबई में थी। एक बेटी ने ऑनलाइन कुछ पैसे अंतिम संस्कार के लिये भेजकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली। जबकि बाकी ने आने में असमर्थता जता दी। हां, मुंबई वाली बेटी ने अंतिम संस्कार का वीडियो जल्दी से भेजने को जरूर कहा। घटनाक्रम का दुखांत यह भी है कि बेटियों ने तेरहवीं तक में आने से इनकार कर दिया। वक्त का चक्र देखिए कि कभी मुंबई में करोड़ों का कारोबार करने वाले कारोबारी की अंतिम यात्रा के वक्त कोई अपना साथ न था। कारोबार में घाटे के बाद अपनों ने मुंह फेर लिया। कुछ समय पहले वृद्धाश्रम में रह रही पत्नी भी साथ छोड़ गई। आज हम तमाम समृद्धि व सुख-सुविधाएं जुटाने की होड़ में लगे रहते हैं, लेकिन लगातार रिश्तों की पूंजी गंवाते जा रहे हैं। कोरोना काल में तमाम खून के रिश्तों की त्रासदी तब भी उजागर हुई थी, जब संक्रमण से पीड़ित माता-पिता से खून के रिश्ते भी दूर हो गए थे। यह हमारे समय की त्रासदी है कि तमाम सुख-सुविधाओं में पले बच्चे मुश्किल वक्त में जीवन देने वाले मां-बाप को त्रासदपूर्ण स्थितियों में अकेला छोड़ देते हैं। वहीं यह हमारे समाजविज्ञानियों के लिये गहन आत्ममंथन का विषय है कि क्यों नई पीढ़ी हमारे सनातन जीवन मूल्यों से विमुख होती जा रही है। एक समय था कि पूरी दुनिया में भारत के संयुक्त परिवारों की मिसाल दी जाती थी। पुरानी पीढ़ी भले ही अभावों में पली हो, पिता चाहे व्यवहार में कितने भी सख्त रहे हों, लेकिन बच्चों ने बुढ़ापे की लाठी बनकर अपने तमाम दायित्वों को ईमानदारी से निभाया। दरअसल, संयुक्त परिवार हमें कष्ट सहने, सामंजस्य बनाने और दूसरों के सुख-दुख में शामिल होने का संदेश भी देता था। जीवन के हर क्षेत्र में एक अनुशासन की जरूरत होती है। परिवार में भी यदि मुखिया का अनुशासन कायम न रहे तो बच्चे स्वच्छंद व्यवहार करने लगते हैं। वे आत्मकेंद्रित हो जाते हैं। लेकिन आज हमारे समाज में पश्चिमी संस्कृति ने इतनी गहराई से जड़ें जमा ली हैं कि परिवार संस्था को लेकर हम संवेदनहीन होते चले गये।

चिंतन-मनन

ध्यान से खुल जाते हैं आत्मा के सारे चक्र

उपदेशों और सिद्धांतो की इतनी भरमार है कि परमात्मा को अर्थात अपने जीवन के परम लक्ष्य को ढूंढना घास में से सुई खोजने के बराबर हो गया है। कुछ लोगों के लिए आध्यात्मिकता, माया से मुक्त होने का साधन है तो कुछ लोगों के लिए यह तप और भक्ति से भी अधिक उच्च स्तर का मार्ग है। भले ही परमलक्ष्य तक पहुंचने के विभिन्न मार्ग क्यों न हों, लेकिन योग उनमें किसी प्रकार का भेद नहीं करता। एक योगी के लिए यह संपूर्ण सृष्टि किसी नाटक के समान है। चरित्रों और दृष्यों से प्रभावित हुए बिना इस नाटक का अनुभव करना ही परम उद्देश्य है। आवश्यकता कर्म से ऊपर उठने की है। कृष्ण ने अपनी लीला से इस महत्व को समझाया कि नाटक के मोह में नहीं बंधना है। न ही इससे प्रभावित होना है। यही निष्काम कर्म है। जो सुख- दुख से परे रखता है। मनुष्य में आध्यात्मिक उत्थान की प्रक्रिया शुरू होती और आगे बढ़ती है तो आत्मा विभिन्न चप्रों और जीवन के पहलुओं से होते हुए निरंतर आरोहण करने लगती है। जीवन में भौतिक शरीर की मूल आवश्यकताओं और इच्छाओं से ऊपर उठते हुए उच्चतम शिखरों को छूते हुए अंत में स्वयं से और इस संसार से भी ऊपर उठना होता है। सनातन क्रिया में अष्टांग योग के आठों अंग पूर्णतया सम्मिलित हैं। गुरु के सानिध्य में इस क्रिया को करने से निम्न चप्रों से आज्ञा चप्र व उससे आगे तक पहुंचने का मार्ग स्पष्ट हो जाता है। किसी युग में चप्रों पार करने और अंतिम स्थिति तक तक पहुंचना आसान रहा होगा पर आज हम जिस युग में रह रहे हैं, उसमें ऊंचाई तक पहुंचने के लिए प्रचंड पुरुषार्थ करने की जरूरत रहती है। शास्त्रों और उन्हें जानने वाले ज्ञानीजनों के अनुसार कलियुग के इस अंतिम चरण में हम सब में से अधिकतर व्यक्ति स्वाधिष्ठान के स्तर पर ही अटके हुए हैं। कुछ ही अनाहद तक पहुंच सके हैं और उससे भी कम विशुद्धियां तक का मार्ग तय कर पाए हैं। जो आज्ञा चप्र तक पहुंच चुके हैं, उन्हें आनंद की अनुभूति हो चुकी है और वे दिव्य शक्ति के साथ एक हो चुके हैं। वे गहन चिंतन के साथ अनंत आनंद की अवस्था में हैं। आज्ञा चप्र तक पहुंचने के लिए विभिन्न युगों में कठिन और प्रखर साधन करने होते थे। इस युग में स्थितियां ऐसी नहीं है कि कठिन साधनाएं की जा सकें। एक ध्यान ही ज्यादा समर्थ है। आज्ञा चप्र तक पहुंचने और इसे जागृत करने में भी यही उपाय काम आता है।

चिंताजनक है दुनिया में अनाथ बच्चों की संतप्त दुर्दशा

मनोज कुमार अग्रवाल

विश्वभर में कुल अनाथ बच्चों की संख्या लगभग 14 करोड़ से 14.7 करोड़ के बीच अनुमानित है। इनमें से युद्ध, सशस्त्र संघर्ष और आपदाओं की वजह से अनाथ या प्रभावित हुए बच्चों की संख्या भी लगभग 14 करोड़ के करीब आंकी जाती है, क्योंकि कई वैश्विक संगठन युद्ध और आपदाओं से पीड़ित अनाथों को कुल आंकड़ों का एक बड़ा हिस्सा मानते हैं। दुनिया भर में लगभग 14 करोड़ से अधिक बच्चे अनाथ हैं इनमें माता या पिता दोनों में से किसी एक या दोनों को खोने वाले बच्चे शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, दुनिया के संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों में करोड़ों बच्चे रहते हैं। अकेले युद्ध या आपदाओं के कारण संकट झेलने वाले और माता-पिता को खोने वाले बच्चों का आंकड़ा 14 करोड़ के आसपास है।एशिया में लगभग 6.1 करोड़ अफ्रीका में लगभग 5.2 करोड़ लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में लगभग 1 करोड़पूर्वी यूरोप और मध्य एशिया में लगभग 73 लाख है।

आपको बता दें कि भारत में अनाथ बच्चों का संकट भी भयावह है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के अनुसार, भारत में 29.6 मिलियन से अधिक बच्चे सड़कों पर जीवन यापन कर रहे हैं। अनाथालय परित्यक्त बच्चों से भरे पड़े हैं और लाखों बच्चे सड़कों पर भटकते हुए किसी तरह अपना जीवन यापन कर रहे हैं। भारत में अनुमानित रूप से लगभग 2.5 से 3 करोड़ अनाथ और बेसहारा बच्चे हैं। इन बच्चों के अनाथ होने और परिवारों से बिछड़ने के मुख्य कारणों में अत्यधिक गरीबी, माता-पिता की असामयिक मृत्यु गंभीर बीमारियां या महामारी, घरेलू कलह, माता-पिता का अलगाव तलाक और बच्चों को लावारिस छोड़ देना शामिल है।मुख्य वजहेंगंभीर गरीबीः संसाधनों की कमी और आर्थिक तंगी के कारण कई परिवार बच्चों का पालन-पोषण करने में असमर्थ हो जाते हैं। एचआईवी/एड्स, कोविड-19 जैसी महामारियों और अन्य घातक बीमारियों के कारण कम उम्र में माता-पिता का निधन।वहीं सामाजिक दबाव, अनचाही संतान या गरीबी के चलते कई नवजात शिशुओं को सड़कों या कचरे के डिब्बों में छोड़ दिया जाता है। घरेलू हिंसा, माता-पिता का तलाक या आपसी विवाद के कारण भी बच्चे अनाथ जीवन भोगने के लिए मजबूर हो जाते हैं। दुनिया भर में लाखों बच्चे संघर्ष, जलवायु परिवर्तन, विस्थापन और गरीबी के विनाशकारी प्रभावों को झेलते हैं, जिससे उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए बुनियादी अधिकारों और अवसरों से वंचित होना पड़ता है।

यूनिसेफ के मुताबिक, दुनिया के लगभग एक चौथाई बच्चे संघर्ष या आपदाग्रस्त देशों में रहते हैं। माता-पिता को खोने वाले बच्चे की दुर्दशा केवल एक दिन तक सीमित नहीं रह सकती, लेकिन जब युद्ध आम बात हो जाती है, तो उत्पीड़ितों की पीड़ा पीछे छूट जाती है।यूनिसेफ के अनुसार, अनाथ वह बच्चा है जिसकी आयु 18 वर्ष से कम है और जिसने अपने एक या दोनों माता-पिता को खो दिया है। युद्ध जैसी दुखद घटनाओं में अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों को अक्सर किसी जीवित परिवार के सदस्य के साथ रहना पड़ता है या उन्हें पालन-पोषण प्रणाली में जाना पड़ता है, जहां उन्हें कुपोषण और बीमारी जैसी खराब रहने की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। वे जिस भावनात्मक और मानसिक तनाव का अनुभव करते हैं, वह उन्हें बहुत परेशान करता है।यूनिसेफ के मुताबिक, वर्तमान में 46 करोड़ से अधिक बच्चे सूडान, यूक्रेन, म्यांमार, फिलिस्तीन जैसे देशों में संघर्ष क्षेत्रों में रह रहे हैं या वहां से भाग रहे हैं। इन बच्चों को न केवल शारीरिक खतरों का सामना करना पड़ता है, बल्कि अपने परिवारों को खोने के भावनात्मक आघात का भी सामना करना पड़ता है।यूनिसेफ की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 14 करोड़ से अधिक बच्चे अनाथ हैं, जिनमें से 5.2 करोड़ अफ्रीका में, एक करोड़ कैरिबियन और लैटिन अमेरिका में, 6.1 करोड़ एशिया में और 73 लाख मध्य एशिया और पूर्वी यूरोप में हैं। ज्यादातर अनाथ बच्चे अपने दादा-दादी या परिवार के किसी दूसरे सदस्य के साथ रहते हैं।

इन कमजोर बच्चों को और अधिक नुकसान से बचाने की तत्काल जरूरत है, खासकर इसलिए क्योंकि उनमें से कई जलवायु परिवर्तन से गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्रों में रहते हैं।

हर साल छह जनवरी को अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व युद्ध अनाथ दिवस पर उनके जीवन को फिर से बनाने में मदद करने और यह सुनिश्चित करने के लिए वैश्विक समर्थन का आह्वान किया जाता है कि उन्हें वह देखभाल और अधिकार मिलें जिसके वे हकदार हैं।95 प्रतिशत मामलों में सभी अनाथ बच्चे पांच साल से अधिक उम्र के होते हैं। अमीर देशों में अनाथों की संख्या कम है, लेकिन युद्ध या गंभीर बीमारियों से प्रभावित क्षेत्रों में यह संख्या बहुत अधिक है।

अनुमान है कि विश्वभर में करीब 14 करोड़ से अधिक अनाथ बच्चे हैं। इस विशाल संख्या का अंदाजा लगाने के लिए, इसकी तुलना संयुक्त राज्य अमेरिका की जनसंख्या से करें, जो मात्र 32 करोड़ से थोड़ी अधिक है; या रूस की वर्तमान जनसंख्या - 14 करोड़ से। 14 करोड़ से अधिक बच्चे न्यूयॉर्क शहर, लॉस एंजिल्स, शिकागो और अमेरिका के 47 अन्य सबसे बड़े शहरों की संयुक्त जनसंख्या के बराबर होंगे, साथ ही आयरलैंड, नॉर्वे, डेनमार्क, फ्रांस, ग्रीस, निकारागुआ और कोस्टा रिका की संयुक्त जनसंख्या के बराबर भी होंगे। ये केवल संख्याएँ और आँकड़े नहीं हैं, ये बच्चे संकटग्रस्त, संघर्षरत और दुनिया में बहुत कम उम्मीदों से घिरे हुए हैं ।

यूनिसेफ के अनुसार, युद्ध, प्राकृतिक आपदा, गरीबी, बीमारी, सामाजिक कलंक और चिकित्सा संबंधी जरूरतों के कारण प्रतिदिन लगभग 5700 बच्चे अनाथ हो जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2017 में 5 वर्ष से कम आयु के 15,000 बच्चों की प्रतिदिन मृत्यु हुई; यानी हर 17 सेकंड में 1 बच्चे की मृत्यु। जीवन के पहले महीने में ही प्रतिवर्ष 27 लाख बच्चों की मृत्यु हो जाती है।

अफ्रीका में हर 15 सेकंड में एक और बच्चा एड्स के कारण अनाथ हो जाता है। रिपोर्ट के अनुसार 60% अनाथ लड़कियाँ यौन व्यापार का शिकार हो जाएँगी। 10-15% अनाथ बच्चे 18 वर्ष की आयु से पहले आत्महत्या कर लेंगे। पूर्वी यूरोप में 70% अनाथ लड़के अपराधी बन जाएँगे।

विश्वसनीय आंकड़े मिलना मुश्किल है, यहां तक कि स्रोतों में भी अक्सर केवल अनुमान ही दिए जाते हैं, और बेघर बच्चों को शायद ही कभी शामिल किया जाता है। लेकिन अगर ये आंकड़े दुगुने भी बढ़ा-चढ़ाकर बताए गए हों, तब भी यह एक असहनीय त्रासदी है कि हर साल दस लाख से अधिक बच्चे अनाथ हो जाते हैं; और हर साल 70 लाख बच्चे अनाथ ही बड़े होते हैं, जिनका कोई अपना नहीं होता और न ही कोई घर होता है। ये जोखिम में पड़े बच्चे हैं जो पूरी तरह से असुरक्षित, जरूरतमंद और आमतौर पर दुनिया में उम्मीद से परे होते हैं।

आपको बता दें कि हर साल 250,000 बच्चों को गोद लिया जाता है, लेकिन 14,050,000 अनाथ बच्चे बिना किसी प्यार भरे परिवार का हिस्सा बने ही अनाथालय से बाहर हो जाते हैं। इसका मतलब है कि हर दिन 38,493 बच्चे अनाथालय से बाहर हो जाते हैं।2 यानी हर 2.2 सेकंड में एक अनाथ बच्चा अनाथालय या पालक देखभाल से बिना किसी परिवार और घर के बाहर निकल जाता है। सभी अनाथ बच्चों में से 1% से भी कम बच्चों को गोद लिया जाता है। बाकी लाखों अनाथ, परित्यक्त और बेघर बच्चों की देखभाल कौन करेगा?

आपको यह भी बता दें कि भारत सरकार अनाथ और बेसहारा बच्चों के लिए मिशन वात्सल्य और पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन जैसी कई प्रमुख योजनाएं चला रही है। इसके तहत बच्चों को हर महीने आर्थिक मदद, मुफ्त शिक्षा, स्वास्थ्य बीमा और 18 से 23 वर्ष की आयु होने पर बड़ा वित्तीय फंड दिया जाता है।प्रमुख योजनाएं और सहायतापीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन योजना कोविड-19 या अन्य कारणों से माता-पिता को खोने वाले बच्चों के लिए है। इसमें 18 साल की उम्र पर रू.10 लाख का फंड और 23 साल होने पर आर्थिक सहायता मिलती है।आयुष्मान भारत : इन बच्चों को रू.5 लाख तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कार्ड दिया जाता है।मिशन वात्सल्यः बच्चों की देखभाल और सुरक्षा के लिए है। इसके जरिए पात्र बच्चों को रू4,000 प्रति माह की आर्थिक मदद दी जाती है।शैक्षणिक सहायताः स्कूलों में मुफ्त पढ़ाई, उच्च शिक्षा के लिए लोन और विशेष छात्रवृत्ति का प्रावधान है। क्या आपके आसपास कोई वंचित अनाथ बच्चा है तो आप उसकी व्यक्तिक तौर पर अथवा सरकार द्वारा दी जा रही सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास करें यह उसके भविष्य के लिए जरूरी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 40 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता में सक्रिय हैं)

बोफोर्स और कोयला घोटाले में कानूनी राहतः 2029 लोकसभा चुनाव से पहले देश की राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद. भारत के राजनीतिक इतिहास में दशकों तक चुनावों के नतीजे तय करने वाले और देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को सत्ता से बाहर करने वाले मुद्दों पर अदालती स्तर के फैसलों ने देश की राजनीति को एक नया मोड़ दिया है। बोफोर्स तोप सौदे मामले में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. पूर्व प्रधानमंत्री डॉ राजीव गांधी और कोयला घोटाला. कोर्ट से मनमोहन सिंह को मिली राहत और आरोपों को खारिज करने के फैसले के बाद 2029 के आम चुनाव के लिए नए राजनीतिक समीकरण की चर्चा तेज हो गई है. 1980 के दशक में बोफोर्स तोप सौदे में कमीशन लेने के आरोपों से तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 'मिस्टर क्लीन' की छवि को गहरा धक्का लगा था। यह एक ऐसा मुद्दा था जिस पर विपक्ष ने पूरे देश में आंदोलन खड़ा किया और 1989 में कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी। हालांकि, लंबी कानूनी लड़ाई के बाद अदालती प्रक्रिया के जरिए राजीव गांधी इन सभी आरोपों से बरी हो गए हैं।

कोलगेट और मनमोहन सिंह यूपीए-2 शासनकाल के दौरान कोयला ब्लॉक आवंटन में हजारों करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे, जिससे डॉ. मनमोहन सिंह सरकार की छवि को काफी नुकसान हुआ था। यह मुद्दा 2014 में बीजेपी के सत्ता में आने का एक मुख्य कारण बना. हालांकि, कानूनी प्रक्रिया के अंत में डॉ. मनमोहन सिंह को कोर्ट से राहत भी मिल गई और उन पर लगे आरोप कानून की कसौटी पर खरे नहीं उतरे.

भाजपा शासनकाल में राहत और विरोध की रणनीति

विपक्षी खेमे और राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, ये कानूनी जीत ऐसे समय में मिली है जब देश में भारतीय जनता पार्टी सत्ता में है। तो विपक्ष इस मुद्दे पर दावा कर रहा है कि अदालतों ने सत्तारूढ़ दल या सरकारी एजेंसियों के प्रभाव के बिना स्वतंत्र रूप से ये फैसले दिए हैं। कांग्रेस और उसके सहयोगी अब इन फैसलों को जनता के सामने पेश करके यह कहानी बनाने की कोशिश कर रहे हैं कि अतीत में उनके खिलाफ लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोप केवल राजनीति से प्रेरित थे।

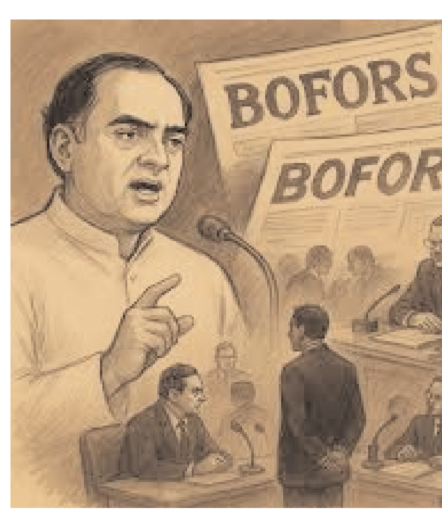

2029 का सियासी गणित और सत्ता संघर्ष

राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, 2029 के लोकसभा चुनाव के लिए यह घटनाक्रम काफी अहम साबित हो सकता है

1. **छवि सुधारने की कोशिशः** कांग्रेस अपने ऊपर लगे भ्रष्टाचार के दाग धोने और नई ताकत के साथ जनता के बीच जाने की रणनीति बना रही है.

2. **वैचारिक और नैतिक लड़ाईः** विपक्षी गठबंधन अब सत्तारूढ़ दल के खिलाफ 'आरोपों की राजनीति' का खुलकर विरोध करके जनता का विश्वास जीतने की कोशिश करेगा।

3. बीजेपी की पार्टीः वहीं बीजेपी इन फैसलों के बावजूद अपने कार्यकाल की उपलब्धियों, राष्ट्रीय सुरक्षा, मजबूत नेतृत्व और विकास के मुद्दों के भरोसे जनता के बीच जाएगी. भाजपा समर्थकों का मानना ??है कि पिछले मुद्दों पर अदालती फैसलों का लोगों के राजनीतिक जनादेश पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। ये कानूनी फैसले भविष्य में राजनीतिक मंच पर किस तरह पेश किए जाते हैं, यही देश की राजनीति की भावी दिशा तय करेगा।

महिला को मौत के मुंह से खींच लाया GRP सिपाही! VIDEO में देखें कैसे चलती ट्रेन के नीचे जाने से बचाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायबरेली। रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर बनारस से देहरादून जा रही जनता एक्सप्रेस (ट्रेन नं. 15119) में चढ़ते समय एक महिला यात्री का संतुलन बिगड़ गया. प्लेटफॉर्म पर सामान लेने उतरी महिला ट्रेन के चलते ही दौड़कर चढ़ने का प्रयास करने लगी, जिससे वह फिसलकर ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच गिरने लगी. वहीं ड्यूटी पर तैनात जीआरपी के मुख्य आरक्षी शिवपूजन चौधरी ने तुरंत सतर्क होकर और दौड़कर महिला को अपनी ओर खींच लिया. इस सूझबूझ से महिला की जान बच गई और बड़ा हादसा टल गया.

सामान लेने उतरी थी महिला, ट्रेन चलते ही बिगड़ा संतुलन

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेन रुकने पर महिला यात्री प्लेटफॉर्म पर कुछ सामान खरीदने के लिए उतरी थी. इसी बीच अचानक ट्रेन चल पड़ी और महिला ने भागकर बोगी में चढ़ने की कोशिश की. महिला ने सीढ़ी पर एक पैर रखा ही था कि उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे लटककर ट्रेन के नीचे जाने लगी. खतरे को देखते ही सिपाही शिवपूजन चौधरी महिला की तरफ दौड़े. पहले उन्होंने महिला को बोगी के अंदर करने की कोशिश की, लेकिन ट्रेन की रफ्तार तेज होने के कारण उन्होंने महिला को पूरी ताकत से बाहर की ओर खींच लिया. इस दौरान महिला यात्री और सिपाही दोनों प्लेटफॉर्म पर गिर पड़े, लेकिन महिला की जान सुरक्षित बच गई.

सीसीटीवी में कैद हुआ हादसा, यात्रियों ने की सराहना

यह पूरी घटना स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई, जिसे देखकर लोग हैरान रह गए. मौके पर लोगों का मजमा लग गया और सभी यात्रियों ने जीआरपी जवान के साहस, फुर्ती और कर्तव्यनिष्ठा की जमकर सराहना की.

8 अगस्त को यूपी के इन 28 जिलों के लिए IMD की बड़ी चेतावनी, लेटेस्ट अपडेट में जानें अपने जिले का हाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुजफ्फरनगर। यूपी में 8 अगस्त को भी मानसून पूरी तरह सक्रिय रहेगा. ढ्ढरूष्ठ ने प्रयागराज, फतेहपुर, मिर्जापुर, सोनभद्र, रायबरेली, कानपुर नगर, कानपुर देहात, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, इटावा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, औरैया, जालौन और हमीरपुर समेत कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है. वाराणसी, चंदौली, जौनपुर, उन्नाव, अमेठी, सुल्तानपुर, मेरठ, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, आगरा और झांसी में भी तेज बारिश होने की संभावना है. यूपी में मानसून अभी थमने वाला नहीं है. भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 8 अगस्त के लिए नया मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए राज्य के कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है. मौसम विभाग का कहना है कि गंगा के मैदानी इलाकों पर सक्रिय मानसूनी प्रवाह के कारण अगले चार से पांच दिनों तक पूरे प्रदेश में बारिश का दौर जारी रह सकता है. ऐसे में लोगों को जलभराव, बिजली गिरने और तेज बारिश के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी गई है.आईएमडी के अनुसार, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 8 अगस्त को बारिश सबसे ज्यादा सक्रिय रहेंगी. वहीं 9 और 10 अगस्त को पूर्वी और पश्चिमी दोनों क्षेत्रों के कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना बनी रहेगी. इसका मतलब है कि फिलहाल मानसून की रफ्तार धीमी पड़ने के संकेत नहीं हैं. आईएमडी के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार अगले 24 घंटे के दौरान प्रयागराज, फतेहपुर, मिर्जापुर, सोनभद्र, रायबरेली, कानपुर नगर, कानपुर देहात, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, इटावा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, औरैया, जालौन और हमीरपुर में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है. इन जिलों में कम समय में अधिक बारिश होने से निचले इलाकों में जलभराव, छोटे नदी-नालों के उफान पर आने और यातायात प्रभावित होने की आशंका जताई गई है. मौसम विभाग ने वाराणसी, चंदौली, जौनपुर, उन्नाव, अमेठी, सुल्तानपुर, मेरठ, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, आगरा और झांसी में भी भारी बारिश की संभावना जताई है. इन जिलों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश हो सकती है. विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार बारिश के कारण कई शहरों में जलभराव की समस्या भी देखने को मिल सकती है. इसलिए लोगों को मौसम विभाग की चेतावनियों पर नजर बनाए रखने की सलाह दी गई है. आईएमडी के अनुसार, गंगा के मैदानी क्षेत्रों पर मजबूत मानसूनी प्रवाह बना हुआ है. इसी वजह से पूर्वी उत्तर प्रदेश में बारिश की गतिविधियां अधिक देखने को मिलेंगी. प्रयागराज, मिर्जापुर, सोनभद्र, वाराणसी, चंदौली, जौनपुर, अमेठी और सुल्तानपुर जैसे जिलों में पूरे दिन बादल छाए रहने और कई दौर की बारिश होने की संभावना है.

'तुम्हारे मम्मी-पापा बुला रहे', स्कूल से आठ साल की बच्ची को बुला ले गया आरोपी, रेप के बाद मार दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर से एक विभत्स घटना सामने आई है। दरिंदगी के बाद मासूम बच्ची का जान गई है। साथ ही भरोसे का भी कत्ल हुआ है। आरोपी ने आठ वर्षीय बच्ची को स्कूल से यह कहकर ले गया कि तुम्हारे मम्मी-पापा बुला रहे हैं। इसके बाद रेप किया और उसे मार दिया है।

स्कूल में पढ़ाई कर रही थी बच्ची

दरअसल, नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव थाना क्षेत्र के ग्राम गौरतला में एक 8 वर्षीय नाबालिग बच्ची बुधवार को स्कूल में पढ़ाई कर रही थी। इसी दौरान दोपहर में गांव का अनिल यादव नामक युवक आया। बच्ची को यह बोलकर ले गया कि उसके मम्मी-पापा बुला रहे हैं। जंगल में किया रे आरोपी अनिल यादव बच्ची को जंगल ले गया। वहां उसके साथ दुष्कर्म किया है। पुलिस ने देर रात मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर जंगल से बच्ची का शव बरामद किया है। इसके बाद शव को जिला अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

वहीं, आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर ग्रामीणों ने थाने के बाहर प्रदर्शन किया था। इसके बाद पुलिस भी एक्शन में आ गई। गुरुवार की शाम आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की जांच की जा रही है। ग्रामीणों ने मांग की है कि आरोपी को फांसी की सजा दी जाए।

आरोपी ने कबूल किया है जुर्म

नरसिंहपुर पुलिस ने कहा कि घटना के बाद तुरंत आरोपी को तलाश कर उसे हिरासत में लिया गया। कड़ी पूछताछ के बाद आरोपी द्वारा यह कबूल किया गया कि उसने इस घटना को अंजाम दिया । वहीं, पुलिस ने आरोपी युवक अनिल यादव के खिलाफ थाने में दुष्कर्म हत्या सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किए जाने की कार्यवाही की है, जहां से उसे जेल भेजा गया है ।

अंतिम विदाई के दौरान लोगों ने की फांसी की मांग

वहीं, गोटेगांव के ग्राम श्रीनगर में ग्रामीणों के द्वारा इस घटना की निंदा करते हुए अपने-अपने प्रतिष्ठान बंद रखें और सभी शोक संवेदना व्यक्त की। बच्ची के गांव पहुंचकर अंतिम संस्कार में शामिल हुए और दुख व्यक्त की है। आरोपी युवक को फांसी दिए जाने की मांग की है।

'इस रोड को खुद ही संभालो, मुझसे नहीं सभाली जा रही', कीचड़ वाली सड़क से बच्ची का वीडियो

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुरैना। मध्य प्रदेश के मुरैना में ग्राम पंचायत सिकारोड़ी से रामरतन के पुरा तक जाने वाली सड़क की स्थिति बदहाल है। बारिश के दिनों में ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ जाती है। सड़क पर इन दिन कीचड़ भर गया है, जिसकी वजह से आना जाना मुश्किल हो गया है। कीचड़ भरी एक सड़क पर खड़ी होकर छोटी बच्ची ने सवाल करते हुए वीडियो बनाया है जो वायरल हो रहा है।

सड़क नहीं होगी तो बेटी स्कूल कैसे जाएगी

क्यूट आवाज में बच्ची ने कहती है कि आप लोग कहते हैं 'बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ', लेकिन जब सड़क ही नहीं होगी तो बेटी स्कूल कैसे जाएगी? यह सवाल अब केवल एक बच्ची का नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के ग्रामीणों की पीड़ा बन गया है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के दौरान सड़क पर इतना कीचड़ हो जाता है कि स्कूली बच्चों का पैदल निकलना भी मुश्किल हो जाता है। बच्ची आगे कहती है कि ये रोड देख रहे हो न, यह खराब है। ठीक है न। मैं बता रही हूं, इस रोड को खुद ही संभाल लो। मुझसे नहीं संभाली जा रही। खुद ही संभालो। हमें आने जाने में दिक्कत हो रही है, स्कूल नहीं जा रही हूं मैं। वरना मैं कुर्सी से हटवा दूंगी। याद रखना। वहीं, मुरैना के इस गांव में ग्रामीणों का कहना है कि कई बच्चे गिरकर घायल हो जाते हैं और कई बार स्कूल तक पहुंचना भी संभव नहीं हो पाता। मरीजों को अस्पताल ले जाने में भी भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इतना ही नहीं, आपातकालीन परिस्थितियों और अंतिम संस्कार जैसे दुखद अवसरों पर भी लोगों को परेशानी झेलनी पड़ती है।

ग्रामीणों ने प्रदेश सरकार और जनप्रतिनिधियों से सड़क निर्माण की मांग करते हुए कहा कि यह किसी राजनीतिक मुद्दे का विषय नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन से जुड़ा जनहित का मामला है। उनका कहना है कि यदि समय रहते सड़क का निर्माण नहीं कराया गया तो हर वर्ष बरसात में यही हालात बने रहेंगे और सबसे अधिक नुकसान बच्चों की शिक्षा पर पड़ेगा। इसके साथ ही ग्रामीणों ने कहा है कि मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष और दिमनी विधानसभा क्षेत्र के विधायकनरेंद्र सिंह तोमरऔर मुख्यमंत्री से इस मार्ग के निर्माण को प्राथमिकता देने की मांग की है। उनका कहना है कि गांव के विकास की पहली शर्त बेहतर सड़क है और जब तक सड़क नहीं बनेगी, तब तक विकास के दावे अधूरे ही रहेंगे।

शीला ड्रिंक, अश्लील वीडियो और जबरन शादी! आगरा में युवती को ब्लैकमेल करने वाला प्रशांत गौतम गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरोझ्र

आगरा। उत्तरप्रदेश के आगरा में युवती को नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म करने, अश्लील फोटो-वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने और जबरन शादी रचाने वाले आरोपी प्रशांत गौतम को ट्रांस यमुना थाना पुलिस ने 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है. पीड़िता की तहरीर पर बीएनएस धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया गया . आगरा में एक युवती को नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म करने, उसके अश्लील फोटो-वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने और धमकी के दम पर मंदिर में शादी करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है. पीड़िता की शिकायत मिलते ही ट्रांस यमुना थाना पुलिस हरकत में आई और मुकदमा दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. बता दें कि आगरा कमिश्नरेट के थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र में एक युवती ने पुलिस को दी गई तहरीर में गंभीर आरोप लगाए हैं. पीड़िता का कहना है कि जनवरी 2026 में आरोपी प्रशांत गौतम ने उसे नशीला पदार्थ पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया. इस दौरान उसने युवती के अश्लील फोटो और वीडियो भी बना लिए. आरोप है कि इसके बाद आरोपी लगातार इन फोटो और वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर युवती को ब्लैकमेल करता रहा. इसी

दबाव में उसने युवती से मंदिर में शादी भी कर ली. लेकिन शादी के बाद भी आरोपी का उत्पीड़न नहीं रुका. पीड़िता के मुताबिक वह आरोपी के साथ नहीं रहना चाहती थी, लेकिन आरोपी लगातार अश्लील संदेश भेजता रहा और फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करता रहा. युवती ने यह भी आरोप लगाया कि 12 जुलाई 2026 को आरोपी उसके घर में घुस आया और उसके साथ दोबारा जबरन दुष्कर्म किया. इसके बाद उसने पुलिस की शरण ली. पीड़ित युवती की तहरीर के आधार पर थाना ट्रांस यमुना में बीएनएस की धारा 64(1), 123, 333 और 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया. मामला दर्ज होते ही आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित कर दी गई. मुखबिरी पर पुलिस ने हाथरस रोड स्थित वन सिटी कॉलोनी के पास से आरोपी प्रशांत गौतम, निवासी सती नगर, थाना ट्रांस यमुना को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया. फिलहाल पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है.

लखनऊ में सड़क किनारे खड़ी कार से आ रही थी दुर्गंध, अंदर मिली फाइनेंस कर्मी की सड़ी-गली लाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलग अलग इलाकों में कभी सड़क किनारे तो कभी गोमती नदी में लाश मिलने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी बीच लखनऊ के आशियाना क्षेत्र से एक ऐसा ही सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां सालेह नगर चौराहे के पास पिछले तीन दिनों से लावारिस खड़ी एक कार से लंबे समय से आ रही दुर्गंध से हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जब अंदर से लॉक कार का दरवाजा खुलवाया तो उनके होश उड़ गए। कार की पिछली सीट पर एक युवक का सड़ा-गला शव पड़ा मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और अज्ञात लाश की शिनाख्त में जुट गई। तेजी से हुई छानबीन में पता चला कि कार के भीतर मिली लाश रायबरेली के रहने वाले एक फाइनेंस कर्मी की है। हालांकि, पुलिस ने मामले के हर पहलू से गहन जांच शुरू कर दी है। बता दें कि आशियाना इलाके के सालेह नगर चौराहे के पास एक अज्ञात स्विफ्ट डिजायर कार (UP 33 BB 8989) खड़ी थी, जिससे अचानक तेज बदबू आने पर गुरुवार देर रात करीब डेढ़ बजे आशियाना पुलिस को स्थास्नीय लोगों की ओर से सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जब कार का दरवाजा खोला तो अंदर युवक मृत अवस्था में मिला। पुलिस की ओर से जब कार की तलाशी ली गई तो वहां एक आई-कार्ड मिला, जिस पर दर्ज नंबर पर संपर्क करने पर मृतक की शिनाख्त हो सकी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान रायबरेली के निराला नगर के रहने वाले 36 वर्षीय ज्ञानेन्द्र सिंह के रूप में हुई।

झाड़ियों में नवजात बच्ची के मुंह में दूध का बोतल ठूंसकर छोड़ गई मां, भीड़ देखकर रुके एसपी और अपनी गाड़ी से पहुंचाया अस्पताल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

विदिशा। जिले में एक कठोर दिल मां ने अपनी नवजात बच्ची को झाड़ियों में फेंक दिया। उसके मुंह में दूध की बोतल लगा दिया ताकि वह रो नहीं सके। बच्ची के मिलने के बाद विदिशा एसपी तुरंत मौके पर पहुंचे। बच्ची को अपनी गाड़ी में लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। विदिशा शहर के जैन कॉलेज के पास सड़क किनारे एक नवजात बच्ची मिली है। जानकारी अनुसार एनसीसी की कुछ छात्राएं वहां से गुजर रही थीं, तभी उनकी नजर सड़क किनारे पड़ी बच्ची पर गई। छात्राओं ने तत्काल प्रशासन को सूचना दी। इसी दौरान मौके से गुजर रहे विदिशा पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने बच्ची को देखा और बिना देर किए अपनी सरकारी गाड़ी से जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसारनवजात बच्ची का वजन लगभग 1.6 किलोग्राम है और उसकी हालत फिलहाल स्वस्थ है। बच्ची को अस्पताल में निगरानी में रखा गया है, जबकि पुलिस उसके परिजनों की तलाश और मामले की जांच में जुटी है। इस संबंध में जिले की महिला बाल विकास अधिकारी ने बताया कि विदिशा के जैन कॉलेज डीएफओ ऑफिस के पास से कुछ बच्चियां अपनी क्लास के लिए जा रही थी। उनके माध्यम से हमें जान ारी प्राप्त हुई है कि कोई नवजात की रोने की आवाज उन्हें वहां से सुनाई दी। उन्होंने कहा कि जानकारी मिलते ही हम मौके पर पहुंचे।

जिससे लव मैरिज की उसका कराया 44 लाख का बीमा, फिर मार डाला पति सहित 4 आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में पहले जिस मौत को हादसा माना जा रहा था, वह जांच में हत्या निकली. यहां के एक व्यक्ति ने ढाई साल पहले जिस लड़की से लव मैरिज की थी, उसका 44 लाख रुपये का बीमा कराया. फिर बीमा क्लेम के लिए पत्नी की हत्या कर दी. पुलिस ने अब चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. हमीरपुर से आई यह कहानी सन्न कर देने वाली है. पहले सड़क किनारे एक महिला का शव मिलता है. पुलिस इसे सड़क हादसा मानती है. पति खुद पत्नी की गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखवाता है, फिर शव की पहचान भी करता है. लेकिन 48 घंटे बाद जांच का ऐसा खुलासा होता है, जो पूरी कहानी बदल देता है. 29 जुलाई की रात ललपुरा थाना क्षेत्र के पौधिया गांव के पास सड़क किनारे एक महिला का शव मिला. खेतों से लौट रहे ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी. शुरुआती जांच में मामला सड़क दुर्घटना का लग रहा था. महिला की पहचान 32 वर्षीय रीता के रूप में हुई. पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया और जांच शुरू कर दी. लेकिन मौके से मिले कुछ सबूत पुलिस को संकेत दे रहे

थे कि कहानी उतनी सीधी नहीं है, जितनी दिखाई दे रही है. घटना के बाद रीता का पति अमर सिंह सुमेरपुर थाने पहुंचा और पत्नी के लापता होने की सूचना दर्ज कराई. बाद में जब अज्ञात महिला का शव मिलने की खबर आई तो वही पति पहचान करने भी पहुंच गया. लेकिन पुलिस की जांच, मोबाइल लोकेशन, सर्विलांस और पूछताछ ने धीरे-धीरे पूरी तस्वीर बदल दी. पुलिस के मुताबिक, जांच में सामने आया कि रीता के नाम 44 लाख रुपये का जीवन बीमा कराया गया था. आरोप है कि इसी रकम को हासिल करने के लिए अमर सिंह ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर हत्या की पूरी साजिश रची. प्लानिंग यह थी कि हत्या को सड़क हादसे का रूप दिया जाएगा, ताकि बीमा कंपनी से क्लेम आसानी से मिल सके. पुलिस का दावा है कि बीमा की रकम में से 15 लाख रुपये अमर सिंह को मिलने थे, जबकि बाकी रकम अन्य आरोपियों में बांटी जानी थी. पुलिस के अनुसार, प्लानिंग के तहत अमर सिंह पत्नी रीता को पौधिया नहर मार्ग पर लेकर पहुंचा. वहां पहले से उसके तीन साथी कार के साथ मौजूद थे. पहले कार से रीता को टक्कर मारी गई. जब वह सड़क किनारे में जा गिरी तो आरोपियों ने उसे उठाकर दोबारा सड़क पर लिटाया और कार उसके ऊपर चढ़ा दी, ताकि यह मामला सामान्य सड़क दुर्घटना लगे. यहीं रीता की मौत हो गई. जांच में यह भी सामने आया कि रीता ने करीब ढाई साल पहले अमर सिंह से लव मैरिज की थी. रीता के पहले पति की मौत हो चुकी थी. कानपुर में काम करने के दौरान उसकी मुलाकात अमर सिंह से हुई और दोनों ने शादी कर ली. परिजनों का कहना है कि यह रीता की दूसरी और अमर सिंह की तीसरी शादी थी. जिस रिश्ते की शुरुआत प्यार से हुई थी, उसका अंत पुलिस के मुताबिक, हत्या की साजिश में हुआ. हमीरपुर पुलिस ने 48 घंटे के भीतर पूरे मामले का खुलासा कर दिया. सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है.

करोल बाग में फेक लग्जरी ब्रांड्स का खेल खत्म! हाई कोर्ट ने पुलिस को दिए सख्त कार्रवाई के आदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। करोल बाग में नामी गिरामी लग्जरी बैंड्स के नाम पर नकली सामान बेचने वाले वेंडर्स पर जल्द गाज गिरने वाली है। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया है कि वे करोल बाग इलाके में सक्रिय उन स्ट्रीट वेंडरों के खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई करे, जिन पर बैग, कपड़े, जूते, चश्मे के मशहूर ब्रैंड्स का नकली सामान बेचने का शक है।

स्ट्रीट वेंडर्स की याचिका पर सुनवाई

जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह और विकास महाजन की डिविजन बेंच ने 24 स्ट्रीट वेंडर्स की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश जारी किया। इन वेंडर्स के पास वेंडिंग के प्रोविजनल सर्टिफिकेट थे। इन्होंने करोल बाग इलाके में वेंडिंग करते समय एमसीडी द्वारा कथित तौर पर परेशान किए जाने के खिलाफ सुरक्षा की मांग की थी। एमसीडी ने रिकॉर्ड पर ऐसी तस्वीरें पेश कीं, जिनसे पता चला कि कई याचिकाकर्ता अजमल खां रोड के उस हिस्से में भी सामान बेच रहे थे, जिसे 'नो-वेंडिंग' और 'नो-हॉकिंग' जोन घोषित किया गया है। इसके अलावा तस्वीरों में कुछ ऐसे वेंडर भी दिखे, जो मशहूर ब्रैंड्स के नाम वाले नकली कपड़े, जूते और अन्य सामान बेच रहे थे। कोर्ट ने कहा कि अगर याचिकाकर्ताओं द्वारा बेचे गए उत्पाद नकली या 'पास-ऑफ' (किसी और के ब्रैंड के नाम से बेचे जाने वाले) उत्पाद हैं.

दिल्ली विधानसभा में हाई वोल्टेज ड्रामा! भिड़े AAP-BJP विधायक, सदन में मचा हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान गुरुवार को सदन में जोरदार हंगामा देखने को मिला। आम आदमी पार्टी के विधायक कुलदीप कुमार और बीजेपी विधायक रवि नेगी अपनी-अपनी सीटों से उठकर आमने-सामने आ गए। दोनों नेताओं के बीच सदन के भीतर तीखी बहस और जोरदार नोकझोंक हुई, जिससे कुछ देर के लिए सदन का माहौल गर्म हो गया। सदन में मौजूद अन्य विधायकों और अध्यक्ष के हस्तक्षेप के बाद दोनों पक्षों को शांत कराया गया। हालांकि, इस दौरान विधानसभा की कार्यवाही कुछ समय के लिए बाधित रही। दिल्ली विधानसभा में दवा घोटाले पर उठे सवालों ने सियासी टकराव का रूप ले लिया। हंगामे और नारेबाजी के बीच AAP और BJP विधायकों के बीच तनातनी देखने को मिली।

650 करोड़ के कथित दवा घोटाले पर हंगामा

विधानसभा में 650 करोड़ रुपये के कथित दवा घोटाले का मुद्दा जोर-शोर से उठा। आम आदमी पार्टी के विधायकों ने इस मामले को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग की। इस दौरान AAP विधायकों ने सदन में नारेबाजी की, जिसके चलते सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली और सदन का माहौल काफी गर्म हो गया। इससे पहले दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र की शुरुआत राष्ट्रगीत के साथ हुई। सत्र के पहले दिन महरौली अग्निकांड में जान गंवाने वाले लोगों और पूर्व विधायक बलजौर सिंह को सदन ने श्रद्धांजलि दी।

दिल्ली सरकार का छठ से पहले बड़ा तोहफा, बिहार के 6 शहरों के लिए शुरू होगी नई बस सेवा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सरकार ने छठ महापर्व से पहले बिहार के छह प्रमुख शहरों पटना, गया, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, पूर्णिया और भागलपुर के लिए नई अंतरराज्यीय बस सेवा शुरू करने का निर्णय लिया है. दिल्ली सरकार ने छठ महापर्व से पहले पूर्वांचल के लाखों प्रवासियों को राहत देने के लिए बिहार के छह प्रमुख शहरों के लिए नई अंतरराज्यीय बस सेवा शुरू करने का फैसला लिया है. दिल्ली और बिहार सरकार सितंबर महीने में इस संबंध में एक समझौता ज्ञापन (रू्थ) पर हस्ताक्षर करेंगी. इसके बाद दिवाली के तुरंत बाद और छठ से पहले यह सेवा विधिवत शुरू कर दी जाएगी. ये अंतरराज्यीय बस सेवा दिल्ली को पटना, गया, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, पूर्णिया और भागलपुर से सीधे जोड़ेगी. दिल्ली सरकार के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह के मुताबिक, सितंबर महीने में बिहार सरकार के परिवहन विभाग के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए जाएंगे. इसके बाद दिवाली के तुरंत बाद और छठ महापर्व से पहले बस सेवा शुरू कर दी जाएगी, ताकि त्योहार के दौरान बिहार जाने वाले लाखों यात्रियों को राहत मिल सके. उन्होंने बताया कि योजना के पहले चरण में करीब 70 नई बसें चलाई जाएंगी. ये बसें दिल्ली से बिहार के छह प्रमुख शहरों- पटना, गया, मुज़फ्फरपुर, दरभंगा, पूर्णिया और भागलपुर के बीच नियमित रूप से चलेंगी. परिवहन मंत्री ने स्पष्ट किया कि ये सेवा केवल छठ तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पूरे साल प्रतिदिन संचालित होगी. यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए भविष्य में बसों की संख्या में और इजाफा किया जाएगा. परिवहन मंत्री के ये भी बताया कि इन रूटों पर सेमी-स्लीपर डीलक्स बसें चलाई जाएंगी, जो एसी और नॉन-एसी दोनों श्रेणियों में उपलब्ध होंगी. इस पहल का उद्देश्य दिल्ली और बिहार के बीच कनेक्टिविटी को मजबूत करना, प्रवासी श्रमिकों और पूर्वांचल के लोगों को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना तथा त्योहारों के दौरान यात्रा को अधिक सुरक्षित, आरामदायक और किफायती बनाना है. परिवहन मंत्री ने कहा कि अभी दिल्ली से बिहार जाने वाले अधिकांश लोगों को ट्रेन या निजी बस ऑपरेटरों पर निर्भर रहना पड़ता है. त्योहारों के दौरान निजी बस ऑपरेटर यात्रियों से कई गुना ज्यादा किराया वसूलते हैं. इस सेवा के कुशल संचालन के लिए आनंद विहार में 13.5 मीटर चौड़ा अत्याधुनिक बस टर्मिनल विकसित किया जा रहा है.

प्रशांत किशोर की 3 महीने में सुनेत्रा पवार से दो बार हुई मुलाकात?जानिए क्या हुई बात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बांकीपुर। बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव जीतकर विधायक बने जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने गुरुवार को महाराष्ट्र की डिप्टीसीएम और एनसीपी की अध्यक्ष सुनेत्रा पवार से मुलाकात किया. मुंबई में सुनेत्रा पवार के सरकारी आवास 'देवगिरी' पर प्रशांत किशोर की पांच घंटे तक बैठक चली. इस दौरान उनके बीच क्या बातचीत हुई, वो सामने नहीं आई, लेकिन मुलाकात के सियासी मायने निकाले जा रहे हैं? प्रशांत किशोर की सुनेत्रा पवार के साथ दूसरी मुलाकात है. इससे पहले पीके ने सुनेत्रा पवार से उनके पति तत्कालीन डिप्टीसीएम अजीत पवार की विमान दुर्घटना में मौत के बाद इसी साल मई के महीन मिले थे. अब दोबारा से बांकीपुर उपचुनाव जीतने के बाद गुरुवार को बैठक की है. बता दें कि चुनावी रणनीतिकार के तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल तक के लिए रोल अदा कर चुके हैं. अब सुनेत्रा पवार के साथ प्रशांत किशोर के मुलाकात पर सियासी चर्चा तेज है और सवाल उठे हैं कि आखिर दोनों क्यों मिले हैं? एनसीपी के पदाधिकारी संजय खोडके ने बताया कि चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर ने गुरुवार को दक्षिण मुंबई में पवार के सरकारी आवास 'देवगिरी' पर उनसे मुलाकात की. कुछ महीने पहले भी दोनों के बीच हुई मुलाकात के बाद सुनेत्रा पवार के बेटे और एनसीपी नेता पार्थ पवार ने कहा था कि प्रशांत किशोर उनके परिवार को जानते थे. प्रशांत किशोर ने सुनेत्रा पवार और पार्थ के साथ बैठक में एनसीपी को मज़बूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई. एनसीपी के प्रवक्ता सूरज चव्हाण ने बताया कि प्रशांत किशोर के साथ हुई मीटिंग में पार्टी को मजबूत करने की दिशा करने की रणनीति पर बात हुई. उन्होंने पार्टी को संगठनात्मक रूप से फिर से खड़ा करने के लिए सलाह दे रहे हैं. सूरज चव्हाण ने बताया यह एक पार्टी की गुप्त बैठक थी, जिसमें इस बात पर चर्चा की गई कि पार्टी को कैसे मज़बूत किया जाए और सरकार के विकास कार्यक्रम ज़मीनी स्तर तक कैसे पहुंचाए जाए. इसके साथ ही चव्हाण ने उन अटकलों को खारिज कर दिया कि प्रशांत किशोर ने एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे के काम करने के तरीके पर नाराज़गी जताई थी और उन्हें हटाने की मांग की थी. बीते मई में इसी तरह की एक बैठक पार्थ पवार ने मुंबई में सुनेत्रा पवार और प्रशांत किशोर की कराई थी, जिस पर बीजेपी ने अपनी नाराजगी जाहिर की थी. प्रशांत किशोर और सुनेत्रा पवार के बीच मुलाकात की कड़ी पार्थ पवार ही हैं. बैठक को लेकर दोनों तरफ से कोई अधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन जो जानकारी सामने आ रही है, उसके अनुसार प्रशांत किशोर अपने करीबी एक कंपनी को एनसीपी के साथ जोड़ने आए थे. अजित पवार के निधन के बाद से एनसीपी की कमान सुनेत्रा पवार संभाल रही हैं. महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस के अगुवाई वाली एनडीए सरकार में सुनेत्रा पवार डिप्टीसीएम हैं

पुणे का PG और स्कूल वाला प्यार... प्रेमिका के नए बॉयफ्रेंड पर रॉड से किए 14 वार, लव ट्रायंगल में कत्ल

पुणे के एक पीजी तक पहुंची और आखिरकार खून-खराबे पर खत्म हुई. हिंजवड़ी के पीजी में एक युवक ने अपनी प्रेमिका के नए साथी पर लोहे की रॉड से इतने वार किए कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। हिंजवड़ी में सनसनीखेज कहानी सामने आई है. यहां एक पीजी में रहने वाले युवक की लोहे की रॉड से बेरहमी से हत्या कर दी गई, जबकि एक युवती पर भी जानलेवा हमला हुआ. शुरुआती जांच के मुताबिक, मामला लव ट्रायंगल से जुड़ा है. पूरी घटना पीजी में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है. पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट कर लिया है. इस हमले में युवती भी गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है. हिंजवड़ी स्थित सात मंजिला पीजी में पिछले चार दिनों से सागर गायकवाड़ मैनेजर के रूप में काम कर रहा था. बुधवार की रात यहां एक लड़की एक महीने के लिए पीजी में रहने आई थी. उसने पीजी संचालक को बताया था कि सागर उसका प्रेमी है. इसके बाद सागर ने लड़की को तीसरी मंजिल के कमरे नंबर 310 में ठहराया इसके बाद दिनेश खुद तीसरी मंजिल पर पहुंच गया. कुछ ही देर में वहां से चीख-पुकार की आवाजें आने लगीं. जब लोग मौके पर पहुंचे तो सागर खून से लथपथ जमीन पर पड़ा था और दिनेश लोहे की रॉड से लगातार उस पर हमला कर रहा था. आरोपी ने लड़की पर भी जानलेवा हमला किया.शुरुआती जांच में सामने आया है कि दिनेश और घायल लड़की स्कूल के समय से एक-दूसरे को जानते थे और दोनों के बीच प्रेम संबंध थे. बाद में दोनों बीसीए की पढ़ाई के लिए पुणे आए. इसी दौरान लड़की की सागर से नजदीकियां बढ़ गईं. पुलिस का मानना है कि इसी वजह से आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया. इस हमले में सागर गायकवाड़ की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि लड़की घायल है. अस्पताल में उसका इलाज जारी है. इस पूरी वारदात का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है.

सड़कें डूबीं, एम्बुलेंस फंसी, रेंगती गाड़ियां... दिल्ली से नोएडा, गुरुग्राम तक बारिशसे हाहाकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। एनसीआर में शुक्रवार को तेज बारिश से कई इलाकों में जलभराव और भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी. मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी करते हुए 10 अगस्त तक हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान जताया है. सफदरजंग, लोधी रोड, रिज सहित कई इलाकों में भारी बारिश दर्ज की गई. मेहरौली-बदरपुर रोड, आईटीओ, वजीराबाद रोड सहित कई मुख्य सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आए. दिल्ली-

एनसीआर में शुक्रवार को हुई तेज बारिश ने पूरे शहर की रफ्तार थाम दी. सड़कों पर पानी भर गया और कई इलाकों में लंबा ट्रैफिक जाम लग गया. मौसम विभाग यानी IMD ने दिल्ली के लिए रेड अलर्ट जारी किया है और अगले कुछ घंटों में कई जगहों पर मध्यम बारिश और कुछ जगहों पर तेज बारिश के साथ आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी दी है. मौसम विभाग के मुताबिक यह हल्की से मध्यम बारिश का सिलसिला 10 अगस्त तक जारी रह सकता है. गुरुग्राम हो या नोएडा, बारिश से शहर का हाल बुरा हो गया है. बारिश की वजह से मेहरौली-बदरपुर रोड, आईटीओ, वजीराबाद रोड, पटेल रोड, रोहतक रोड, शंकर रोड, कीर्ति नगर, दिल्ली-जयपुर हाईवे, पीरागढ़ी और शाहीन बाग जैसे इलाकों में भारी ट्रैफिक देखा गया. पूर्वी दिल्ली के जीटी रोड, जीटीबी एन्क्लेव और दिलशाद गार्डन में भी गाड़ियां रेंगती नजर आईं. सोशल मीडिया पर लोगों ने दक्षिणपुरी, ओखला, संगम विहार, सैनिक फार्म्स और मेहरौली-बदरपुर रोड के कुछ हिस्सों में जलभराव की तस्वीरें और वीडियो शेयर किए. भारी बारिश और घने कोहरे में एक व्यस्त हाईवे पर लंबा ट्रैफिक जाम दिखाता है. सड़क गीली है और वाहनों की कतार दूर तक फैली हुई है. ट्रक, कारें, ऑटो रिक्शा और बाइकें धीरे-धीरे आगे बढ़ रही हैं. मौसम खराब होने के कारण यातायात पूरी तरह ठप सा हो गया है. यह दृश्य किसी बड़े शहर ख़राब यातायात व्यवस्था को दर्शाता है, जहां बारिश ने परेशानी और बढ़ा दी है. भारी बारिश के बाद महामाया पुल अंडरपास में भरे पानी का दृश्य दिखाता है. सफेद एंबुलेंस पानी में फंस गई है और उसका दरवाजा खुला है. पानी गाड़ी के आधे हिस्से तक पहुंच गया है. शख्स बता रहा है कि पानी कमर तक है और किसी को अंदाजा नहीं था कि इतना पानी भरा होगा.

मुंबईकर ध्यान दें, 11-12 अगस्त को H ईस्ट में 24 घंटे नहीं आएगा पानी, K साउथ वार्ड में कम प्रेशर से होगी सप्लाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबईकरों के लिए टेंशन भरी खबर है। बृहन्मुंबई नगर निगम ने गुरुवार को मुंबई के कुछ इलाकों में 24 घंटे के लिए पानी की सप्लाई बंद करने की घोषणा की। बीएमसी ने बताया कि 2400 एमएम व्यास वाली वैतरणा पानी की पाइपलाइन पर आंशिक शटडाउन का काम होगा। इसके लिए मंगलवार, 11 अगस्त को सुबह 10 बजे से बुधवार, 12 अगस्त को सुबह 10 बजे तक च साउथ और पूरे ॥ ईस्ट वार्ड में पानी की सप्लाई प्रभावित रहेगी। मुंबई नगर निकाय के अनुसार, यह काम दोनों वार्डों में पानी की सप्लाई के इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने की कोशिशों का हिस्सा है। बीएमसी के शटडाउन के दौरान च साउथ वार्ड के कई इलाकों में कम प्रेशर से पानी मिलेगा, जबकि पूरे ॥ ईस्ट वार्ड में पानी की सप्लाई पूरी तरह बंद रहेगी। च साउथ इलाकों- जैसे कबीर नगर, बामनवाड़ा, पारसीवाड़ा, एयरपोर्ट एरिया, तरुण भारत कॉलोनी, इस्लामपुरा, देउलवाड़ी, फिश मार्केट, घाटीवाड़ा, चकाला और पीएंडटी कॉलोनी के लोगों को 11 अगस्त को दोपहर 2 बजे से शाम 5.30 बजे के बीच कम प्रेशर से पानी मिलेगा। इसी तरह कोल्डोंगरी, ओल्ड पुलिस लेन, विजय नगर (सहार रोड) और मोगरापाड़ा में 11 अगस्त को शाम 5 बजे से रात 10 बजे के बीच कम प्रेशर से पानी मिलेगा। 12 अगस्त को सहार गांव, सुतार पाखाड़ी और कार्गो कॉम्प्लेक्स में सुबह 5 बजे से सुबह 8 बजे के बीच कम प्रेशर से पानी मिलेगा। इस बीच डोमेस्टिक एयरपोर्ट, हैंगर स्टाफ कॉलोनी, एयर इंडिया कॉलोनी, सांताक्रूज ईस्ट, बांद्रा टर्मिनस और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में शटडाउन के दौरान पानी की सप्लाई बिल्कुल नहीं होगी। 12 अगस्त को पूरे H ईस्ट वार्ड, सांताक्रूज ईस्ट, खार ईस्ट और बांद्रा ईस्ट में पानी की सप्लाई पूरी तरह बंद रहेगी।

'यह सस्ती लोकप्रियता का जरिया', पूर्व जस्टिस यशवंत वर्मा मामले में स्वतंत्र जांच और FIR की जनहित याचिका सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व दिल्ली हाई कोर्ट जज जस्टिस यशवंत वर्मा के कथित 'बर्न्ट कैश' मामले में FIR और कोर्ट मॉनिटर SIT जांच की मांग वाली जनहित याचिका को 'पब्लिसिटी लिटिगेशन' बताते हुए खारिज कर दिया. सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व दिल्ली हाईकोर्ट जज जस्टिस यशवंत वर्मा से जुड़े चर्चित 'जली हुई नकदी' मामले में एफआईआर दर्ज करने और कोर्ट की निगरानी में एसआईटी जांच की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है. यह याचिका एक वकील ने दाखिल की थी. कोर्ट ने इसे पब्लिसिटी के लिए दाखिल याचिका बताते हुए सुनवाई से इनकार कर दिया. जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक आराधे की बेंच के सामने यह मामला सुनवाई के लिए आया. याचिका दाखिल करने वाले वकील घनश्याम उपाध्याय ने खुद कोर्ट में पक्ष रखा. उन्होंने कहा कि उन्होंने इस मामले में एक शिकायत दर्ज कराई है और वे खुद एक प्रैक्टिसिंग एडवोकेट हैं. जब कोर्ट ने उनसे पूछा कि क्या वे इस मामले में खुद पार्टी की तरह पेश हो रहे हैं तो उपाध्याय ने हां में जवाब दिया. याचिका में मुख्य दलील यह थी कि किसी जज का पद से इस्तीफा दे देना उसे बेहिसाब नकदी से जुड़ी आपराधिक जिम्मेदारी से मुक्त नहीं कर देता. यानी अगर इस्तीफा भी दे दिया जाए तो भी कानूनी जांच होनी चाहिए और जरूरत पड़ने पर एफआईआर दर्ज होनी चाहिए. याचिकाकर्ता ने कोर्ट से मांग की थी कि इस पूरे मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल यानी एसआईटी गठित की जाए और यह जांच सीधे कोर्ट की निगरानी में हो. लेकिन सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया. कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि यह याचिका सस्ती पब्लिसिटी हासिल करने के मकसद से दाखिल की गई लगती है. बेंच ने इसे कोर्ट की प्रक्रिया का दुरुपयोग बताया और कहा कि वे इस याचिका पर सुनवाई करने के इच्छुक नहीं हैं.कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि यह याचिका सस्ती पब्लिसिटी हासिल करने के मकसद से दाखिल की गई लगती है. बेंच ने इसे कोर्ट की प्रक्रिया का दुरुपयोग बताया और कहा कि वे इस याचिका पर सुनवाई करने के इच्छुक नहीं हैं. इसके बाद कोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया. जस्टिस यशवंत वर्मा का जली हुई नकदी का मामला पहले से ही देशभर में चर्चा का विषय रहा है और इस याचिका की खारिजी के बाद अब इस मुद्दे पर कानूनी लड़ाई फिलहाल थमती दिख रही है.

अब जनवरी में आएगी म्हाडा के मुंबई बोर्ड की लॉटरी, क्लस्टर योजना से MHADA को 30 हजार घर को मिलेंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अपना एक घर होने का सपना देखने वाले 2,640 परिवारों का सपना गुरुवार को साकार हो गया। आवास राजयमंत्री पंकज भोयर, कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा और मेयर रितु तावड़े ने मुंबई बोर्ड की घरों लॉटरी बांद्रा में जारी की। लॉटरी में शामिल 2,640 के लिए 75 हजार से अधिक लोगों ने आवेदन किया था। इस दौरान म्हाडा उपाध्यक्ष संजीव जयस्वाल ने कहा कि, लॉटरी की विजेता सूची में जगह नहीं बना पाने वाले लोगों को निराश होने की जरूरत नहीं है। 2027 के जनवरी या फरवरी में मुंबई बोर्ड की अगली लॉटरी आएगी। क्लस्टर योजना के तहत म्हाडा मुंबई के 925 एकड़ परिसर का विकास करेगी। योजना के तहत 65 हजार स्थानीय नागरिकों का पुनर्वसन उसी स्थान पर किया जाएगा। क्लस्टर प्रोजेक्ट से म्हाडा को मुंबई में 30 हजार से अधिक घर प्राप्त होंगे। लॉटरी के माध्यम से यह घर लोगों को सौंपें जाएंगे। जयस्वाल के अनुसार पिछले 3 साल में म्हाडा 50 हजार अधिक घर लॉटरी के माध्यम से राज्य घर में लोगों को दे चुकी है। म्हाडा 7.30 लाख घर तैयार करने की योजना पर काम कर रही है। म्हाडा अब सिर्फ घर नहीं किराया का घर, हॉस्टल और वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी घर तैयार कर रही है। कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा कि सरकारी नियम के अनुसार अतिरिक्त एफएसई का लाभ लेने के बावजूद करीब एक हजार घर कई बिल्डरों ने म्हाडा को अब तक सौंपें नहीं हैं। ऐसे बिल्डरों के लिए आर्थर रोड जेल में बहुत जगह उपलब्ध है। लोढ़ा ने ऐसे बिल्डरों के खिलाफ म्हाडा को एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया जारी रख उनको जेल में डालने की बात कही।

नागरिक सहभागिता बढ़ाने को समिति

लोढ़ा ने प्रत्येक वार्ड ने नागरिक सहभागिता बढ़ाने के लिए सलाहकार समिति का गठन करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों, आवास क्षेत्र के विशेषज्ञों, वास्तुकारों, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों समेत अन्य को सलाहकार समिति में शामिल करना चाहिए। ताकी यह म्हाडा से सीधे संवाद कर स्थानीय स्तर की समस्या का जल्द समाधान कर सकें।

ग्रेटर नोएडा में सोसायटी की 20वीं मंजिल पर आग, बड़ा हादसा टला

गौतमबुद्ध नगर (एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर स्थित मिग्सन अल्टीमो सोसायटी में 20वीं मंजिल के कॉमन एरिया में बिजली के तारों में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, निवासियों और सुरक्षा कर्मियों की सूझबूझ से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया और कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस के अनुसार, सन टावर-3 की 20वीं मंजिल के कॉमन एरिया में बिजली के तारों में आग लगी थी। आग लगते ही हड़कंप मचा, पर रेजिडेंट्स और सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला और कड़ी मशक्कत से आग बुझा दी। फायर सर्विस यूनिट मौके पर पहुंचने से पहले ही आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया था। यह सोसायटी में आग लगने की पहली घटना नहीं है। निवासियों का आरोप है कि फायर फाइटिंग सिस्टम लंबे समय से खराब पड़ा है, जिससे हमेशा खतरा बना रहता है। निवासियों ने बिल्डर और प्रबंधन के प्रति भारी नाराजगी व्यक्त कर तत्काल फायर सेफ्टी सिस्टम की जांच, मरम्मत और नियमित सुरक्षा ऑडिट की मांग की है।

हैवान बना पिता, 16 वर्षीय बेटी से दुष्कर्म ; गिरफ्तार

जोनपुर (एजेंसी)। रिश्तों की मर्यादा को तार-तार करने वाला एक हृदय विदारक मामला उत्तर प्रदेश के जमालपुर से सामने आया है। यहां एक कलयुगी पिता ने अपनी ही 16 वर्षीय नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पिता अरविंद शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफपोक्सो एक्ट सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस को दिए बयानों के अनुसार यह शर्मनाक घटना बीते 5 अगस्त को घटित हुई। पीड़िता की मां ने बताया कि आरोपी अरविंद शर्मा, जो कि पीड़िता का सगा पिता है, तबीयत खराब होने का बहाना बनाकर उस दिन काम पर नहीं गया और घर पर ही रुक गया। शाम को जब मां काम से लौटी तो 16 वर्षीय बेटी ने रोते हुए उसे अपनी आपबीती सुनाई। पीड़िता ने अपनी मां को बताया कि जब वह घर में अकेली थी और अपने काम निपटाकर कमरे में आराम कर रही थी, तभी उसके पिता अरविंद शर्मा ने जबरन उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने बेटी को किसी को भी बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी थी। मां की शिकायत पर जमालपुर पुलिस ने गंभीरता दिखाते हुए आरोपी पिता अरविंद शर्मा के खिलाफभारतीय दंड संहिता की धारा 376 (दुष्कर्म) और पोक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे तत्काल गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े को बम धमकी वाला ई-मेल, मेट्रो, स्कूल और शेयर बाजार को उड़ाने की चेतावनी, जांच में जुटी पुलिस

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े के आधिकारिक ई-मेल पते पर बम विस्फोट की धमकी मिलने से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। ई-मेल में मुंबई महापौर कार्यालय, मुंबई मेट्रो, स्कूलों और शेयर बाजार को निशाना बनाने की धमकी दी गई है। दावा किया गया है कि 15 अगस्त से पहले मुंबई में विस्फोट किए जाएंगे। इसके बाद मुंबई पुलिस और साइबर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, धमकी भरे ई-मेल में अलगाववादी नारे लिखे गए हैं और कुछ व्यक्तियों के नामों का भी उल्लेख किया गया है। साथ ही लोगों को बच्चों को स्कूल न भेजने और मेट्रो से यात्रा नहीं करने जैसी चेतावनियां भी दी गई हैं। फिलहाल पुलिस इन दावों की सत्यता की जांच कर रही है और नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। बताया जा रहा है कि महापौर ऋतु तावड़े को इससे पहले भी दो बार धमकी भरे ई-मेल मिल चुके हैं। इस बार मिले ई-मेल के बाद साइबर पुलिस ई-मेल के आईपी एड्रेस, स्रोत और प्रेषक की पहचान करने में जुटी है। मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और आवश्यक सुरक्षा उपाय भी बढ़ा दिए गए हैं।

केजरीवाल का दावा : पीएम मोदी जनता से खुद को बचाने के लिए बना रहे कानून

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाकर दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी अपने ही नागरिकों से खुद को बचाने के लिए कानून बना रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अपने ही नागरिकों से लड़ रहे हैं और पेपर लीक, ई-20 फ्यूल जैसे मुद्दों पर उनके पुराने समर्थक भी उनके खिलाफ हो रहे हैं।

केजरीवाल का ये बयान तब हैं जब मेटा (मेटा) से जुड़े बड़े विवाद के बीच सूत्रों ने बताया कि कंपनी के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने प्रधानमंत्री मोदी का फेसबुक वीडियो कुछ समय के लिए हटाने पर भारत सरकार से माफी मांगी है। जुकरबर्ग ने कथित तौर पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े मटीरियल, डीपफेक कंटेंट और प्लेटफॉर्म के संचालन में हुई गलतियों के लिए खेद जताया है। सूत्रों के अनुसार, मेटा ने स्वीकार किया कि गैर-कानूनी कंटेंट, जिसमें बच्चों के यौन शोषण से संबंधित सामग्री शामिल थी, को खास ऑडियंस के लिए पेड प्रमोशन के माध्यम से बढ़ावा दिया था। केंद्र सरकार ने मेटा को स्पष्ट किया है कि वे इंटरमीडियरी (मध्यस्थ) की परिभाषा के दायरे में नहीं आते क्योंकि वे खुद कंटेंट का चुनाव करते हैं, इसलिए आईटी एक्ट के तहत सेफ हार्बर का नियम उन पर लागू नहीं होता। घटनाक्रम के बीच, मेटा के चीफ ग्लोबल अफेयर्स ऑफिसर जोएल कपलान की अगुवाई में एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सेक्रेटरी एस. कृष्णन से मुलाकात की। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी का फेसबुक वीडियो गलती से हटाने की जानकारी दी गई। इससे पहले, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी पर बनी संसदीय स्थायी समिति ने फेसबुक से प्रधानमंत्री का वीडियो हटाए जाने पर जुकरबर्ग से बिना शर्त माफी की मांग की थी और चेतावनी दी थी कि भारत में प्लेटफॉर्म को मिलने वाली कानूनी छूट समाप्त की जा सकती है।

अनुच्छेद 370 की बरसी पर अनंतनाग रैली के नारों पर विवाद

-विपक्ष के विरोध के बाद भाजपा ने दी सफाई

अनंतनाग (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने की सातवीं बरसी पर अनंतनाग में निकाली गई एक रैली के दौरान लगाए गए कथित आपत्तिजनक नारों को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। सोशल मीडिया पर रैली के वीडियो सामने आने के बाद विपक्षी दलों ने इसे कश्मीरी महिलाओं का अपमान बताते हुए भाजपा पर निशाना साधा। बढ़ते विवाद के बीच जम्मू-कश्मीर भाजपा ने इन नारों से खुद को अलग करते हुए स्पष्ट किया कि यह पार्टी का आधिकारिक रुख नहीं है।

5 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त कर जम्मू-कश्मीर का पुनर्गठन करते हुए इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया था। इसकी सातवीं बरसी पर भाजपा ने विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए, जबकि विपक्षी दलों ने इस दिन को विरोध दिवस के रूप में मनाया। अनंतनाग में भाजपा की ओर से निकाली गई रैली के दौरान कुछ नारों को लेकर विवाद खड़ा हो गया। विपक्ष का आरोप है कि रैली में कश्मीरी भाषा के ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जिन्हें स्थानीय समाज में महिलाओं के सम्मान और गरिमा से जोड़कर देखा जाता है। विपक्षी नेताओं का कहना है कि इन शब्दों का प्रयोग जिस संदर्भ में किया गया, वह महिलाओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। उनका आरोप है कि इस तरह के नारे कश्मीर की सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं के विपरीत हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस समेत अन्य विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि महिलाओं से जुड़े सम्मानजनक संबोधनों का राजनीतिक नारों में इस प्रकार इस्तेमाल स्वीकार्य नहीं है। विपक्ष ने इसे पूरे समाज के सम्मान से जुड़ा विषय बताते हुए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। विवाद बढ़ने के बाद जम्मू-कश्मीर भाजपा ने बयान जारी कर कहा कि पार्टी महिलाओं के सम्मान के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की अपमानजनक टिप्पणी का समर्थन नहीं करती। पार्टी के अनुसार यदि रैली के दौरान कुछ व्यक्तियों ने अपनी व्यक्तिगत सोच के आधार पर कोई नारा लगाया है, तो उसे भाजपा की आधिकारिक नीति या विचारधारा नहीं माना जाना चाहिए। पार्टी ने कहा कि विवादित नारे संगठन या रैली का नेतृत्व कर रहे नेताओं के आधिकारिक विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के बाद यह मामला राजनीतिक बहस का विषय बन गया है। विपक्ष भाजपा से सार्वजनिक माफी की मांग कर रहा है, जबकि भाजपा का कहना है कि पार्टी का महिलाओं के सम्मान पर रुख स्पष्ट है और किसी भी व्यक्ति की व्यक्तिगत टिप्पणी को संगठन की आधिकारिक राय नहीं माना जा सकता।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश, येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सहित पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम ने फिर करवट बदली है। बीती देर रात से दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद सहित विभिन्न इलाकों में लगातार हो रही झमाझम बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार, 7 अगस्त के लिए तेज बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें सुबह और पूर्वाह्न के दौरान मध्यम से भारी वर्षा की चेतावनी है। इस झमाझम बारिश ने जहां लोगों को उमस और गर्मी से बड़ी राहत दी है, वहीं कई प्रमुख मार्गों पर जलभराव और टूटी सड़कों पर बने गहरे गड्ढों ने यातायात को बुरी तरह बाधित किया है। लगातार दो दिनों की बारिश से अधिकतम तापमान में करीब 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे मौसम सुहावना हो गया है। हालांकि, सुबह दफ्तर जाने वाले लोगों और स्कूल वाहनों को सड़कों पर लंबी कतारों के कारण खासी परेशानी झेलनी पड़ी। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 7 अगस्त को अधिकतम तापमान 32 और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है, साथ ही दिनभर बादल छाए रहने वाले हैं और भारी बारिश जारी रह सकती है। अगले कुछ दिनों तक, यानी 8 से 12 अगस्त तक, दिल्ली-एनसीआर में आमतौर पर बादल छाए रहने और हल्की बारिश या बूंदाबांदी का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 33-34 डिग्री और न्यूनतम 24-25 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा। बारिश के कारण राजधानी और एनसीआर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जिससे वाहन चालकों को दिक्कतें आ रही हैं।

बारिश के बीच विपक्ष ने संसद परिसर में किया जोरदार प्रदर्शन

-जंतर-मंतर पुलिस कार्रवाई और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर मकर द्वार पर नारेबाजी, छात्रों की मांगों पर कार्रवाई की उठाई मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के 15वें दिन शुक्रवार को भी संसद परिसर में विपक्ष का विरोध प्रदर्शन जारी रहा। कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद भवन के मकर द्वार पर एकत्र होकर जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। तेज बारिश के बावजूद सांसद छाते लेकर धरना देने पहुंचे और सरकार विरोधी नारे लगाए।

विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि छात्रों की लोकतांत्रिक मांगों को संवाद के बजाय बल प्रयोग से दबाने का प्रयास किया गया है। उनका कहना था कि सरकार को प्रदर्शनकारी छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से सुनना चाहिए और उनके साथ बातचीत कर समाधान निकालना चाहिए। विपक्ष ने जंतर-मंतर पर हुई पुलिस कार्रवाई की निष्पक्ष जांच कराने तथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की। प्रदर्शन के दौरान विपक्षी सांसदों ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले को भी प्रमुखता से उठाया और इस पूरे प्रकरण की पारदर्शी जांच की मांग करते हुए सरकार को घेरने का प्रयास किया। सांसदों का कहना था कि दोनों ही मुद्दे जनहित से जुड़े हैं और सरकार को इन पर स्पष्ट जवाब देना चाहिए। तेज बारिश के बावजूद प्रदर्शन में शामिल सांसद लगातार नारेबाजी करते रहे।

सीजेपी ने बनाई राष्ट्रीय कार्यसमिति, अभिजीत दीपके बने राष्ट्रीय संयोजक

12 लोगों की मेन टीम का हुआ ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। संगठनात्मक विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सीजेपी (कॉकरोच जनता पार्टी) ने गुरुवार को अपनी राष्ट्रीय कार्यसमिति का गठन कर दिया। संगठन के संस्थापक अभिजीत दीपके को राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त किया गया है, जबकि मुख्य प्रवक्ता सौरव दास और प्रवक्ता आशुतोष रांका को सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दो दिवसीय बैठक के समापन के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। संगठन ने स्पष्ट किया कि फिलहाल उसे राजनीतिक दल में परिवर्तित नहीं किया जाएगा और उसका फोकस जमीनी स्तर पर जनसंगठन तैयार करने पर रहेगा।

सीजेपी की ओर से जारी बयान के अनुसार, राष्ट्रीय कार्यसमिति ने संगठन के विस्तार की रूपरेखा को मंजूरी दे दी है। अगले छह महीनों में सभी राज्यों में समन्वय समितियों के गठन के साथ-साथ लोकसभा और शहर स्तर पर भी संगठनात्मक इकाइयां बनाई जाएंगी। संगठन ने कहा कि घोषित सूची के अलावा किसी अन्य व्यक्ति को फिलहाल पदाधिकारी नियुक्त नहीं किया गया है। नई कार्यकारिणी में अजिंक्य शिंदे को राष्ट्रीय संगठन प्रभारी और दीपक बालियान को सह-संगठन प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा आफरीन नवाज को राष्ट्रीय सचिव, विजय रेड्डी मल्लांगी को मीडिया प्रमुख, रत्ना सिंह को कानूनी मामलों की प्रमुख, वैष्णवी गौड़ को शोध एवं नीति प्रमुख, रोहन देशपांडे को प्रौद्योगिकी प्रमुख तथा योगेश इंगले को वित्त प्रमुख नियुक्त किया गया है। संगठन ने उत्तर, दक्षिण, पूर्व एवं पूर्वोत्तर तथा पश्चिम क्षेत्र के लिए भी अलग-अलग नेतृत्व की जिम्मेदारियां तय की हैं।

सौरव दास ने बताया कि सदस्यता अभियान संगठन की वेबसाइट के माध्यम से शुरू किया जाएगा। उन्होंने छात्रों, युवाओं, पेशेवरों और श्रमिकों से संगठन से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि सीजेपी फिलहाल किसी प्रकार का चंदा या फंड एकत्र नहीं कर रही है। उन्होंने लोगों से किसी भी भ्रामक दावे से सावधान रहने की भी अपील की। दास ने कहा कि कई लोग चाहते हैं कि सीजेपी राजनीतिक दल बने, लेकिन मौजूदा समय में संगठन का उद्देश्य चुनावी राजनीति में उतरना नहीं, बल्कि सामाजिक मुद्दों पर जनजागरूकता बढ़ाना और जमीनी स्तर पर काम करना है। उनका कहना था कि संगठन पहले अपने नेटवर्क और जनसंपर्क को मजबूत करेगा। इस दौरान आशुतोष रांका ने बताया कि सीजेपी का एक प्रतिनिधिमंडल झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मुलाकात करेगा। इसके बाद संगठन के शीर्ष पदाधिकारी भी राज्य का दौरा करेंगे। संगठन ने कहा कि शिक्षा और भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता उसके प्रमुख मुद्दों में शामिल रहेगी।

ऊना दलित अत्याचार : मायावती ने की गुजरात सरकार से हाईकोर्ट में सख्त पैरवी की मांग

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने गुजरात के गिर सोमनाथ जिले के ऊना में वर्ष 2016 के चर्चित दलित अत्याचार मामले में लोकल अदालत द्वारा अधिकांश आरोपियों को बरी करने पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह फैसला न्याय व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है और पीड़ित दलित परिवारों को हाईकोर्ट में न्याय की लड़ाई लड़ने के लिए भारी आर्थिक और कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बसपा सुप्रीमों मायावती ने गुजरात सरकार से तत्काल मामले में हस्तक्षेप करने और उच्च न्यायालय में प्रभावी पैरवी कर सभी दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आग्रह किया है। बसपा मुखिया ने याद दिलाया कि इस घटना के बाद वह खुद पीड़ितों से मिलने ऊना गई थीं और तभी राज्य सरकार से सभी दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी। उन्होंने कहा कि देश भर में रोष के बावजूद 40 में से 35 आरोपियों का बरी होना दलितों के प्रति सरकारी उदासीनता और उनके हितों की उपेक्षा का परिणाम लगता है। उन्होंने कहा कि गुजरात सरकार के पास अभी भी मौका है कि वह अपनी गलती सुधारते हुए उच्च न्यायालय में उचित पैरवी सुनिश्चित करे। मायावती ने सुझाव दिया कि गुजरात सरकार को पीड़ित परिवारों की संतुष्टि के अनुसार, सरकारी खर्च पर वकील मुहैया कराने चाहिए, ठीक उसी तरह जैसे बसपा की यूपी सरकार ने गरीबों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने का प्रावधान किया था। उन्होंने जोर दिया कि यह कदम न केवल पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाएगा बल्कि दूसरों के लिए भी एक सबक बनेगा।

केपी ग्राउंड में राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम को सशर्त मंजूरी

प्रयागराज (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 8 अगस्त को प्रस्तावित छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर चल रहा विवाद फिलहाल थम गया है। कायस्थ पाठशाला (केपी) ट्रस्ट ने केपी ग्राउंड में कार्यक्रम आयोजित करने की सशर्त अनुमति दे दी है। ट्रस्ट के कार्यवाहक अध्यक्ष जितेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं से परामर्श के बाद आयोजकों को कुछ शर्तों के साथ कार्यक्रम की अनुमति दी गई है।

ट्रस्ट की ओर से रखी गई शर्तों में कॉलेज में अध्ययन-अध्यापन कार्य प्रभावित नहीं होना और जिला मजिस्ट्रेट से अनुमति लेना शामिल है। इससे पहले ट्रस्ट ने मैदान के इस्तेमाल को लेकर आपत्ति जताई थी। ट्रस्ट का कहना था कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार केपी कॉलेज के मैदान का उपयोग खेलकूद और शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा अन्य कार्यों के लिए नहीं किया जा सकता। साथ ही बारिश के कारण मैदान में पानी भरे होने से आयोजन को लेकर जोखिम की बात भी कही गई थी। कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि उत्तर प्रदेश सरकार राहुल गांधी के कार्यक्रम को रद्द कराने का प्रयास कर रही है। पार्टी ने कहा था कि वह तय स्थान केपी ग्राउंड में ही छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि जिला प्रशासन से कार्यक्रम की अनुमति को लेकर बातचीत हुई है और सहयोग का आश्वासन मिला है।

अजय राय ने राहुल गांधी के प्रयागराज दौरे का कार्यक्रम भी जारी किया। इसके अनुसार राहुल गांधी 8 अगस्त को दोपहर करीब 2 बजे विशेष विमान से दिल्ली से प्रयागराज पहुंचेंगे। इसके बाद वह सड़क मार्ग से आनंद भवन जाएंगे। शाम 6 बजे से रात साढ़े 8 बजे तक केपी ग्राउंड में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में छात्रों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम के बाद वह प्रयागराज हवाई अड्डे से रात साढ़े 9 बजे विशेष विमान से दिल्ली रवाना होंगे। कांग्रेस के आरोपों पर भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि यह एक निजी संस्था और कांग्रेस के बीच अनुमति का मामला है। इसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस के पास सरकार के दबाव का कोई प्रमाण है तो उसे सार्वजनिक करना चाहिए। कार्यक्रम की अनुमति को लेकर जिला प्रशासन से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन अधिकारियों से संपर्क नहीं हो सका। अब सशर्त अनुमति मिलने के बाद कार्यक्रम के आयोजन का रास्ता साफ हो गया है।

कैप्टन अमरिंदर कूल हैं और मिलिट्री हिस्ट्री के एक्सपर्ट हैं, वह मेरे फेवरेट लीडर

-राहुल गांधी के तारीफ करने के बाद कैप्टन की कांग्रेस में वापसी की अटकलें तेज

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब में 2027 के चुनाव से पहले कांग्रेस में चल रहे घमासान के बीच राहुल गांधी ने पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह को फेवरेट लीडर बताकर उनकी तारीफ की है। गुरुवार को दिल्ली में जेन-जी के साथ राहुल गांधी ने इंट्रैक्शन किया। इस दौरान एक युवा ने राहुल गांधी से पूछा कि बीजेपी में आपका फेवरेट लीडर कौन है, तो राहुल गांधी ने कहा- कैप्टन अमरिंदर सिंह, डेफिनेटली। मैं उनके साथ आसानी से घुल-मिल जाता हूं। वह कूल हैं और मिलिट्री हिस्ट्री के एक्सपर्ट हैं, इसलिए मैं उन्हें पसंद करता हूं। हैलो अंकल अमरिंदरज़

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर भी यह वीडियो पोस्ट किया है, जिसके बाद से लोग कैप्टन अमरिंदर की कांग्रेस में वापसी की अटकलें लगाने लगे हैं। इससे पहले कैप्टन खुद कह चुके हैं कि वह कांग्रेस को मिस करते हैं। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस एक फैमिली की तरह है। मैं जब भी फोन करता था, वह मिल लेते थे। लेकिन बीजेपी में ये सिस्टम नहीं है। कैप्टन ने यहां तक कहा था कि राहुल गांधी ने उनके चचेरे भाई के निधन पर शोक संदेश भेजा लेकिन बीजेपी में किसी ने पूछा तक नहीं। राहुल गांधी की कैप्टन की तारीफ वाला वीडियो जैसे ही सामने आया तो पंजाब कांग्रेस में खलबली मच गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अटकलें लगाई जा रही हैं कि कहीं पंजाब में गुटबाजी को खत्म करने के लिए राहुल गांधी बीजेपी नेता कैप्टन अमरिंदर की कांग्रेस में वापसी करवा सकते हैं। कैप्टन की अगुआई में कांग्रेस दो बार यहां सरकार बना चुकी है। वहीं गुरुवार को प्रदेश प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने लुधियाना में कहा था कि एक सप्ताह में सब कुछ ठीक हो जाएगा, नहीं तो राहुल गांधी कोई बड़ा फैसला लेंगे। इसी बीच चन्नी गुट के विधायक राणा गुरजीत ने कहा कि अगर कैप्टन अमरिंदर कांग्रेस में आते हैं तो उनका स्वागत किया जाएगा। कैप्टन अमरिंदर के गांधी परिवार के अच्छे संबंध हैं। वहीं परगट सिंह ने भी कहा है कि कैप्टन अमरिंदर सिंह दो बार पंजाब के सीएम रह चुके हैं। उनके पास अनुभव है।

असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 97 हुई, 1.68 लाख लोग प्रभावित

-कई राज्यों में आंधी-तूफान और बिजली गिरने की आशंका

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी है वहां दो और लोगों की मौत के साथ इस साल बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 97 तक पहुंच गई है। वहीं प्रभावित लोगों की संख्या भी बढ़कर 1.68 लाख से ज्यादा हो गई। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने बताया कि पिछले 24 घंटे में गोलाघाट और उदलगुड़ी जिलों में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई।

प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में गोलाघाट, शिवसागर, उदलगुड़ी, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, नगांव, कामरूप, दरांग, सोनितपुर, होजाई, लखीमपुर, बिश्वनाथ, जोरहाट, चराइदेव, कार्बी आंगलोंग और धेमाजी जिलों में 1.68 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। गोलाघाट सबसे ज्यादा प्रभावित जिला है, जहां करीब 54,000 लोग बाढ़ की चपेट में आए। इसके बाद शिवसागर में 49,000 से ज्यादा और जोरहाट में करीब 27,000 लोग प्रभावित हुए हैं। एएसडीएमए ने बताया कि वर्तमान में छह जिलों में 133 राहत शिविर और राहत सामग्री वितरण केंद्र चलाए जा रहे हैं, जहां करीब 45,000 विस्थापित लोगों को आश्रय और सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में कुल 481 गांव अब भी बाढ़ के पानी में डूबे हुए हैं, जबकि बाढ़ के कारण पूरे राज्य में 14,382.26 हेक्टेयर फसल क्षेत्र को नुकसान पहुंचा है। बुलेटिन के मुताबिक धनसिरी नदी नुमालीगढ़ में अब भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। बाढ़ के पानी से कई जिलों में तटबंधों, सड़कों, पुलों और अन्य सार्वजनिक बुनियादी ढांचों को भी नुकसान पहुंचा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक 6 से 12 अगस्त के बीच अरुणाचल प्रदेश में और 8 से 11 अगस्त के बीच असम और मेघालय में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश हो सकती है। 6-7 अगस्त और 12 अगस्त को असम और मेघालय में और 6-12 अगस्त के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश की संभावना है। मौसम एजेंसी ने कहा कि कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक असम सरकार ने शिवसागर और चराइदेव जैसे बाढ़ प्रभावित ज़िलों में 10 अगस्त से पढ़ाई फिर से शुरू करने की योजना का ऐलान किया है। साथ ही सरकार उन छात्रों के लिए वैकल्पिक इंतजाम भी कर रही है जिनके स्कूल हाल की बाढ़ के कारण पहुंच से बाहर हैं या क्षतिग्रस्त हो गए हैं। राज्य के शिक्षा मंत्री रानोज पेगू ने कहा था कि यह फैसला पढ़ाई में रुकावट को कम करने और यह पक्का करने के लिए लिया गया है कि छात्र अपनी पढ़ाई जारी रख सकें, भले ही बाढ़ से प्रभावित कई शिक्षण संस्थानों में मरम्मत का काम चल रहा हो, जो स्कूल अभी छात्रों को बैठाने लायक नहीं हैं, वे हालात सुधरने तक बंद रहेंगे। हालांकि, इन संस्थानों में दाखिला लेने वाले छात्रों को अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए अस्थायी सुविधाएं दी जाएंगी।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (शनिवार) 08 अगस्त 2026

वैश्विक तनाव के बीच भी सोना 497 रुपए चढ़ा, चांदी भी 2,157 रुपए उछली

सोना 1,49,457 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,28,000 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में गहराते तनाव और चीन के संस्थागत निवेशकों की बढ़ती खरीददारी से सुरक्षित निवेश के रूप में सोना और चांदी आकर्षक बने हुए हैं। शुक्रवार को वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में इन कीमती धातुओं के वायदा भाव में जोरदार तेजी दर्ज की गई। शुक्रवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों में शुक्रवार को इन धातुओं की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया, जिससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर भी सोने-चांदी के भाव में शानदार तेजी दर्ज की गई। खबर लिखे जाने तक सोने का अक्टूबर वायदा भाव 599 रुपये की मजबूती के साथ 1,49,457 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार में यह 1,49,554 रुपये के उच्च स्तर तक पहुंच गया। वहीं चांदी का सितंबर वायदा 2,164 रुपये की जोरदार तेजी के साथ 2,28,000 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास कारोबार कर रहा था, जिसने 2,28,095 रुपये का दिन का उच्च स्तर छुआ। यह उछाल वैश्विक रुझानों और घरेलू मांग दोनों का परिणाम है, जिससे दोनों धातुएं इस साल अपने रिकॉर्ड उच्चतम स्तर के करीब पहुंच रही हैं। वैश्विक बाजार कॉमेक्स पर सोना शुक्रवार को 4,320 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रहा था, जिसमें 19 डॉलर से अधिक की तेजी देखी गई। वहीं चांदी भी 0.86 डॉलर की तेजी के साथ 62.50 डॉलर प्रति औंस के आसपास बनी हुई थी। भू-राजनीतिक अनिश्चितता और आर्थिक स्थिरता की तलाश में निवेशक लगातार सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं, जिसका सीधा फायदा इन कीमती धातुओं को मिल रहा है। चीन के संस्थागत निवेशकों द्वारा गोल्ड-समर्थित परिसंपत्तियों में बढ़ती दिलचस्पी और दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों की निरंतर खरीदारी भी सोने-चांदी की कीमतों को मजबूती प्रदान कर रही है।

आरबीआई का निर्देश- कर्ज वसूली के नाम पर ग्राहक के गैजेट्स बंद नहीं कर सकेंगे बैंक

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कर्ज वसूली से जुड़े एक महत्वपूर्ण निर्देश में बैंकों को ग्राहकों के मोबाइल फोन, टैबलेट या लैपटॉप को निष्क्रिय करने पर रोक लगा दी है। यह फैसला 1 जनवरी 2027 से लागू होगा और इसका उद्देश्य कर्जदारों को उत्पीड़न से बचाना है। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत, वाहन या आवास ऋण जैसे कर्ज न लौटाने पर बैंक अब ग्राहकों के इन उपकरणों को बंद या उनकी कार्यक्षमता सीमित नहीं कर पाएंगे। हालांकि, यदि किसी बैंक ने विशेष रूप से किसी उपकरण की खरीद के लिए ही कर्ज दिया है, तो वह चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई कर सकता है, लेकिन इसमें भी आपातकालीन सुविधाएं जैसे इनकमिंग कॉल, एसएमएस और एसओएस सेवाएं किसी भी स्थिति में बंद नहीं की जा सकेंगी। आरबीआई ने यह कदम कर्ज वसूली और रिकवरी एजेंसियों द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से ग्राहकों के उत्पीड़न और अभद्र व्यवहार की बढ़ती शिकायतों के बाद उठाया है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 455 अंक, निफ्टी 65 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व के शेयर टूटे। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक और ट्रेंट के शेयर भी गिरे। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 455.59 अंक टूटकर 78,499.17 अंकों पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 65.35 अंक फिसलकर 24,570.65 अंकों पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स के केवल 14 शेयर ही बढ़त पर बंद हुए। बचे हुए 16 शेयर गिरावट पर बंद हुए। निफ्टी 50 की भी 50 में से 24 कंपनियों के शेयर तेजी के साथ लाभ पर बंद हुए और शेष सभी 26 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ नीचे आये।आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल टाटा समूह की आईटी कंपन टीसीएस के शेयरों में सबसे ज्यादा 3.53 प्रतिशत की बढ़त रही। वहीं बजाज फाइनेंस के शेयरों में आज सबसे अधिक गिरावट रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा,

एसबीआई सहित कई कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए। महिंद्रा एंड महिंद्रा के अलावा, भारतीय स्टेट बैंक , टेक महिंद्रा, बीईएल, इन्फोसिस और एचसीएल टेक, मारुति सुजुकी के शेयरों में बढ़त रही। दूसरी ओर सप्ताह के अंतिम दिन बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील , एचडीएफसी बैंक, अडाणी पोर्ट्सके शेयरों में गिरावट रही।

फाइब की प्रबंधित परिसंपत्तियां 63.31 फीसदी बढ़कर 8,603 करोड़ पहुंचीं

व्यक्तिगत ऋण और उद्देश्य-आधारित वित्तपोषण से मिली बढ़त

नई दिल्ली ।

डिजिटल ऋण मंच फाइब, जिसने अपने आईपीओ के लिए सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं, ने अपनी प्रबंधित परिसंपत्तियों (एयूएम) में मजबूत वृद्धि का अनुमान लगाया है। कंपनी के डीआरएचपी के अनुसार मार्च 2026 तक इसकी एयूएम 63.31 फीसदी बढ़कर 8,603 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें व्यक्तिगत ऋण और उद्देश्य-आधारित वित्तपोषण कारोबार का प्रमुख योगदान होगा। दस्तावेजों से पता चलता है कि फाइब की एयूएम में पिछले तीन वर्षों से लगातार वृद्धि दर्ज की गई है।

मार्च 2024 में 4,064 करोड़ रुपये से बढ़कर यह मार्च 2025 में 5,268 करोड़ रुपये हो गई और मार्च 2026 तक 8,603 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। कुल प्रबंधित परिसंपत्तियों में व्यक्तिगत ऋण की हिस्सेदारी 6,657 करोड़ रुपये (77 प्रतिशत) रही, जबकि उद्देश्य-आधारित वित्तपोषण का आकार 1,946 करोड़ रुपये था। फाइब का उद्देश्य आधारित वित्तपोषण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बीमा, यात्रा, ई-कॉमर्स और छत पर सौर ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों तक फैला है। कंपनी ने जून में पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आईपीओ के जरिए धन जुटाने के लिए दस्तावेज दाखिल किए थे।

अकासा एयर ने लॉन्च किया एलीवेट लॉयल्टी कार्यक्रम

एयरलाइन ने यात्रियों की निष्ठा के प्रति आभार व्यक्त किया

नई दिल्ली ।

अपनी सफल उड़ान के दो वर्ष पूरे होने के अवसर पर एयरलाइन कंपनी अकासा एयर ने शुक्रवार को अपना नया लॉयल्टी कार्यक्रम 'अकासा एलीवेट' लॉन्च किया है। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव, व्यक्तिगत पहचान और विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराना है, साथ ही उनकी निष्ठा के प्रति आभार व्यक्त करना है। एयरलाइन ने 7 अगस्त, 2022 को उड़ान परिचालन शुरू किया था। कंपनी के एक अ धिकारी ने अब तक के सफर को बेहद रोमांचक बताया। 'अकासा एलीवेट' कार्यक्रम के तहत, सदस्य पात्र उड़ानों के साथ-साथ सहायक उत्पादों और सेवाओं पर भी अंक अर्जित कर सकेंगे। कंपनी का कहना है कि इसे ग्राहकों को अधिक मूल्य और बेहतर यात्रा सुविधाएं प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। कंपनी अ धिकारी ने अकासा एयर को 'अनुभव आधारित विमानन सेवा' करार देते हुए कहा, हमने अपने ग्राहकों के लिए बेहतर यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने की दिशा में काफी मेहनत की है। ऐसे में ग्राहक लॉयल्टी कार्यक्रम की शुरुआत उनके प्रति आभार व्यक्त करने का स्वाभाविक विस्तार है। उन्होंने आगे कहा कि तीसरे वर्ष में प्रवेश के साथ उनका ध्यान अनुशासित वृद्धि, परिचालन उत्कृष्टता और ग्राहकों को विशिष्ट अनुभव उपलब्ध कराने पर केंद्रित रहेगा।

त्योहारी सीजन में महंगा होगा घर-गाड़ी खरीदना

तांबा, एल्युमीनियम जैसी प्रमुख धातुओं के दाम रिकॉर्ड ऊंचाई पर

नई दिल्ली ।

आगामी त्योहारी सीजन में घर और वाहन खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों को अब अपनी जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ सकती है।

वैश्विक बाजारों में औद्योगिक धातुओं की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि के चलते टीवी, फ्रिज, एसी, वॉशिंग मशीन और नई गाड़ियों के दाम बढ़ने वाले हैं। वैश्विक बाजारों में मची उथल-पुथल और आपूर्ति संकट के कारण तांबा, एल्युमीनियम, जिंक और निकल जैसी औद्योगिक धातुओं के दाम तेजी से बढ़े हैं, जिसका सीधा असर उपभोक्ता उत्पादों पर पड़ेगा। लंदन मेटल एक्सचेंज पर तांबे का औसत भाव 1.8 फीसदी उछलकर 14,369.50 डॉलर प्रति टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जो जनवरी के बाद सबसे अधिक है। भारत में भी तांबे के दाम 2.56 फीसदी बढ़कर 1304.90 रुपये प्रति किलोग्राम हो गए हैं, जबकि एक महीने पहले यह 1187.85 रुपये प्रति किलोग्राम था। एल्युमीनियम में भी पांच फीसदी की तेजी दर्ज की गई है। इस वृद्धि के पीछे कई कारण हैं। कांगो द्वारा कॉपर और कोबाल्ट कंसंट्रेट के निर्यात पर प्रतिबंध, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से हॉर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही में बाधा, और साल की शुरुआत से जिंक के वेयरहाउस स्टॉक में 75 फीसदी की भारी गिरावट ने कीमतों पर दबाव बढ़ाया है। इसके अतिरिक्त, एआई डेटा सेंटरों और इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती वैश्विक मांग के कारण अमेरिका और चीन द्वारा तांबे की अंधाधुंध खरीदारी और जमाखोरी भी प्रमुख वजहों में से एक है। घरेलू उपकरणों और वाहनों के निर्माण में तांबा, स्टील और एल्युमीनियम जैसे धातु मुख्य कच्चे माल होते हैं। इन धातुओं की बढ़ती कीमतें सीधे विनिर्माण लागत को बढ़ाती हैं, जिसका बोझ अंततः ग्राहकों को वहन करना पड़ेगा।

युवाओं की मानसिक सेहत बिगाड़ने पर मेटा पर लगा 5,000 करोड़ का जुर्माना

न्यू मैक्सिको कोर्ट का कड़ा फैसला; कंपनी को बच्चों के यौन शोषण की जानकारी छिपाने का भी दोषी पाया गया

सैन फ्रांसिस्को ।

सोशल मीडिया दिग्गज मेटा (फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी) को न्यू मैक्सिको की एक अदालत ने युवाओं की मानसिक सेहत को पहुंचाए गए नुकसान के लिए 567 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 5,000 करोड़ रुपए) का भुगतान करने का कड़ा आदेश दिया है। यह फैसला उस बहुचर्चित मुकदमे का हिस्सा है जिसमें मेटा को मार्च में करारी हार का सामना करना पड़ा था। न्यायाधीश ब्रायन बीडशाइड ने अपने फैसले में कहा कि इस राशि का बड़ा हिस्सा, यानी 42 करोड़ डॉलर, युवाओं के उपचार से जुड़ी सेवाओं पर खर्च किया जाएगा। शेष राशि अगले पांच वर्षों के दौरान जागरूकता, रोकथाम, जांच सेवाओं और अन्य संबंधित खर्चों पर लगाई जाएगी। अदालत ने मार्च में मुकदमे के पहले चरण में मेटा पर 37.5 करोड़ डॉलर का दीवानी जुर्माना भी लगाया था। उस समय, अदालत ने माना था कि कंपनी ने बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को जानबूझकर नुकसान पहुंचाया और अपने मंचों पर बच्चों के यौन शोषण से संबंधित उपलब्ध जानकारी को छिपाया। हालांकि अभियोजकों द्वारा अनुरोध किए जाने के बावजूद, अदालत ने मेटा के कामकाज में बुनियादी बदलावों जैसे लत लगाने वाले फीचर पर अंकुश लगाने या उम्र के सत्यापन की व्यवस्था में सुधार का आदेश देने से इनकार कर दिया।

अदालत ने कहा कि बाल ऑनलाइन निजता संरक्षण अधिनियम के कारण वह मेटा को 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए आयु सत्यापन उपकरण लागू करने या निजी जानकारी एकत्र करने का आदेश नहीं दे सकती। इसके अतिरिक्त, अदालत ने इसे केवल एक कंपनी पर थोपना अनुचित बताया।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 19 पैसे की तेजी के साथ ही 95.03 रुपये पर बंद हुआ। रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में रहा और छह पैसे की गिरावट के साथ ही 95.28 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार आयातकों की डॉलर मांग और रुपये में आई मजबूती के बाद मुनाफावसूली के दबाव से रुपये पर प्रभाव पड़ा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.27 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में 95.28 प्रति डॉलर तक फिसल गया।

यह पिछले बंद भाव की तुलना में छह पैसे फिसला। वहीं रुपया गुरुवार को 14 पैसे टूटकर 95.22 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी बढ़कर 99.95 पर पहुंच गया।

डिजिटल क्रांति में भी एलआईसी के एजेंटों का दबदबा कायम

नए व्यक्तिगत कारोबार में एजेंटों की हिस्सेदारी 93 फीसदी से अधिक

नई दिल ली ।

देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी एलआईसी के लिए उसके एजेंट आज भी कारोबार की सबसे बड़ी ताकत बने हुए हैं। जहां अन्य कंपनियां डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जोर दे रही हैं, वहीं एलआईसी के नए व्यक्तिगत कारोबार का 93 फीसदी से अधिक हिस्सा अब भी उसके 14.5 लाख एजेंटों के जरिए ही आ रहा है, जो तकनीक के दौर में भी मानवीय संपर्क की अहमियत दर्शाता है।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एलआईसी के इंडिविजुअल न्यू बिजनेस प्रीमियम में एजेंसी चैनल की हिस्सेदारी बढ़कर 93.1 फीसदी हो गई। एजेंटों के जरिए आने वाला नया प्रीमियम भी एक साल में 15 फीसदी बढ़ा है।

मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट के अनुसार एल आईसी के पास करीब 14.5 लाख एजेंट हैं, जिनमें से 53 फीसदी पांच साल से अधिक समय से कंपनी के साथ हैं। एजेंटों की संख्या मामूली घटने के बावजूद, कंपनी अब उनकी ट्रेनिंग और काम की गुणवत्ता पर अधिक ध्यान दे रही है।

इसके विपरीत, बैंक एश्योरेंस से आने वाला इंडिविजुअल न्यू बिजनेस प्रीमियम एक साल में 9

फीसदी घटा है, और डायरेक्ट चैनल से भी कारोबार में 13 फीसदी की गिरावट आई है। ब्रोकर चैनल में 27 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

एलआईसी डिजिटल प्लेटफॉर्म आनंदा ऐप के जरिए पॉलिसियों की हिस्सेदारी बढ़ने पर भी काम कर रही है, जो अब 14.1 फीसदी हो गई है। कंपनी का मानना है कि डिजिटल उपकरण एजेंटों के काम को आसान बनाने और उन्हें सशक्त करने का माध्यम बनेंगे, न कि उन्हें प्रतिस्थापित करने का।

कच्चे तेल में तेजी, ब्रेंट 83 डॉलर के पार

होर्मुज जलडमरूमध्य और ईरान से जुड़ी अनिश्चितता से बढ़ी आपूर्ति चिंता

नई दिल ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमतों में मजबूत उछाल दर्ज किया गया। ब्रेंट क्रूड अक्टूबर वायदा 1.22 फीसदी बढ़कर 83.50 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, वहीं डब्ल्यूटीआई सितंबर वायदा 1.01 फीसदी की बढ़त के साथ 78.07 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा था। इस तेजी की मुख्य वजह मध्य पूर्व में जारी भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर बढ़ती चिंताएं हैं। बाजार की नजर विशेष रूप से रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य पर है, जहां से वैश्विक तेल और गैस का बड़ा हिस्सा गुजरता है। क्षेत्र में बढ़ते तनाव और जहाजों की आवाजाही में संभावित बाधा की आशंका ने आपूर्ति प्रभावित होने का डर पैदा किया है। इसके अतिरिक्त, अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते को लेकर बनी अनिश्चितता भी कीमतों में जोखिम बढ़ा रही है। फिलहाल स्थिति पूरी तरह स्पष्ट न होने से बाजार में अनिश्चितता का माहौल है। लाल सागर और अदन की खाड़ी में सऊदी तेल टैंकरों पर हमलों की खबरों ने भी आपूर्ति संबंधी चिंताओं को बल दिया है, जिससे प्रमुख समुद्री मार्गों पर खतरा बढ़ने से ढुलाई लागत बढ़ने और देरी होने की आशंका है।

कच्चे तेल की आगे की चाल काफी हद तक मध्य पूर्व के घटनाक्रम पर निर्भर करेगी। यदि अमेरिका-ईरान वार्ता में ठोस प्रगति होती है या होर्मुज में सामान्य आवाजाही के संकेत मिलते हैं तो कीमतों पर दबाव आ सकता है। वहीं, तनाव बढ़ने या नई आपूर्ति बाधा की खबर आने पर ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई में और तेजी आ सकती है। फिलहाल, आपूर्ति से जुड़ा जोखिम वैश्विक बाजार में कीमतों को लगातार सहारा दे रहा है।

आरबीआई का नया फ्रेमवर्क- अब लोन वसूली होगी ज़्यादा पारदर्शी और जिम्मेदार

1 जनवरी 2027 से लागू होंगे नए नियम; बैंकों को विस्तृत पॉलिसी बनानी होगी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने कमर्शियल बैंकों द्वारा लोन रिकवरी को अधिक पारदर्शी और जिम्मेदार बनाने के लिए नया व्यापक फ्रेमवर्क जारी किया है।

1 जनवरी 2027 से लागू होने वाले ये नियम रिकवरी एजेंटों पर सख्ती, उधार लेने वालों की सुरक्षा के बेहतर उपाय और टेक्नोलॉजी-आधारित रिकवरी सिस्टम पर कड़ी निगरानी सुनिश्चित करेंगे।

यह केवल कमर्शियल बैंकों पर लागू होगा। नए फ्रेमवर्क के तहत बैंकों को एक विस्तृत रिकवरी पॉलिसी बनानी होगी, जिसमें रिकवरी शुरू करने की शर्तें और नियमों के उल्लंघन पर मुआवजे जैसे बिंदु स्पष्ट हों। रिकवरी एजेंसियों की नियुक्ति से पहले जांच और एजेंटों के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस (आईआईबीएफ) या आरबीआई मान्यता प्राप्त संस्थानों से प्रमाणन अनिवार्य है। बैंकों को अपनी वेबसाइट पर रिकवरी एजेंसियों की अपडेटेड सूची प्रकाशित करनी होगी। कर्जदारों को एजेंट के पहली बार मिलने से एक दिन पहले सूचना देनी होगी।

एजेंटों के पास पहचान पत्र और ऑथराइज़ेशन लेटर ज़रूरी होगा; वे सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे के बीच ही संपर्क कर सकेंगे। गाली-गलौज, धमकी, अत्यधिक कॉल, सार्वजनिक अपमान या सोशल मीडिया पर जानकारी उजागर करना सख्त वर्जित है।

शोक या मेडिकल इमरजेंसी जैसे संवेदनशील मौकों पर संपर्क से बचना होगा।

टेक्नोलॉजी-आधारित रिकवरी में बैंक उधार लेने वाले के मोबाइल फ़ोन को दूर से तभी बंद कर सकते हैं, जब लोन उसी डिवाइस के लिए हो और वह भी 30 या 60 दिनों की देरी के बाद। आवश्यक सेवाओं को ब्लॉक नहीं किया जा सकता। गलत तरीके से डिवाइस ब्लॉक करने पर बैंक को प्रति घंटे 250 रुपए का मुआवजा (अधिकतम लोन राशि तक) देना होगा। बैंकों को शिकायत निवारण प्रणाली भी बनानी होगी।

दमदार बिक्री के बावजूद हीरो मोटोकॉर्प का लाभ 16.86 फीसदी गिरा

पिछले साल के एकमुश्त लाभ के कारण शुद्ध मुनाफा प्रभावित

नई दिल्ली ।

दोपहिया वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंसॉलिडेटेड शुद्ध लाभ में 16.86 फीसदी की गिरावट दर्ज की है। कंपनी का पीएटी घटकर 1,417.93 करोड़ रुपये रह गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 1,705.65 करोड़ रुपये था। कंपनी ने इस गिरावट की मुख्य वजह पिछले साल के ऊंचे आधार और 722 करोड़ रुपए के एकमुश्त लाभ को बताया है, जो सहयोगी कंपनियों में निवेश की हिस्सेदारी कम होने से मिला था। हालांकि, मुनाफे में कमी के बावजूद, हीरो मोटोकॉर्प ने ऑपरेशंस से कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू में मजबूत वृद्धि दर्ज की है, जो बढ़कर 13,126.35 करोड़ रुपये हो गया। यह पिछले साल की समान अवधि में 9,727.75 करोड़ रुपये था, यानी लगभग 35फीसदी की बढ़ोतरी। इस तिमाही में कंपनी ने 16.77 लाख मोटरसाइकिल और स्कूटर बेचे, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही की तुलना में 23 फीसदी अधिक है।

कारोबार बढ़ने के साथ कंपनी के कुल खर्च में भी तेज वृद्धि हुई, जो 11,621.48 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। हीरो मोटोकॉर्प के एक अ धिकारी ने कहा कि वित्त वर्ष 27 की शुरुआत मजबूत रफ्तार के साथ हुई है, जिसमें प्रीमियम, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और कम्प्यूटर सेगमेंट के साथ-साथ वैश्विक कारोबार में भी व्यापक वृद्धि देखी गई। कंपनी के पार्ट्स, एक्सेसरीज और मर्चेंडाइजिंग कारोबार से राजस्व पहली तिमाही में 1,689 करोड़ रुपये रहा, जो साल-दर-साल 30 फीसदी अधिक है।

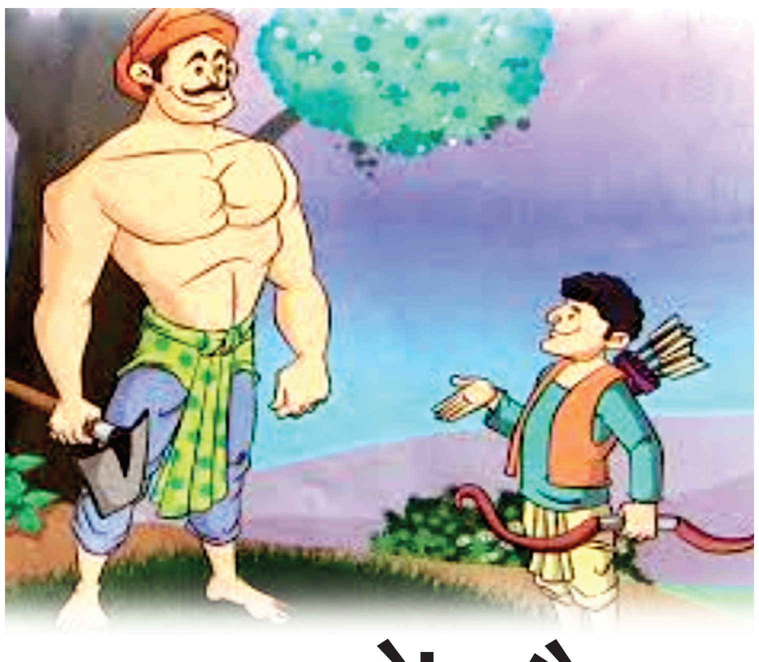

बादल में बौना

जंगल में एक पुराना महल था। उसके मुख्य द्वार के बाहर सोने का एक सांप बना हुआ था। सांप इतनी कुशलता से बनाया गया था कि जीवित लगता था। महल खंडहर बन गया था, पर सांप अभी भी चमकदार था। उधर से गुजरने वाले लोग सोने का सांप देखकर लालच में पड़ जाते। सोचते, 'सोने का सांप बेचकर तो बहुत पैसा कमाया जा सकता है।' लेकिन जो भी सांप की मूर्ति को उठाना चाहता, वह असफल रहता।

लोग कहते थे कि उन्होंने उस महल और सांप की मूर्ति को हमेशा वैसा ही देखा था। राह चलते लोग खंडहर हुए महल में रुकते, आराम करते और अपनी राह चले जाते। महल किसने बनाया और दरवाजे पर द्वारपाल के रूप में सांप की मूर्ति क्यों बनाई गई, यह बात निश्चित रूप से कोई नहीं कह सकता था। पूछने पर पास के गांव के बड़े-बूढ़े इस बारे में एक बहुत ही विचित्र कथा सुनाते थे।

कहीं एक औरत और उसका बेटा रहते थे। औरत मेहनत-मजदूरी करके अपना और अपने बेटे का पेट भरती थी। वह रोज काम पर चली जाती और बेटा घर पर रहता। बेटा अपना समय घर में अकेले बिताता। उसका नाम था जैक। वह बहुत दयालु था।

एक दिन जैक ने घर की दीवार से एक सांप को निकलते देखा। सांप धीरे-धीरे रेंगते हुए दूसरी तरफ अपने बिल में चला गया। जैक उस समय खाना खा रहा था। उसने थोड़ा सा खाना सांप के बिल के बाहर रख दिया। फिर इंतजार करने लगा कि सांप कब वहां से बाहर आता है।

उस दिन से जैक ने यह नियम बना लिया। जब भी भोजन करता, सांप के लिए उसका हिस्सा जरूर रख देता था। जैक की मां ने भी यह देखा। उसने पूछा, तो जैक ने सांप के बारे में बता दिया। सुनकर मां तो डरी, पर जैक ने कहा, मुझे सांप से जरा भी डर नहीं लगता। एक दिन जैक ने सुना, घर की मरम्मत की जाएगी और पुरानी दीवार को तोड़ दिया जाएगा। उसने मां से कहा, मां, दीवार को मत तोड़ो। इस तरह तो सांप बेचारा बेघर हो जाएगा।

मां ने जैक को बहुत समझाया, पर वह तो जिद पकड़ बैठा। मां ने उसकी बात मान ली। आखिर दीवार नहीं तोड़ी गई। दिन सप्ताहों में, सप्ताह महीनों में और महीने वर्षों में बदल गए। जैक सुंदर, सजीला युवक बन गया। कुछ समय बाद जैक की मां की मृत्यु हो गई। इसलिए जैक एकदम अकेला रह गया था।

एक दिन जैक दीवार के पास खड़ा था। तभी उसने एक आवाज सुनी, जैक, मैं तुम्हारा मित्र सांप हूं। अब तुम मेरे लिए कुछ मत रखना। मेरा अंत आ गया है। तुम बहुत अच्छे हो। मैं जाते समय तुम्हें एक मामूली भेंट देकर जाना चाहता हूं। जैक के देखते-देखते दीवार फट गई। उसमें से एक बांसुरी बाहर गिर गई। सांप ने कहा, यह जादुई बांसुरी संकट के समय तुम्हारी मदद करेगी। यह एक परी की है। वह इसे एक झील के किनारे भूल गई थी। मैं इसे किसी अच्छे आदमी को देना चाहता था। जैक ने बांसुरी ले ली। तभी वह दीवार गिर पड़ी। जैक ने देखा, मलबे के बीच मरा हुआ सांप पड़ा है।

जैक ने उसी दिन गांव छोड़ दिया। अब भला उसका कौन था वहां! वह हमेशा बांसुरी अपने साथ रखता था। बांसुरी की सुरीली आवाज से लोग मोहित हो जाते। जैसे बांसुरी में कोई जादू था। उसकी आवाज सुन बीमार लोग अच्छे हो जाते, दुष्टों का दिल दहलने लगता। जंगल में भटके हुए पशु लौट आते।

एक बार जैक किसी गांव के समीप से गुजर रहा था। रास्ते में उसने देखा, सब खेत जले हुए हैं। उसे आश्चर्य हुआ। उसने वहां रहने वालों से पूछा। पता चला, वहां जब-तब अंगारों की बारिश होती है। मुखिया ने बताया, न जाने कहां से एक काला बादल आता है। उससे अंगारे बरसने लगते हैं। सारी फसल जल जाती है।

जैक मैदान में खड़ा होकर आकाश की ओर देखने लगा। तभी पश्चिम दिशा से काला बादल वहां आया। उससे अंगारे बरसने लगे। जैक ने तुरंत बांसुरी उठाई और बजाने लगा। बांसुरी की मीठी आवाज गूंज उठी। एकाएक अंगारे उछले और बादल में वापस समा गए, जैसे उन्हें किसी ने ऊपर की ओर उछाल दिया हो। सब पहले जैसा हो गया। इसके बाद बादल बड़ी जोर से गरजने लगा। फिर भयानक सूरत वाला एक बौना नीचे उतरा। उसने जैक से पूछा, यह बांसुरी कैसे बजाते हो? तुम्हारे बांसुरी बजाने से आज भारी गड़बड़ हो गई। अंगारे धरती से उछलकर ऊपर चले गए। आज तक तो ऐसा कभी नहीं हुआ था। तुम यह बांसुरी मुझे दे दो।

जैक समझ गया कि बौना उसकी बांसुरी छीनना चाहता है। वह पीछे हटकर जोर-जोर से बांसुरी बजाने लगा। बौना पागलों की तरह उछल-कूद करने लगा। वह बुरी तरह हांफ रहा था, बंद करो बांसुरी बजाना। मैं बहुत थक गया हूं।

जैक समझ गया कि बौना उसके चंगुल में आ चुका है। वह रुका नहीं, उसी तरह बांसुरी बजाता रहा। अब तो बौना गिड़गिड़ाने लगा, मैं तुम्हें एक जादुई सेब देता हूं। इसे जमीन पर फेंकोगे, तो तुम्हें एक उपहार मिलेगा। कहते-कहते उसने एक सेब जैक की तरफ लुढ़का दिया। जैक ने सेब को जोर से जमीन पर पटका, तो वहां एक शानदार महल दिखाई देने लगा। अब जैक ने कहा, तुम्हें मैं इस तरह नहीं छोड़ सकता। तुमने इन भोले गांव वालों को बहुत परेशान किया है। तुम वादा करो कि इन्हें फिर कभी परेशान नहीं करोगे?

मरता क्या न करता? बौने ने कहा, मैं आज के बाद कभी अंगारों की बारिश नहीं करूंगा। जैक ने बांसुरी बजाना बंद कर दिया। बौना बादल में बैठकर भाग गया। जैक उस जादुई महल में रहने लगा। अब उसे किसी चीज की कमी नहीं रही। उसने अपने मित्र सांप की याद में सोने का सांप बनवाकर महल के बाहर लगवा दिया।

इस घटना को बहुत समय बीत चुका है। न जैक रहा, न दूसरे लोग। पर जैक और सोने के सांप की कहानी आज भी जीवित है।

टॉपियरी मतलब घास पर सजी इमेजिनेशन

जब मामला आर्ट का हो तो कई सारे रंगों का दुनिया में बिखर जाना लाजमी है।

जितने सारे लोग इस धरती पर उतनी ही अलग-अलग उनकी कल्पनाएं और दिमाग की दौड़। और जब मामला आर्ट का हो तो कई सारे रंगों का दुनिया में बिखर जाना लाजमी है। जिन बन्दों की कारीगरी हम यहां तुम्हें बता रहे हैं वो काम करते हैं पेड़-पौधों की दुनिया से जुड़कर। ये लोग बनाते हैं ग्रास स्कल्पचर एक आर्ट फॉर्म जिसे टॉपियरी भी कहा जाता है। खास बात यह है कि इस आर्ट फॉर्म को बनने में कुछ महीने से लेकर सालों तक का भी समय लग सकता है।

पर्ल फ्रेयर

टॉपियारी की कला का यह महान आर्टिस्ट दुनिया भर में अपने काम के लिए जाना जाता है। पूरी दुनिया में प्रेम, शांति और सद्भाव फैलाने का विचार लेकर चलने वाले इस अफ्रीकन-अमेरिकन आर्टिस्ट की लगन, खूबसूरत आर्ट और कड़ी मेहनत को आज सभी सलाम करते हैं। यही कारण है कि आज दुनियाभर के टूरिस्ट इनका साउथ कैरोलिना वाला टॉपियारी गार्डन देखने आते हैं जहां 300 से भी ज्यादा प्रकार के पौधे हैं जिनका उपयोग विभिन्न आकारों को बनाने के लिए भी किया गया है। इस गार्डन में कुछ पौधे तो ऐसे भी हैं जिन्हे यूं ही पड़े खाद के ढेर में से उठाकर यहां लाया और रोपा गया है। आज ये बेकार पड़े पौधे खूबसूरत, कलात्मक आकृतियों में बदल चुके हैं। पर्ल के आर्ट पर एक डॉक्यूमेंट्री मूवी 'अ मैन नेम्ड पर्ल'' भी बनाई गई है जो लोगों को प्रकृति से जुड़े रहने की प्रेरणा देती है।

मथिल्डे रोसेल

इस फ्रेंच आर्टिस्ट ने जिस सोच के साथ ग्रास आर्ट पर काम किया है वह दुनिया के हर इंसान के सोचने का विषय है। रोसेल ने रीसाइकल्ड मैटल की बॉडी में मिट्टी में गेंहू के दाने डालकर उन्हें आकार दिया है। जब मैटल के ढांचे में नन्हे घासनुमा पौधे पनपते हैं तो ऐसा लगता है जैसे नए जीवन को आकार मिल रहा हो और फिर जब घास सूख जाती है तो मिट्टी का शरीर मिट्टी में ही मिल जाता है। यही कलाकार का विचार भी है। रोसेल चाहती हैं कि इस कला के जरिए वे लोगों को अपने पर्यावरण, प्रकृति और भोजन की महत्ता समझने में मदद कर सकें। इन आकृतियों को रोसेल ने एक्शन फॉर्म में भी बनाया है। इसलिए ये और भी जीवंत नजर आती हैं। ग्रास स्कल्पचर के अलावा रोसेल अन्य आर्ट फॉर्म पर भी काम करती हैं लेकिन उनकी 'लाइव्स ऑफ ग्रास'' की कलाकृतियों ने लोगों को बहुत प्रभावित किया है।

एक अनोखा पत्थर, जिसे पीटने पर आती है घंटी की आवाज

वैसे तो आपने कई अनोखे पत्थरों के बारे में सुना होगा। लेकिन मध्य प्रदेश के रतलाम में मां दुर्गा के मंदिर में एक ऐसा अनोखा पत्थर है, जिसको बजाने पर घंटी की तरह आवाज निकलती है। इस पत्थर से निकलने वाली आवाजों के सुनकर लोग हैरत में पड़ जाते हैं। कई लोग इसे दैवीय चमत्कार भी मानते हैं। बता दें कि इस पत्थर पर किसी भी अन्य पत्थर के टकराने से धातु की तरह आवाज आती है। रतलाम से करीब 25 किलोमीटर की दूरी पर बेरछा गांव के पास प्राचीन पहाड़ी पर स्थित यह मंदिर अंबे माता के मंदिर के तौर पर जाना जाता है। इस पहाड़ी पर मंदिर से कुछ ही दूरी पर एक अनोखा पत्थर भी है। इस पत्थर पर किसी अन्य पत्थर से पीटने पर धातु की तरह आवाज निकलती है। पत्थर से निकलने वाली ये आवाज घंटी की तरह सुनाई देती है, जिसे ग्रामीण चमत्कारी पत्थर मानते हैं। बता दें कि इस मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। इस मंदिर को सबसे पहले एक ग्रामीण ने देखा था। उस समय यहां आने के लिए रास्ता भी नहीं था। बाद में ग्रामीणों के द्वारा यहां आने के लिये एक कच्चा सकरा रास्ता बनाया गया ताकि मंदिर तक आवश्यक पूजा व अन्य सामग्री ले जाई जा सके। बेरछा गांव के पास स्थित इस प्राचीन मंदिर से थोड़ी ही दूरी पर एक विचित्र पत्थर है, जिसे बजाने पर उसमें से धातु की तरह टन टन की आवाज आती है। ये किसी चमत्कार से कम नहीं है। वैसे तो पूरी पहाड़ी पत्थरों से भरी हुई है, लेकिन उसमें सिर्फ एक ही पत्थर खास है।

धातु की तरह आवाज निकालने वाला यह पत्थर अब भी रहस्य बना हुआ है। कई ग्रामीण इस पत्थर को दैवीय चमत्कार मानते हुए पूजा भी शुरू कर दी है और यहां पर एक ध्वज भी लगा दिया गया है। यह अनोखा पत्थर अंबे माता के मंदिर से से करीब 700 मीटर की दूरी पर है, जहां पैदल भी जाया जा सकता है। इन दिनों इस पत्थर से निकलने वाली आवाजों को सुनने के लिए लोगों की काफी भीड़ जुट रही है।

जापानी स्कूल्स जहां मैथ्स एक लैंग्वेज है

जापान के स्कूल्स में बड़ी क्लासेस में आने पर सभी स्टूडेंट्स के लिए सेम यूनिफॉर्म और सेम बैग्स होते हैं। यह एक खास बात है कि किसी भी देश के डेवलपमेंट के लिए उसके नागरिकों का पढ़ा-लिखा होना बहुत जरूरी है। इस बात को जापान के उदाहरण से समझा जा सकता है। जापान में प्रायमरी लेवल पर स्कूल जाने वाले बच्चों का पर्सेंटेज है 100। यानी यहां निरक्षर लोगों का पर्सेंटेज है 0। जापान के स्कूल्स में बड़ी क्लासेस में आने पर सभी स्टूडेंट्स के लिए सेम यूनिफॉर्म और सेम बैग्स होते हैं। स्कूल में सबको एक जैसा खाना दिया जाता है। यहां स्कूली लेवल पर छोटी क्लास से ही इस बात पर ध्यान दिया जाता है कि बच्चे का सबसे पसंदीदा काम क्या है और इसी बात को ध्यान में रखकर उसे आगे बढ़ने को प्रेरित किया जाता है। जैसे अगर बच्चा साइंस और मैथ्स की बजाय किसी तरह के आर्ट फॉर्म या काम को सीखना चाहता है, तो उसे बेसिक एज्युकेशन के साथ उस काम को ही सिखाया जाता है। फिर चाहे वो काम जूते बनाने का हो या लकड़ी से सुन्दर फर्नीचर बनाने का। किसी भी काम को छोटा नहीं माना जाता। इससे बच्चा अपना पसंदीदा काम सीख पाता है और देश को मिलता है एक अच्छा कारीगर।

जापान में बच्चों को मैथ्स और साइंस जैसे सब्जेक्ट्स भी लैंग्वेज और आर्ट की तरह पढ़ाए जाते हैं और बजाय मैथ्स को रटने के उसे खेल-खेल में सीखा जाता है। टीचर्स मानते हैं कि दूसरी लैंग्वेजेस की तरह ही मैथ्स को भी पढ़ा जा सकता है। यहां टीचर्स एक और टैक्नीक अपनाते हैं। वो है बच्चों को ही टीचर का रोल भी निभाने को कहना। इसके लिए मैथ्स के प्रॉब्लम्स को बोर्ड पर लिख कर बच्चों से सॉल्व करने को कहा जाता है। फिर जब कोई बच्चा उस प्रॉब्लम को सॉल्व कर लेता है तो उसे टीचर बनकर दूसरे स्टूडेंट को प्रॉब्लम सॉल्व करने में मदद को कहा जाता है। इस तरह क्लास का हर बच्चा खुद प्रॉब्लम सॉल्व करने की कोशिश कर पाता है और टीचर कोई भी समस्या आने पर बच्चों की मदद भी कर पाते हैं। जापानियों का मानना है कि आप जो पढ़ते हो उसे अगर किसी को पढ़ाते हो तो चीजों को ज्यादा अच्छे से याद रख पाते हो। पढ़ाई के साथ ही यहां देश के कल्चर, भाषा और इतिहास को भी उतनी ही गहराई से बच्चों तक पहुंचाया जाता है। स्कूल की पढ़ाई के साथ ही बच्चों को ड्रिल, स्वीमिंग आदि जैसी एक्टिविटीज अपनाना कम्पलसरी होता है। ताकि वो खुद को फिट और मजबूत बना सकें। यहां भूकम्प तथा अन्य इमरजेंसियों के हिसाब से बच्चों को बहुत कम उम्र से ही बचाव की ट्रेनिंग भी दी जाती है। यही नहीं बच्चे सिलाई, कुकिंग, ट्रेडिशनल आर्ट फॉर्म आदि भी स्कूल में रहकर सीखते हैं।

पेपर को करो रीसाइकल बनाओ कुछ बेहतर

जब भी रीसाइकलिंग की बात होती है सबसे पहला ध्यान पुराने, बेकार पेपर्स पर ही जाता है।

घर पर तुम भी अक्सर पुराने बेकार पड़े कागज से नाव बनाकर पानी में तैराया करते होंगे या फिर कागज का प्लेन बनाकर उड़ाया करते होंगे लेकिन क्या तुम्हारे दिमाग में इन पुराने पड़े न्यूजपेपर्स या मैगजीन्स को लेकर और कोई आइडिया आता है। क्योंकि जब भी रीसाइकलिंग की बात होती है सबसे पहला ध्यान पुराने, बेकार पेपर्स पर ही जाता है। आओ हम मिलकर बनाते हैं कुछ मजेदार चीजें जो दिखने में अच्छे लगेंगे और यूजफुल भी होंगे।

ये चीजें चाहिए

- न्यूज पेपर या मैगजीन
- चिपकाने के लिए ग्लू

फ्रेम विथ पेपर

तुम्हारे पास कोई पुराना फोटो फ्रेम पड़ा है तो पेपर की मदद से तुम उसे नया लुक दे सकते हो। न्यूजपेपर को मनचाही लंबाई में काटो और उसे फ्रेम के ऊपर एक-एक कर चिपकाते जाओ।

बनाओ पॉट को इंटरेस्टिंग

अपने सिंपल से प्लांट पॉट को पेपर के टुकड़ों से एक क्रिएटिव और नया रूप दे सकते हो। पेपर या मैगजीन को अपने पॉट के आकार के अनुसार काट लो और उसे पतले-पतले ट्यूब के रूप में पॉट के इर्द-गिर्द चिपकाते जाओ।

पेपर बैग

पेपर को दो या तीन लेयर की मोटाई में आपस में चिपका लो ताकि उसमें मजबूती आ जाए। इसके दोनों हिस्सों पर हल्की मोटी रस्सी या फिर खूबसूरत रिबन का इस्तेमाल कर सकते हो। इस इकोफ्रेंडली बैग को हल्के-फुलके सामानों को ले जाने के लिए उपयोग कर सकते हो।

जार की बढ़ाओ खूबसूरती

घर पर पड़े पुराने और बदरंग जार को पेपर के जरिए नए तरीके से प्रेजेंट कर सकते हो। इसके लिए तुम्हें पुरानी मैगजीन के कलरफुल पन्ने लेने होंगे ताकि जार अधिक खूबसूरत दिखे। मैगजीन के पन्नों को सही तरीके से मोड़ते हुए एक के ऊपर चिपकाते जाओ।

कॉफी मग होल्डर

पेपर को गोल-गोल घुमाते हुए मोड़ते जाओ और उनको आपस में चिपकाते जाओ। चाहो तो इसे कलर भी कर सकते हो। इसे तुम कॉफी होल्डर के लिए या डाइनिंग टेबल पर कोई गर्म चीज रखने के भी काम ला सकते हो।

दीवार सजाओ

अच्छी-सी डिजाइन में पेपर्स को काटो और उसे फ्रेम करके अपने ड्रॉइंग रूम में या फिर अपने रूम में दीवार पर डेकोरेट करने के लिए लगा सकते हो। चाहो तो कोई फ्लावर या फिर किसी अन्य शेप में पेपर या मैगजीन को काट सकते हो। कुछ ऐसा ही तुम दीवार घड़ी के साथ भी प्रयोग कर सकते हो। दीवार घड़ी के पिछले हिस्से पर पेपर को कोन के आकार का बनाकर लगा सकते हो।

ग्रीटिंग और कार्डबोर्ड का क्रिएटिव जादू

घर में खाली रखे मिठाई के डिब्बों या किसी सामान के साथ आए कार्डबोर्ड बॉक्स से भी बहुत अद्भुत चीजें बनाई जा सकती हैं। शादियों, त्योहारों और अन्य मौकों पर दिए जाने वाले इन्विटेशन कार्ड्स, ग्रीटिंग कार्ड्स और आर्ट एंड क्राफ्ट की दुकान पर मिलने वाली रंगबिरंगी पेपर शीट्स से आर्ट एंड क्राफ्ट के कई आइडियाज पनप सकते हैं। इसी तरह घर में खाली रखे मिठाई के डिब्बों या किसी सामान के साथ आए कार्डबोर्ड बॉक्स से भी बहुत अद्भुत चीजें बनाई जा सकती हैं। चलो इनमें से कुछ आइडियाज हम तुमसे शेयर करते हैं और चित्रों के माध्यम से भी तुम्हें आइडियाज देते हैं।

ग्रीटिंग्स और अन्य कार्ड्स

रंगबिरंगे ग्रीटिंग कार्ड्स या शादी और अन्य तरह के ओकेजन्स पर घर में आने वाले कार्ड्स अक्सर बहुत सुन्दर डिजाइन के साथ आते हैं। इनके रंग और डिजाइंस का उपयोग आसानी से सीनरी या वॉल पीस बनाने में किया जा सकता है। तुम चाहो तो इसके साथ कलर्ड पेपर शीट्स का भी उपयोग कर सकते हो। तो सबसे पहले एक बड़ी शीट लेकर उस पर अपनी कल्पना से किसी सीन की आउटलाइन खींचो। जैसे पेड़, फूल, आसमान, जानवर या अन्य चीजें। अब कार्ड्स के रंग के अनुसार और अपने सोचे सीन के अनुसार कार्ड्स में से अलगअलग आकार कैंची की मदद से काट लो। यहां एक बात का खास ध्यान रखना कि कैंची का उपयोग करते समय बहुत सावधानी रखो और हो सके तो किसी बड़े की मदद भी लो। अब काटे गए कार्ड पीसेस को शीट पर किसी भी एड्हेसिव की सहायता से चिपका दो। तुम चाहो तो किसी खास रंग के लिए एक्रेलिक कलर्स का भी उपयोग कर सकते हो और चाहो तो कलर्ड शीट भी यूज कर सकते हो। यही नहीं, चीजों को और भी क्रिएटिव बनाने के लिए ऊन या धागों, बटन्स या बीड्स जैसी चीजों को भी यूज कर सकते हो।

कार्डबोर्ड बॉक्सेस

मिठाई के डब्बे हों या किसी अन्य सामान के साथ आए गत्ते यानी कार्डबोर्ड के मजबूत बॉक्स। इनका प्रयोग भी एक आर्ट पीस बनाने के लिए किया जा सकता है। इसके लिए भी तुम्हें कुछ कलर पेपर, एक्रेलिक या वॉटर कलर, क्रेयॉन्स, कैंची और एड्हेसिव की जरूरत होगी। कैंची के लिए यहां भी वैसी ही सावधानी रखनी होगी। मिठाई के डिब्बों से तुम सोफे, गाड़ी, मोबाइल कवर, छोटी शेल्फ या घर आदि बना सकते हो तो कार्डबोर्ड के मजबूत टुकड़ों या पूरे बॉक्स से तुम अपने लिए मॉड्यूलर किचन से लेकर बड़ा ट्रक, बड़ी शेल्फ, फ्रिज, टीवी, ज्वैलरी बॉक्स, फर्नीचर, एक डॉल हाउस, छोटा-सा शहर आदि जैसी कई चीजें बना सकते हो। जरूरत बस अपनी कल्पना को रंग देने की है।

संन्यास के बाद रहाणे की नई शुरुआत, यूरोपीय टी-20 लीग में बने मार्की प्लेयर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के कुछ ही दिनों बाद अपने भविष्य को लेकर तस्वीर साफ कर दी है। 14 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कहने वाले रहाणे ने कहा कि उन्हें अपने फैसले को लेकर कोई पछतावा नहीं है। उनका कहना है कि उन्होंने खिलाड़ी के तौर पर अपना 200 प्रतिशत दिया और अब वह दुनिया भर की टी20 लीग में खेलते हुए अपना अनुभव साझा करना चाहते हैं। साथ ही, भविष्य में कोच और मेंटर की भूमिका निभाने को लेकर भी वह उत्साहित हैं।रहाणे को यूरोप की पहली आईसीसी-सैंक्शन प्राप्त टी20 लीग यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) के उद्घाटन सत्र के लिए एम्सटर्डम फ्लेम्स का मार्की प्लेयर बनाया गया है। लीग का पहला सत्र 26 अगस्त से 20 सितंबर तक खेला जाएगा, जिसमें छह शहर आधारित फ्रेंचाइजी 33 मुकाबलों में हिस्सा लेंगी। रहाणे ने 30 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की थी। अब वह नई भूमिका में यूरोपीय क्रिकेट के विकास का हिस्सा बनेंगे। उन्होंने कहा कि यूरोप क्रिकेट के लिए एक रोमांचक नए दौर में प्रवेश कर रहा है और वह इस क्षेत्र में खेल के विकास में योगदान देना चाहते हैं। एम्सटर्डम फ्लेम्स के सह-संस्थापक और मुख्य क्रिकेट अधिकारी तथा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ ने रहाणे का स्वागत करते हुए उनके कौशल, धैर्य, विनम्रता और नेतृत्व क्षमता की तारीफ की। उन्होंने कहा कि रहाणे का अनुभव और व्यक्तित्व टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा।

'मुझे कोई पछतावा नहीं'

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के फैसले पर रहाणे ने कहा कि उन्होंने करीब एक महीने तक इस फैसले पर विचार किया था। उन्होंने खुद से बार-बार सवाल किया कि क्या उन्हें किसी चीज का पछतावा है या कुछ अलग करना चाहते थे, लेकिन उन्हें इसका जवाब हमेशा नहीं मिला।रहाणे ने कहा, 'मैं अपने फैसले से बहुत खुश हूं। मैंने अपने नियंत्रण में जो कुछ था, उससे भी ज्यादा किया और हर बार अपना 200 प्रतिशत दिया।' उन्होंने कहा कि करियर के अंत में यह महसूस होना कि उन्होंने अपना सब कुछ दे दिया, उनके लिए सबसे अच्छी भावना है।

कोच -मेंटर बनने में भी दिलचस्पी

रहाणे ने भविष्य में कोचिंग और मेंटरशिप की संभावना से भी इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी के तौर पर अलग-अलग परिस्थितियों से गुजरने के कारण वह खिलाड़ियों की मानसिकता को अच्छी तरह समझते हैं।उन्होंने कहा कि फिलहाल उनकी प्राथमिकता क्रिकेट खेलना और दुनिया भर की लीग में अपना अनुभव साझा करना है, लेकिन उन्हें लगता है कि वह आगे चलकर एक अच्छे कोच और मेंटर साबित हो सकते हैं। उनके मुताबिक खिलाड़ियों का प्रबंधन, कोचिंग और मेंटरशिप उनके अनुभव का स्वाभाविक विस्तार होगा।

संक्षिप्त समाचार

मोहम्मद अशफाक ने नेशनल रिकॉर्ड तोड़कर बनाई फाइनल में जगह

यूजीन। भारत के मोहम्मद अशफाक ने वर्ल्ड एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप 2026 में पुरुषों की 400 मीटर दौड़ के फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-20 का नेशनल रिकॉर्ड भी ध्वस्त किया। 19 साल के अशफाक ने हीट 5 में 45.81 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई किया। उन्होंने अप्रैल में बेंगलुरु में हुई अंडर 20 फेडरेशन कप में बनाए अपने ही 46.05 सेकंड के रिकॉर्ड को तोड़ा।

सेमीफाइनल हीट 3 में, अशफाक ने 46.00 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया और फाइनल में जगह बनाई। अशफाक के साथी खिलाड़ी पीयूष राज हीट 6 में 47.78 सेकंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहे और फाइनल राउंड में जगह बनाने से चूक गए। पुरुषों की हाई जंप में, बसंत ने 2.14 मीटर की जंप के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया और क्वालिफिकेशन ग्रुप ए में पांचवें स्थान पर रहे। के. अम्ब्रीश 2.05 मीटर की अपनी सर्वश्रेष्ठ जंप के साथ क्वालिफिकेशन ग्रुप बी में 12वें स्थान पर रहे और क्वालिफाई नहीं कर पाए। गौरतलब है कि किसी भी ग्रुप का कोई भी एथलीट 2.21 मीटर का ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन मार्क पार नहीं कर पाया। महिलाओं की शॉट पुट स्पर्धा में, अंशु फाइनल में जगह बनाने से चूक गईं। उन्होंने 15.24 मीटर की सर्वश्रेष्ठ थ्रो की, जो फाइनल क्वालिफिकेशन कटऑफ से 21 सेंटीमीटर कम थी। इस तरह वह ग्रुप ए में 9वें और क्वालिफिकेशन राउंड में कुल मिलाकर 14वें स्थान पर रहीं। भारत की तनु चौधरी को महिलाओं की 400 मीटर हर्डल्स हीट में निराशा हाथ लगी। वह 1:00.03 के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहीं और सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाईं। पुरुषों की 400 मीटर हर्डल्स में, अमित कुमार हीट में 54.01 सेकंड के समय के साथ सबसे पीछे रहे। पुरुषों की ट्रिपल जंप क्वालिफिकेशन में, धनुष राज और पी. रॉयशन फाइनल में जगह नहीं बना पाए। उन्होंने क्रमशः 14.71 मीटर और 15.20 मीटर की सर्वश्रेष्ठ दूरी तय की। इस बीच, अमानत कंबोज ने महिलाओं के डिस्कस थ्रो फाइनल में 53.24 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए छठा स्थान हासिल किया।

सालाह दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पर इस टीम से जुड़े; लिवरपूल से छूटा था नौ साल का साथ

इस्तांबुल। मिस्र के कप्तान मोहम्मद सालाह 'लिवरपूल' छोड़ने के बाद दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पर 'ट्रैबजोनस्पोर' से जुड़ गए हैं। सालाह ने लिवरपूल के साथ शानदार नौ साल बिताए थे, जिसके बाद उन्होंने तुर्किये सुपर लीग क्लब के साथ 'फ्री ट्रांसफर' के जरिए जुड़ने का फैसला किया है। यह कदम सालाह और लिवरपूल के बीच आपसी सहमति से कॉन्ट्रैक्ट को एक साल पहले खत्म करने के फैसले के बाद उठाया गया है, जिससे 2025-26 सीजन के बाद एनफील्ड में उनका कार्यकाल समाप्त हो गया। सालाह के जाने से लिवरपूल के आधुनिक इतिहास के सबसे सफल अध्यायों में से एक का समापन हुआ है। सालाह साल 2017 की गर्मियों में इटैलियन क्लब एएस रोमा से यहां आए थे, जिसके बाद इस मिस्र के खिलाड़ी ने क्लब के अब तक के सबसे महान खिलाड़ियों में अपनी जगह बनाते हुए लिवरपूल की घरेलू और यूरोपीय सफलता में अहम भूमिका निभाई। एनफील्ड में सालाह ने लिवरपूल को दो प्रीमियर लीग खिताब, यूईएफए चैंपियंस लीग, फीफा क्लब वर्ल्ड कप, यूईएफए सुपर कप, एफए कप, दो लीग कप और एफए कम्युनिटी शील्ड जीतने में मदद की। इस फॉरवर्ड खिलाड़ी ने मर्सीसाइड क्लब के लिए 435 मुकाबलों में 255 गोल दागे और लिवरपूल की अब तक की सर्वाधिक गोल करने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर रहे। उन्होंने चार बार प्रीमियर लीग 'गोल्डन बूट' भी जीता। लिवरपूल में सालाह का आखिरी सीजन चुनौतीपूर्ण रहा; उन्हें नियमित रूप से खेलने का समय नहीं मिल रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तत्कालीन हेड कोच अर्ने स्लॉट के साथ सालाह के संबंध खराब हो गए थे, जिसके बाद दोनों पक्षों ने उनके कॉन्ट्रैक्ट को समय से पहले खत्म करने पर सहमति जताई।

संन्यास के बाद भी बरकरार सचिन का जलवा भारत के शीर्ष-पांच सेलिब्रिटी ब्रांड्स में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट से संन्यास लिए एक दशक से अधिक समय बीत जाने के बावजूद सचिन तेंदुलकर की लोकप्रियता और ब्रांड वैल्यू में कोई कमी नहीं आई है। क्रोल इंडिया सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन 2025 रिपोर्ट के अनुसार, सचिन 125.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ भारत के शीर्ष पांच सेलिब्रिटी ब्रांड्स में अपनी जगह बनाए हुए हैं। वह देश के इकलौते रिटायर्ड खिलाड़ी हैं, जो लगातार भारत के शीर्ष-10 सेलिब्रिटी ब्रांड्स में शामिल हैं।

ब्रांड्स की पहली पसंद बने हुए हैं सचिन

रिपोर्ट के मुताबिक, सचिन तेंदुलकर की विश्वसनीय छवि, ईमानदारी और वर्षों से बनी प्रतिष्ठा उन्हें आज भी विभिन्न क्षेत्रों के बड़े ब्रांड्स के लिए आकर्षक चेहरा बनाए हुए है। यही वजह है कि रिटायरमेंट के बाद भी उनकी ब्रांड वैल्यू लगातार बढ़ रही है और कंपनियां उन्हें अपने साथ जोड़ना चाहती हैं।

क्रिकेट में बनाए कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड

सचिन तेंदुलकर को क्रिकेट इतिहास के सबसे महान बल्लेबाजों में गिना जाता है। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 34,357 रन दर्ज हैं। टेस्ट और वनडे दोनों प्रारूपों में सबसे अधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड भी उन्हीं के नाम है। दिलचस्प बात यह है कि वनडे क्रिकेट में उनका पहला शतक 79वें मैच में आया था, लेकिन इसके बाद उन्होंने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी।

कायम हैं कई बड़े कीर्तिमान

मास्टर ब्लास्टर के नाम सबसे ज्यादा 200 टेस्ट मैच खेलने का रिकॉर्ड है। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 15921 रन, 51 शतक और 2058 चौके लगाए। वह सिर्फ 300 पारियों में 15000 टेस्ट रन पूरे करने वाले सबसे तेज बल्लेबाज भी हैं।वनडे क्रिकेट में सचिन का करियर 22 साल 91 दिन तक चला, जो इस प्रारूप के सबसे लंबे करियर में से एक है। वर्ष 1998 में उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में 1,894 रन और नौ शतक लगाए, जो आज भी रिकॉर्ड है। इसके अलावा उनके नाम वनडे में सबसे ज्यादा 145 अर्धशतक, 2,016 चौके और सिर्फ 440 पारियों में सबसे तेज 18,000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड भी दर्ज है। मैदान पर अपने शानदार प्रदर्शन की तरह ही सचिन तेंदुलकर का ब्रांड प्रभाव भी आज तक कायम है।

वार्म-अप मैच से पहले बड़ा झटका, शुभमन चोटिल

पहले दिन नहीं करेंगे फील्डिंग, राहुल संभाल रहे कप्तानी

कोलंबो। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल श्रीलंका दौरे पर जाते ही चोटिल हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने जानकारी दी कि गुरुवार को अभ्यास सत्र के दौरान गिल के दाएं हाथ की रिंग फिंगर में इम्पैक्ट इंजरी हुई है। एहतियात के तौर पर उन्हें श्रीलंका इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय वार्म-अप मैच के पहले दिन फील्डिंग से बाहर रखा गया है।

बीसीसीआई ने दिया अपडेट

बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा, 'कप्तान शुभमन गिल को गुरुवार के अभ्यास के दौरान दाएं हाथ की रिंग फिंगर में चोट लगी। सावधानी के तौर पर वह वार्म-अप मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।' बोर्ड ने यह भी बताया कि गिल की गैरमौजूदगी में अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल टीम की कप्तानी करेंगे।

कोलंबो में खेला जा रहा अभ्यास मैच

कोलंबो के नॉनडिस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब ग्राउंड में खेले जा रहे तीन दिवसीय अभ्यास मैच में श्रीलंका इलेवन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। हालांकि, अगर आज भारतीय टीम की बल्लेबाजी आती है तो गिल इसके लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं, इस पर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

भारत के लिए यह चोट चिंता का विषय हो सकती है, क्योंकि 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होनी है। टीम प्रबंधन उम्मीद करेगा कि कप्तान जल्द पूरी तरह फिट होकर सीरीज के पहले टेस्ट तक उपलब्ध हो जाएं। जसप्रीत बुमराह पहले ही चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो चुके हैं, जबकि साई सुदर्शन को अभी तक फिटनेस क्लीयरेंस नहीं मिला है।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का स्क्वॉड: शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन और आकिब नबी।

चयनकर्ता नॉर्थ ने बताई जो रूट को टेस्ट कप्तान बनाने की वजह

नई दिल्ली। इंग्लैंड के राष्ट्रीय चयनकर्ता मार्कस नॉर्थ ने खुलासा किया है कि बेन स्टोक्स के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद टेस्ट टीम की कप्तानी हैरी ब्रूक को नहीं, बल्कि अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को सौंपने का फैसला क्यों लिया गया। उनका कहना है कि चयन समिति हैरी ब्रूक पर तीनों प्रारूपों की कप्तानी का अतिरिक्त दबाव नहीं डालना चाहती थी।

हैरी ब्रूक पर ज्यादा जिम्मेदारी नहीं डालना चाहता था बोर्ड

35 वर्षीय जो रूट इससे पहले भी इंग्लैंड की टेस्ट टीम की कप्तानी कर चुके हैं, जबकि 27 वर्षीय हैरी ब्रूक फिलहाल वनडे और टी20 टीम के कप्तान हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चयनकर्ताओं का मानना था कि ब्रूक पर तीनों प्रारूपों की कप्तानी का बोझ डालना फिलहाल सही फैसला नहीं होगा। इसी वजह से अनुभवी जो रूट को एक बार फिर टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई।

तीनों फॉर्मेट की कप्तानी किसी भी खिलाड़ी के लिए बड़ी चुनौती

मार्कस नॉर्थ ने गुरुवार को स्थानीय मीडिया से कहा कि हैरी ब्रूक तीनों प्रारूपों में इंग्लैंड के लिए अहम खिलाड़ी हैं और सीमित ओवरों की कप्तानी में लगातार परिपक्वता दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हैरी ब्रूक हमारे लिए तीनों प्रारूपों में शानदार खिलाड़ी रहे हैं। वह टीम का बेहद अहम हिस्सा हैं। उनकी कप्तानी हर सीरीज के साथ बेहतर होती जा रही है। इस गर्मी में हमारी टी20 टीम दुनिया की नंबर-1 टीम बनी, जो उनकी नेतृत्व क्षमता का प्रमाण है।'नॉर्थ ने आगे कहा, 'अगले साल होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए वह ब्रेंडन मैकुलम के साथ सीमित ओवरों की टीम पर पूरा फोकस कर रहे हैं। ऐसे में तीनों प्रारूपों की कप्तानी किसी भी खिलाड़ी के लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है।'

टेस्ट कप्तान बन सकते हैं हैरी ब्रूक

हालांकि, नॉर्थ ने साफ किया कि हैरी ब्रूक को भविष्य की टेस्ट कप्तानी की दौड़ से बाहर नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, 'मुझे पूरा विश्वास है कि हैरी का समय भी आएगा। लेकिन फिलहाल हमारे पास जो रूट जैसा अनुभवी खिलाड़ी है, जो इस भूमिका को बखूबी निभा सकता है। वहीं, हैरी ब्रूक और ब्रेंडन मैकुलम सीमित ओवरों की टीम पर अपना पूरा ध्यान दे सकेंगे।'

पहली बार बने थे टेस्ट कप्तान

जो रूट पहली बार 2017 में इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बने थे। उन्होंने रिकॉर्ड 64 टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी की और 28 मुकाबलों में जीत दिलाई। अप्रैल 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 10 विकेट की हार के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ दी थी। अब बेन स्टोक्स के संन्यास के बाद एक बार फिर उन्हें टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई है।

प्रज्ञानंद ने जीता सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज का खिताब

आखिरी मुकाबला रहा ड्रॉ, फिर भी बने चैंपियन

सेंट लुईस। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने एक राउंड बाकी रहते हुए ही ग्रैंड चेस टूर सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज का खिताब अपने नाम किया। प्रज्ञानंद और उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव के बीच आखिरी मुकाबले का अंत ड्रॉ पर होने के साथ ही भारतीय ग्रैंडमास्टर का खिताब पक्का हो गया। 20 साल के भारतीय खिलाड़ी ने कुल 35 में से 23 पॉइंट हासिल करके चैंपियनशिप को अपने नाम किया। शानदार टूर्नामेंट के बाद सिंदारोव ने 22 पॉइंट के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि वेस्ली सो 20.5 पॉइंट के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

लेवोन अरोनियन 19 पॉइंट के साथ चौथे स्थान पर रहे, और फैबियानो कारुआना, लीनियर डोमिंग्वेज और जॉर्डन वैन फॉरेस्ट 17 पॉइंट के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहे। प्रज्ञानंद को बिना किसी प्लेऑफ के सीधे जीत हासिल करने पर 50,000 अमेरिकी डॉलर और 13 ग्रैंड चेस टूर पॉइंट मिले। इस नतीजे से प्रज्ञानानंद सिंकफील्ड कप से पहले ग्रैंड चेस टूर स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। हालांकि फैबियानो अभी भी ओवरऑल ग्रैंड चेस टूर स्टैंडिंग में सबसे आगे हैं।

प्रज्ञानंद ने पांच दिन के इस इवेंट में शुरू से आखिर तक बढ़त बनाए रखी। सिंदारोव ने आखिरी दौर में कड़ी चुनौती पेश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए और 1.5 प्वाइंट के अंतर से उपविजेता रहे। जून में, प्रज्ञानंद प्रतिष्ठित नॉर्वे चेस खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच चुके हैं।

सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में 31 जुलाई से सात अगस्त तक सेंट लुइस चेस क्लब में दस बेहतरीन ग्रैंडमास्टर शामिल हुए। पांच दिनों के खेल में, खिलाड़ियों ने 9 रैपिड राउंड और 18 ब्लिट्ज राउंड खेले। इस दौरान कुल मिलाकर 135 गेम हुए, जिनमें सिंकफील्ड कप और जीसीटी ग्रैंड फाइनल से पहले महत्वपूर्ण टूर पॉइंट दांव पर थे।

इस टूर्नामेंट में दो तेज गति वाले फॉर्मेट शामिल रहे। नौ-राउंड का सिंगल राउंड-रॉबिन रैपिड टूर्नामेंट (जो 25 मिनट के टाइम कंट्रोल और पहली चाल से ही 10-सेकंड के इंक्रीमेंट के साथ खेला जाता है) और 18-राउंड का डबल राउंड-रॉबिन ब्लिट्ज टूर्नामेंट (जो पांच मिनट के टाइम कंट्रोल और पहली चाल से ही दो-सेकंड के इंक्रीमेंट के साथ खेला जाता है)। रैपिड में जीत पर दो पॉइंट और ड्रॉ पर एक पॉइंट मिलता है, जबकि ब्लिट्ज में जीत पर एक पॉइंट और ड्रॉ पर 0.5 पॉइंट मिलता है।

इंडस्ट्री में महिला कलाकारों को अक्सर वह पहचान नहीं मिलती जिसकी वे हकदार हैं

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में बबीता जी का रोल करने वाली मुनमुन दत्ता ने हाल ही में बताया कि इंडस्ट्री में औरतों को लेकर भेदभाव किया जाता है। उन्हें उतना क्रेडिट नहीं दिया जाता, जितना वो डिजर्व करती हैं। शो के बारे में भी एक्ट्रेस ने काफी कुछ कहा।

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता, बबीता जी का रोल निभाकर घर-घर में पहचानी जाने लगीं। हाल ही में उन्होंने कहा कि इस लंबे समय से चल रहे शो में महिलाओं के योगदान के लिए उन्हें अधिक पहचान मिलनी चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि वे शो और अपने किरदारों में बहुत योगदान देती हैं। TMKOC के 18 साल पूरे होने के मौके पर हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुनमुन ने अपनी महिला को-स्टार्स के लिए तारीफ जाहिर की। उन्होंने उनके हुनर, कमिटमेंट और प्रोफेशनलिज्म की तारीफ की। एक्ट्रेस ने खुद को मजबूत फेमिनिस्ट बताया और कहा कि उन्होंने शो में दूसरी महिलाओं को कभी भी कॉम्पिटिशन के तौर पर नहीं देखा।

उन्होंने कहा, 'मैं लड़कियों का साथ देने वाली और पुराने ख्यालों वाली इंसान हूं। मैं एक मजबूत फेमिनिस्ट हूं। मेरा मानना है कि अगर आगे बढ़ना है, तो साथ मिलकर बढ़ना होगा। मुझे यहां किसी से भी कभी असुरक्षा महसूस नहीं हुई।' मुनमुन ने शो की कास्ट के पुराने और नए, दोनों तरह के सदस्यों की तारीफ की और कहा कि शो की कामयाबी में सभी का अहम योगदान रहा है।

उन्होंने कहा, 'हमारी कास्ट में कुछ बेहतरीन सदस्य हाल ही में शामिल हुए हैं और वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। हर कोई अपने-अपने तरीके से शानदार काम कर रहा है।' इसके बाद एक्ट्रेस ने अपनी महिला साथियों का खास जिक्र किया।

'तारक मेहता' की एक्ट्रेसेस अलग

उन्होंने गोकुलधाम सोसाइटी की महिलाओं का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस की अलग-अलग तारीफ की और उनके साथ काम करने के अनुभव को शानदार, समझदार और बेहतरीन बताया। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही शो की कामयाबी का पूरा श्रेय उन्हें नहीं मिलता, लेकिन वे शो और इस मशहूर सिटकॉम में अपने किरदारों में बहुत कुछ नया और खास जोड़ती हैं।

महिलाओं को कम आंका जाता है

उन्होंने कहा, 'मैं इन शानदार महिलाओं के साथ काम करके बहुत खुश हूं। हमारा रिश्ता बहुत अच्छा है और मुझे लगता है कि वे सभी कमाल की हैं।' मुनमुन ने यह भी कहा कि शो की सफलता में बराबर का योगदान देने के बावजूद महिला कलाकारों को अक्सर वह पहचान नहीं मिलती जिसकी वे हकदार होती हैं। उन्होंने कहा, 'कभी-कभी महिलाओं को उतना महत्व नहीं दिया जाता।'

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के 18 साल पूरे

उन्होंने आगे कहा कि कलाकारों के बीच आपसी तालमेल और प्रोफेशनलिज्म की वजह से ही यह सिटकॉम लगभग दो दशकों से दर्शकों का पसंदीदा बना हुआ है। मुनमुन ने कहा, 'हम सभी रोज आते हैं, अपना बेस्ट देते हैं और पूरी ईमानदारी और प्रोफेशनलिज्म के साथ काम करते हैं। कोई छिपा हुआ एजेंडा नहीं है। हम सच में एक-दूसरे के काम की तारीफ करते हैं।' जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि 28 जुलाई को 18 साल पूरे करने के बाद 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' भारतीय टेलीविजन के सबसे लंबे समय तक चलने वाले सिटकॉम में से एक बन गया है।

वामसी पेडिपल्ली की फिल्म के लिए सलमान खान ने घटाई फीस

सलमान खान का सिनेमा की दुनिया में अलग ओहदा है। वे इंडस्ट्री के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले सितारों में शामिल हैं। फिलहाल भाईजान आगामी फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके बाद उनके पास डायरेक्टर वामसी पेडिपल्ली की फिल्म 'SVC63' है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि 'SVC63' फिल्म के लिए उन्होंने अपनी फीस कम की है।

कितनी फीस ले रहे सलमान खान?
रिपोर्ट्स की मानें तो डायरेक्टर वामशी के साथ अपनी आने वाली फिल्म के लिए सलमान खान ने एक चौंकाने वाला फैसला किया है। बताया जा रहा है कि सलमान 'SVC63' के लिए 70 करोड़ रुपये बतौर फीस ले रहे हैं। आमतौर पर उनकी फीस फिल्मों के लिए 120 करोड़ रुपये होती है। मगर, वामसी के लिए मिलने वाली रकम काफी कम है।

भाईजान ने दोस्ती की खातिर लिया फैसला?

इंडस्ट्री से जुड़े एक शख्स के मुताबिक, यह फैसला रफी काजी के साथ सलमान की दोस्ती की वजह से लिया गया। कहा जाता है कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट को शुरू करने में मदद की और वे इसके प्रोड्यूसर में से भी एक होंगे। सूत्र ने 'फ्री प्रेस जर्नल' को बताया, 'सलमान, जिनकी मार्केट वैल्यू पिछले लगभग 20 वर्षों से हर फिल्म के लिए 120 करोड़ रुपये से ज्यादा रही है। मगर, उन्होंने स्ङ्क्ष्63 के मेकर्स को यह छूट इसलिए दी है, क्योंकि उनके पुराने दोस्त रफी काजी इस प्रोजेक्ट में मीडिएटर हैं'।

क्या मुनाफे में हिस्सा लेंगे सलमान?

बता दें कि इस फिल्म के निर्माता दिल राजू होंगे। वहीं, रफी का नाम भी फिल्म के निर्माताओं में शामिल होगा। दोस्ती की वजह से ही सलमान अपनी फीस में बड़ी कटौती करने के लिए तैयार हुए हैं। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि सलमान ने फिल्म के मुनाफे में हिस्सेदारी के लिए कोई बातचीत की है या नहीं। सूत्रों का कहना है कि उन्हें किसी भी बैकएंड डील के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

बॉलीवुड छोड़ना चाहती थीं यामी गौतम

माता-पिता ने बहुत साथ दिया

बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम ने बताया है कि एक समय ऐसा आया था, जब वह बॉलीवुड छोड़ने ही वाली थीं। यामी ने माना कि 2019 में 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' और 'बाला' फिल्मों ने उनके करियर की दिशा बदल दी। 'विकी डोनर' (2012) से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली अभिनेत्री ने बताया कि बेहतर मौकों के इंतजार में ऐसे रोल भी स्वीकार करने पड़ते थे जो पसंद नहीं थे।

हिमाचल जाना चाहती थीं यामी
यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने कभी बॉलीवुड छोड़ने के बारे में सोचा था? इस पर यामी ने कहा 'हां। असल में, 'उरी' और 'बाला' से ठीक पहले, मैंने इंडस्ट्री को पूरी तरह छोड़ने का मन बना लिया था। मैंने सोचा था कि मैं हिमाचल लौट जाऊंगी। वहां हमारी खेती की जमीन है। मैंने एक बिल्कुल अलग जिंदगी शुरू करने के बारे में सोचा था। मेरे माता-पिता ने मेरा बहुत साथ दिया। उन्होंने बस इतना कहा, 'घर आ जाओ'।'

अभिनेत्री ने सीखी एक चीज

37 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा कि इस अनुभव ने उन्हें उनके करियर का एक बहुत जरूरी सबक सिखाया। वह यह कि अपने फैसलों पर डर को हावी न होने देना। 'उरी' ने न सिर्फ यामी गौतम के करियर को आगे बढ़ाया, बल्कि उन्हें डायरेक्टर आदित्य धर के करीब भी लाया, जिनसे वह फिल्म के सेट पर मिली थीं। बाद में दोनों ने 2021 में शादी कर ली और 2024 में उनके घर पहले बच्चे, एक बेटे 'वेदविद' का जन्म हुआ। इतने वर्षों में यामी ने कई तरह की फिल्में की हैं, जिनमें 'दसवीं', 'चोर निकल के भागा', 'ओएमजी 2', 'हक' और 'आर्टिकल 370' जैसी फिल्में शामिल हैं। यामी को मिला नेशनल फिल्म अवॉर्ड हाल ही में उन्हें 'आर्टिकल 370' में उनकी बेहतरीन एक्टिंग के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। यह फिल्म भारतीय संविधान के आर्टिकल 370 के तहत जम्मू-कश्मीर का स्पेशल स्टेटस खत्म किए जाने की 2019 की घटना पर आधारित है।

एक्टिंग में ईमानदारी सबसे जरूरी

प्रियंशी यादव ने टीवी की दुनिया में अलग पहचान बनाने के लिए काफी मेहनत की है। उन्होंने अपने करियर में कई किरदार निभाए और हर प्रोजेक्ट से कुछ नया सीखा। उन्होंने गुरु पूर्णिमा को लेकर अपनी जिंदगी के उस शख्स का जिक्र किया, जिसने उन्हें सिर्फ एक बेहतर कलाकार ही नहीं, बल्कि एक बेहतर इंसान बनने में भी मदद की।

जब प्रियंशी से पूछा कि ऐसा कौन सा किरदार, भूमिका या अनुभव रहा, जिसने उन्हें एक कलाकार और इंसान के तौर पर बदलने में मदद की, तो उन्होंने कहा, मैंने जिन भी शोज में काम किया है, उन सभी से मैंने कुछ नया सीखा है। हर अनुभव ने मुझे आगे बढ़ने में मदद की है। मैं कहना चाहूंगी कि रोहित राज गोयल के साथ काम करना मेरे सबसे अच्छे अनुभवों में से एक रहा है। उन्होंने मुझे किरदार को समझना, उसे स्वाभाविक तरीके से निभाना और सबसे जरूरी बात, किरदार को सिर्फ परफॉर्म करना नहीं, बल्कि उसे जीना सिखाया। अभिनेत्री ने कहा कि एक कलाकार के लिए सबसे जरूरी बात यह होती है कि वह अपने किरदार के साथ ईमानदार रहे। उन्होंने बताया कि रोहित राज गोयल ने उन्हें समझाया कि किसी भी सीन को करते समय कलाकार को सिर्फ अपनी लाइन बोलने पर ध्यान नहीं देना चाहिए, बल्कि उस किरदार की भावनाओं को महसूस करना चाहिए। यही बात अभिनय को खास बनाती है।

प्रियंशी ने बताया, शुरुआत में मैं कई बार शूटिंग से पहले काफी घबरा जाती थी। किसी सीन को करने से पहले चिंता होने लगती थी और मैं नर्वस महसूस करती थी। तब रोहित ने मुझे एक ऐसी सलाह दी, जिसने मेरी सोचने का तरीका बदल दिया। रोहित ने मुझसे कहा कि जिस दिन अंदर से घबराहट और बेहतर करने की इच्छा पूरी तरह खत्म हो जाए और यह सोचना शुरू हो जाए कि मुझे सब आता है, तो आप उस दिन से एक अच्छा कलाकार नहीं बन पाओगे। एक अभिनेता के अंदर हमेशा यह भावना रहनी चाहिए कि वह अपने काम को और बेहतर कर सकता है।

प्रियंशी ने कहा, इस सीख ने मुझे काफी प्रभावित किया। नर्वस होना या किसी सीन को लेकर चिंतित होना गलत नहीं है, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि कलाकार अपने काम को लेकर गंभीर है। लेकिन, उस डर को संभालकर अपने अभिनय में ईमानदारी लाना जरूरी है। प्रियंशी यादव इन दिनों जी टीवी के शो तुझसे है राब्ता दिल में में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस शो में वह वृंदा का किरदार निभा रही हैं। शो की कहानी तीन किरदारों संजय, स्वाति और वृंदा की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी राहें आपस में जुड़ती हैं और रिश्तों, भावनाओं और कई उतार-चढ़ाव से भरा सफर शुरू होता है।

सलमान की सलाह पर अपना नाम बदलकर कियारा रखा

कियारा आडवाणी आज बॉलीवुड की सबसे चर्चित और सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने अपनी सादगी और अभिनय के दम पर लाखों लोगों का दिल जीता। उनके इस स्टारडम के पीछे अभिनेता सलमान खान का खास योगदान रहा।

दरअसल, सलमान ने कियारा को सलाह दी थी कि अगर उन्हें इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनानी है, तो उनकी पहचान भी सबसे अलग होनी चाहिए। इस सलाह के बाद एक्ट्रेस ने ऐसा कदम उठाया कि वह दुनियाभर में पहचानी जाने लगीं। उनका असली नाम आलिया आडवाणी है। जब कियारा फिल्मों में आने की तैयारी कर रही थीं, तब उनका नाम आलिया आडवाणी था। उस समय आलिया भट्ट बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बना चुकी थीं। ऐसे में सलमान खान ने उन्हें सलाह दी कि अगर वह इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनाना चाहती हैं, तो उन्हें एक अलग नाम अपनाना चाहिए। कियारा ने कई इंटरव्यू में बताया कि सलमान खान की सलाह पर उन्होंने अपना नाम बदलकर कियारा रख लिया। यह नाम उन्हें प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'अंजाना अंजानी' के एक किरदार से पसंद आया था। बाद में यही नाम उनकी नई पहचान बन गया।

साल 2014 में कियारा ने फिल्म 'फगली' से बॉलीवुड में कदम रखा। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही। साल 2016 में उनकी किस्मत बदली। उन्हें 'एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' में साक्षी धोनी का किरदार निभाने का मौका मिला। यह फिल्म बड़ी हिट साबित हुई और कियारा को पूरे देश में पहचान मिल गई। इसके बाद उन्होंने तेलुगु फिल्म 'भारत अने नेनु' में महेश बाबू के साथ काम किया। यह फिल्म भी सुपरहिट रही और कियारा ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी मजबूत पहचान बना ली।

साल 2018 में नेटफ्लिक्स की 'लस्ट स्टोरीज' में उनका अलग अंदाज देखने को मिला। इसके बाद 2019 में रिलीज हुई 'कबीर सिंह' उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में शामिल हो गई। फिल्म में उन्होंने प्रीति का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसी साल आई 'गुड न्यूज' भी बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। इस फिल्म में अभिनय के लिए उन्हें आईफा अवॉर्ड में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का सम्मान मिला। इसके बाद कियारा ने 'गिल्टी', 'लक्ष्मी', 'इंदू की जवानी', 'शेरशाह', 'भूल भुलैया 2', 'जुगजुग जियो', 'गोविंदा नाम मेरा', 'सत्यप्रेम की कथा', 'गेम चेंजर' और 'वॉर 2' जैसी फिल्मों में काम किया। 'शेरशाह' और 'सत्यप्रेम की कथा' में उनके अभिनय की काफी तारीफ हुई और इन फिल्मों के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की श्रेणी में नामांकन भी मिला।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया में सड़क हादसे में पांच की मौत

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के नॉर्दर्न टेरिटरी में स्टुअर्ट हाईवे पर बुधवार दोपहर करीब 12 :50 बजे दो वाहनों की आमने-सामने की भीषण टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। टक्कर के बाद दोनों वाहन आग की लपटों में घिर गए और पूरी तरह जल गए। प्रारंभिक जांच के अनुसार, एक यूटिलिटी वाहन गलत लेन में चला गया और सामने से आ रही वैन से टकरा गया। हादसे में यूटिलिटी चला रहे 23 वर्षीय युवक, उसके 36 वर्षीय पुरुष साथी और 32 व 23 वर्षीय दो महिला यात्रियों सहित वैन में सवार 69 वर्षीय महिला की मौत हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने मदद की कोशिश की, लेकिन आग और क्षति के कारण किसी भी व्यक्ति को बाहर नहीं निकाल सके। पुलिस के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे से पहले यूटिलिटी वाहन तेज रफ्तार में था और खतरनाक तरीके से ओवरटेक कर रहा था। डिटेक्टिव सीनियर सार्जेंट माइकल शूमाकर ने इसे बेहद दुखद घटना बताते हुए कहा कि इस हादसे ने कई परिवारों और पूरे समुदाय को गहरा सदमा पहुंचाया है। इसी बीच, ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य के केर्न्स शहर में चोरी की गई एक यूटिलिटी वाहन की टक्कर से एक 25 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है।

श्रीलंका में चक्रवात राहत के लिए भारत देगा 33.27 अरब

कोलंबो, एजेंसी। विदेश सचिव विक्रम मिसरी भारत और श्रीलंका के बीच आपसी रिश्तों को और मजबूत करने के उद्देश्य से बुधवार को कोलंबो पहुंचे। उन्होंने एक दिवसीय यात्रा में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात कर हाल में आए चक्रवात दित्वाह से हुए नुकसान और उसके बाद राहत व पुनर्निर्माण के कामों पर भी बातचीत की। दोनों नेताओं ने 33.27 अरब रुपये के आसान कर्ज यानी लाइन ऑफ क्रेडिट के समझौतों पर हस्ताक्षर किए। यह राशि भारत के उस 42.78 खरब रुपये के पैकेज का हिस्सा है, जिसे चक्रवात के बाद श्रीलंका की मदद के लिए घोषित किया गया था। इस पैसे का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे के विकास और जरूरी सामान खरीदने में किया जाएगा। अपनी इस यात्रा के दौरान विक्रम मिसरी ने श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेरथ और अपनी समकक्ष अरुणी राजापक्षा से भी मुलाकात की। इन बैठकों में क्षेत्रीय मुद्दों और दोनों देशों के संबंधों को और गहरा करने पर चर्चा हुई। इसके अलावा उनका प्रधानमंत्री हरिणी अमरसूर्या से भी मिलने का कार्यक्रम है।

खसरे का कहर : बांग्लादेश में पांच और बच्चों की मौत, अब तक 854 मौतें

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में खसरा (मीजल्स) का प्रकोप लगातार गंभीर होता जा रहा है। पिछले 24 घंटों में पांच और बच्चों की मौत के बाद इस बीमारी से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 854 हो गई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने बुधवार सुबह तक के 24 घंटों के दौरान पांच नई मौतों की जानकारी दी। इन सभी मौतों को संदिग्ध श्रेणी में रखा गया है। डीजीएचएस के आंकड़ों के मुताबिक, खसरे से अब तक 96 मौतों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 758 मौतें संदिग्ध मानी गई हैं। पिछले 24 घंटों में खसरे के 959 नए संदिग्ध मामले सामने आए, जिसके बाद कुल संदिग्ध मामलों की संख्या बढ़कर 1,32,905 हो गई। इसी अवधि में 124 नए पुष्ट मामले दर्ज किए गए, जिससे कुल पुष्ट मामलों की संख्या 16,655 तक पहुंच गई।

अमेरिकी आसमान में ट्रंप का हेलीकॉप्टर पैसेंजर विमान के बेहद करीब पहुंचा, जांच शुरू

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के वॉशिंगटन के आसमान में मंगलवार को एक बड़ी सुरक्षा चूक की घटना सामने आई है। यहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ले जा रहा मरीन वन हेलीकॉप्टर और एक पैसेंजर प्लेन आसमान में एक-दूसरे के बेहद करीब आ गए थे। इस गंभीर मामले की जांच अब सुरक्षा एजेंसियां कर रही हैं क्योंकि यह बड़ा मामला है। व्हाइट हाउस और विमानन नियामक संस्था एफएए ने तुरंत बयान जारी कर स्पष्ट किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति किसी भी समय किसी खतरे में नहीं थे। अधिकारियों ने कहा कि मरीन वन के पायलट दुनिया के सबसे बेहतरीन पायलटों में से एक हैं जो विपरीत परिस्थितियों में सुरक्षा सुनिश्चित करना जानते हैं। इस घटना के बाद आसमान में सुरक्षा नियमों को लेकर फिर से चर्चा शुरू हो गई है। न्यूज एजेंसी एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार यह घटना दोपहर करीब 2 :30 बजे की बताई जा रही है।

बांग्लादेशी क्रिकेटर शाकिब अल हसन के घर पेट्रोल-बम से हमला, पत्थरबाजी और आग लगाने की कोशिश से हड़कंप

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के घर पर बुधवार शाम हमला हुआ। ये घटना बांग्लादेश के मगुरा जिले में स्थित उनके घर पर हुई, जहां कुछ अज्ञात लोगों ने पत्थरबाजी की, खिड़कियां तोड़ दीं और घर में आग लगाने की कोशिश की। ये हमला उस समय हुआ जब कुछ घंटे पहले ही शाकिब ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया था। पुलिस के मुताबिक ये घटना स्थानीय समयानुसार रात करीब 8:45 बजे हुई। हमलावरों ने घर पर ईंट-पत्थर फेंके, जिससे खिड़कियों के शीशे टूट गए। इसके बाद उन्होंने घर में आग लगाने की कोशिश की। घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

पटाखों जैसी आवाजें सुनाई दी गई : स्थानीय लोगों ने बताया कि हमले के दौरान धमाके जैसी आवाजें सुनाई दीं, जिन्हें पटाखों जैसी आवाज बताया गया। स्थानीय मीडिया ने दावा किया कि घर पर पेट्रोल बम भी फेंके गए, हालांकि पुलिस ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग की ओर से जारी एक वीडियो में भी शाकिब के घर के बाहर पटाखों जैसी आवाजें सुनाई दे रही हैं।

मगुरा सदर पुलिस स्टेशन के प्रभारी अब्दुल्ला अल मामुन ने द डेली स्टार से कहा कि कुछ अज्ञात लोगों ने घर पर ईंट-पत्थर फेंके, खिड़कियां तोड़ीं और आग लगाने की कोशिश की। घटना के बाद पुलिस बल को शाकिब के घर के बाहर तैनात कर दिया गया। फिलहाल हमलावरों की पहचान और हमले के कारण का पता नहीं चल पाया है।

मीडिया कार्यक्रम के बाद हुआ हमला : ये हमला उस मीडिया कार्यक्रम के कुछ घंटे बाद हुआ, जिसमें शेख हसीना ने नई दिल्ली से वर्चुअल रूप से संबोधित किया था। इस कार्यक्रम का आयोजन फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट्स क्लब ऑफ साउथ एशिया ने किया था। अपने संबोधन में शेख हसीना ने जुलाई-अगस्त 2024 के आंदोलन पर अपनी सरकार के रुख का बचाव किया और कहा कि छात्र आंदोलन अचानक नहीं था, बल्कि सत्ता परिवर्तन की एक सुनियोजित साजिश थी।

बांग्लादेश में शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद से राजनीतिक तनाव लगातार बना हुआ है। प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी , जमात-ए-इस्लामी और नेशनल सिटिजन पार्टी के नेताओं ने इस कार्यक्रम का विरोध किया था और मीडिया संस्थानों से हसीना का संबोधन प्रसारित न करने की अपील की थी।

क्या प्रेस कॉन्फ्रेंस है हमले की वजह : अवामी लीग के नेताओं और समर्थकों का आरोप है कि शाकिब के घर पर हुआ हमला उनकी इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूदगी से जुड़ा है। हालांकि बांग्लादेशी अधिकारियों ने अभी तक इस हमले और प्रेस कॉन्फ्रेंस के बीच किसी संबंध की पुष्टि नहीं की है और पुलिस ने भी किसी आरोपी की पहचान नहीं की है। शाकिब अल हसन बांग्लादेश के सबसे महान ऑलराउंडरों में गिने जाते हैं, लेकिन अवामी लीग से उनके राजनीतिक संबंधों की वजह से वो लंबे समय से विवादों में भी रहे हैं। वो 2024 के आम चुनाव में अवामी लीग के टिकट पर मगुरा-1 सीट से सांसद चुने गए थे। विपक्षी दलों ने उस चुनाव को निष्पक्ष नहीं माना था। अगस्त 2024 में सत्ता परिवर्तन के बाद अवामी लीग की राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

क्या बोली शेख हसीना : अपने संबोधन में शेख हसीना ने अवामी लीग पर लगे प्रतिबंध को हटाने की मांग की और कहा कि वो तमाम कानूनी चुनौतियों के बावजूद बांग्लादेश लौटेंगी। शाकिब ने अगस्त 2024 में सरकार बदलने के बाद से अब तक बांग्लादेश वापसी नहीं की है। राजनीतिक बदलाव के बाद उनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज किए गए, जिनमें हत्या का मामला भी शामिल है। शाकिब का कहना है कि अगर उन्हें व्यक्तिगत सुरक्षा और निष्पक्ष व्यवहार का भरोसा दिया जाए तो वो बांग्लादेश लौटकर कानूनी प्रक्रिया का सामना करने के लिए तैयार हैं। फिलहाल शाकिब अपने परिवार के साथ अमेरिका में रह रहे हैं और लगातार फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेल रहे हैं। वो कैरेबियन प्रीमियर लीग और लंका प्रीमियर लीग जैसे टूर्नामेंट में खेल चुके हैं। वहीं, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड पहले भी कह चुका है कि राष्ट्रीय टीम के दरवाजे शाकिब के लिए अब भी खुले हैं।

हसीना की वर्चुअल मीटिंग में शामिल हुए थे शाकिब : बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दो साल बाद बुधवार शाम करीब 6.45 बजे को लोगों को वर्चुअली संबोधित किया। जब हसीना बोल रही थीं, उस दौरान उनका कैमरा बंद था। हसीना ने 25 मिनट भाषण दिया। इस दौरान शाकिब अल हसन, शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय, पूर्व शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी भी मौजूद थे।

सांसद बनने के बाद भी क्रिकेट खेलते रहे शाकिब : शाकिब ने सांसद बनने के बाद भी क्रिकेट खेलना नहीं छोड़ा है। अगस्त 2024 में जब बांग्लादेश में बगावत शुरू हुई, तब भी शाकिब की आलोचना हुई थी।

अमेरिका में 3.5 लाख हैती प्रवासियों पर निर्वासन का खतरा, अदालत ने टीपीएस सुरक्षा समाप्त करने पर लगी रोक हटाई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने ट्रंप प्रशासन को लगभग 3.5 लाख हैती नागरिकों के लिए अस्थायी संरक्षित दर्जा (टेम्परेरी प्रोटेक्टेड स्टेटस-टीपीएस) समाप्त करने की अनुमति दे दी है। इस फैसले के बाद इन प्रवासियों पर निर्वासन का खतरा मंडराने लगा है, जबकि हैती इस समय गंभीर भूख, हिंसा और अस्थिरता जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। टीपीएस एक ऐसी व्यवस्था है, जो उन देशों के नागरिकों को अमेरिका में अस्थायी रूप से रहने और काम करने की अनुमति देती है, जहां युद्ध, प्राकृतिक आपदा या अन्य गंभीर संकट की स्थिति हो। यह दर्जा लाभार्थियों को निर्वासन से भी सुरक्षा प्रदान करता है। डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया की जिला अदालत की न्यायाधीश एना सी. रेयेस ने इससे पहले ट्रंप प्रशासन के उस फैसले पर रोक लगा दी थी, जिसके तहत हैती के नागरिकों की टीपीएस सुरक्षा समाप्त की जानी थी। बाद में एक संघीय अपीलीय अदालत ने भी इस रोक को बरकरार रखा था।

हालांकि, जून में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए कहा कि संघीय कानून के तहत टीपीएस से जुड़े निर्णय न्यायिक समीक्षा के दायरे में नहीं आते। इस फैसले का असर हैती, सीरिया और अन्य उन देशों के नागरिकों पर पड़ सकता है, जिन्हें अमेरिकी विदेश विभाग उच्च जोखिम वाले देश मानता है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद न्यायाधीश रेयेस ने बुधवार को अपना पूर्व आदेश वापस लेते हुए कहा कि शीर्ष अदालत के निर्णय के कारण उनकी 2 फरवरी 2026 की रोक अब प्रभावी नहीं रह गई है। इसके साथ ही हैती के नागरिकों की टीपीएस सुरक्षा समाप्त करने पर लगी रोक भी खत्म हो गई। सरकारी आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर प्रवासी अधिकार संगठन एफडब्ल्यूडी.यूएस ने बताया कि टीपीएस लाभार्थियों में लगभग दो लाख हैती नागरिक अमेरिका में रोजगार कर रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या स्वास्थ्य सेवाओं, खाद्य सेवा, वेयरहाउसिंग, खुदरा व्यापार और दीर्घकालिक देखभाल जैसे क्षेत्रों में कार्यरत है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने हैती को अपने यात्रा परामर्श तंत्र में लेवल-4 श्रेणी में रखा है, जो सबसे उच्च जोखिम स्तर है। विभाग ने वहां अपराध, अपहरण, आतंकवादी गतिविधियों, सामाजिक अशांति और सीमित स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की हुई है। इस फैसले ने अमेरिका में रह रहे हजारों हैती नागरिकों के भविष्य को लेकर नई अनिश्चितता खड़ी कर दी है, क्योंकि अब उन्हें निर्वासन और कानूनी स्थिति से जुड़े जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है।

थाईलैंड में 9वीं के छात्र ने स्कूल में फायरिंग की , पहले घर पर दादा-दादी की हत्या की, फिर स्कूल में 6 को मारा

बैंकॉक। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के पास एक 9वीं कक्षा के छात्र ने अपने दादा-दादी की हत्या कर दी। इसके बाद वह स्कूल पहुंचा और अंधाधुंध फायरिंग कर दी। हमले में 3 टीचर और 3 छात्रों समेत 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, घटना नोंथाबुरी प्रांत के डेबसिरिन नोंथाबुरी स्कूल की है। जांच में पता चला कि स्कूल जाने से पहले छात्र ने अपने घर में दादा-दादी की हत्या की थी। बाद में दोनों के शव घर से बरामद हुए।

पुलिस ने बताया कि फायरिंग में इस्तेमाल की गई 9 एमएम पिस्टल छात्र के दादा की थी, जो पेशे से शिक्षक थे। हमले के बाद आरोपी छात्र भी गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस का कहना है कि छात्र ने यह वारदात क्यों की, इसकी जांच की जा रही है। थाईलैंड के प्रधानमंत्री ने घटना पर दुख जताते हुए घायलों के इलाज और पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद देने के निर्देश दिए हैं।

गोलियां चलते ही क्लासरूम में छिप गए छात्र

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जैसे ही गोलियों की आवाज आई, छात्र अपनी जान बचाने के लिए क्लासरूम में छिप गए। कुछ देर बाद पुलिस ने दरवाजा खटखटाकर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। घटना के बाद स्कूल में अफरा-तफरी मच गई और बाहर मौजूद लोग एक-दूसरे को संभालते नजर आए। थाईलैंड में स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर गोलीबारी की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। इन घटनाओं के बाद थाई सरकार ने हथियारों की उपलब्धता और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मामलों की निगरानी बढ़ाने की बात कही थी। इसके बावजूद समय-समय पर ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं, जिससे स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं।

कांगो में इबोला का कहर: 1850 मौतें, बच्चों पर सबसे गंभीर असर

किंशासा (एजेंसी)। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफकांगो (डीआरसी) इबोला वायरस के बढ़ते प्रकोप से जूझ रहा है। स्वास्थ्य अधिकारियों के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अब तक 4053 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है, जिसमें से 1850 लोगों की जान जा चुकी है। वर्तमान में 694 मरीज इलाजरत हैं, जबकि 793 लोग स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। हालांकि, पूर्वी डीआरसी में हालात सबसे ज्यादा गंभीर बनी हुई हैं।

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यूनिसेफने चिंता जाहिर कर इस प्रकोप में अब तक 330 बच्चों की मौत हो चुकी है। संगठन के मुताबिक, कुल पुष्ट मामलों में बच्चों का हिस्सा करीब एक चौथाई है, लेकिन कुल मौतों में उनकी हिस्सेदारी करीब एक तिहाई है। विशेष रूप से, 5 साल से कम उम्र के छोटे बच्चों में मृत्यु दर वयस्कों की तुलना में दोगुनी से भी अधिक है।

यूनिसेफ ने बताया कि इबोला के डर और स्वास्थ्य केंद्रों में बाधाओं के चलते परिवार अस्पताल जाने से कतरा रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप बचपन के टीकाकरण, मातृ स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक सेवाओं में भारी गिरावट आई है। यूनिसेफके डीआरसी प्रतिनिधि जॉन एगबोर ने जोर देकर कहा कि यह प्रकोप पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था को अस्त-व्यस्त कर रहा है, जिसका सीधा असर मलेरिया, डायरिया जैसी इलाज योग्य बीमारियों से बच्चों की मौतों पर पड़ेगा। अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा संगठन मेडेसिन्स सैन्स फ्रंटियर्स (डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स) ने चेतावनी दी है कि पूर्वी डीआरसी में इबोला की स्थिति पहले से कहीं अधिक विकट है। संगठन के अनुसार, संक्रमण अभूतपूर्व गति से फैल रहा है और धीमा होने के कोई संकेत नहीं हैं। अस्पतालों में बिस्तरों की कमी, चिकित्सा कर्मचारियों पर अत्यधिक दबाव और समुदायों में व्याप्त डर के कारण मरीज समय पर इलाज नहीं ले पा रहे हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ रही है।

यमन के दक्षिणी तट के पास अदन की खाड़ी में जहाज के नजदीक जोरदार विस्फोट, समुद्री तनाव के बीच बढ़ी चिंता

अदन , एजेंसी। अदन की खाड़ी में यमन के दक्षिणी तट के पासएक टैंकर ने अपने नजदीक तेज धमाके की आवाज सुनने की सूचना दी है। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है, जब हूती विद्रोहियों द्वारा जहाजों को निशाना बनाने के नए अभियान के बाद क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को लेकर तनाव बढ़ गया है। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बुधवार (स्थानीय समय) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि यह घटना अदन से लगभग 95 नॉटिकल मील दक्षिण-पूर्व में हुई। इसमें कहा गया, 'एक टैंकर के मास्टर ने बताया कि उन्होंने जहाज के पास एक जोरदार धमाका सुना और बताया कि सभी क्रू सुरक्षित हैं।' यमन के सेंट्रल अल-बायदा प्रांत में हूती-नियंत्रित इलाके मुकायरस के लोगों ने न्यूज एजेंसी सिन्हुआ को बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि हूती ने इलाके से अदन की खाड़ी की ओर एक मिसाइल लॉन्च की है। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि दोनों घटनाएं जुड़ी हुई थीं या नहीं। वहीं, हूती ने भी अब तक इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है। यह घटना हूती और सऊदी अरब के बीच बढ़ते तनाव के बीच हुई है। इससे पहले सोमवार को (स्थानीय समय) एक कार्गो जहाज ने बताया था कि ओमान के तट पर एक अनजान प्रोजेक्टाइल से उस पर हमला हुआ है। यूकेएमटीओ की एक एडवाइजरी के मुताबिक, यह घटना सोमवार को पहले ओमान के अल खसब से लगभग 20 नॉटिकल मील उत्तर-पूर्व में होर्मुज स्ट्रेट के पूर्वी एंट्रेंस के पास हुई। इसके अलावा यमन के पश्चिमी तट के पास लाल सागर में विस्फोटकों से भरी एक नाव के हमले के बाद भारतीय झंडे वाला मालवाहक जहाज डूब गया। सिन्हुआ एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यमनी बलों ने जहाज के 14 चालक दल के सदस्यों को बचा लिया। इनमें 13 भारतीय नाविक और एक यमन का नागरिक शामिल है। हालांकि, हमला कब हुआ इसकी जानकारी नहीं दी गई। सरकार समर्थित नेशनल रेजिस्टेंस फोर्सेज (एनआरएफ) ने एक बयान में कहा कि तटरक्षक बल और नौसेना की इकाइयों ने संयुक्त अभियान चलाकर 'फैजे नूरे ओलिया' नामक जहाज के चालक दल को बचाया। यह जहाज हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले बंदरगाह शहर होदेइदाह से लगभग 13 समुद्री मील दक्षिण में हमले का शिकार हुआ था। जहाज पर मौजूद सभी 14 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। उन्हें चिकित्सकीय सहायता भी दी गई और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। एनआरएफ ने इस हमले के लिए यमन के हूती समूह को जिम्मेदार ठहराया है, लेकिन अभी तक हूतियों की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

पाकिस्तान के 4 में से 2 सूबों में बागी तेवर:सरकार की पकड़ कमजोर

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा सूबा है। यह देश के करीब 45% हिस्से में फैला है और इसकी सीमा ईरान से लगती है। दूर-दूर तक रेगिस्तान और वीरान पहाड़ हैं। लेकिन इन दिनों इस वीराने में सबसे ज्यादा गूंज गोलियों की सुनाई देती है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के लड़ाके अलग देश की मांग को लेकर लड़ रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि बलूच लड़ाकों और पश्तून (पठान) विद्रोहियों का सूबे के करीब 70% हिस्से पर कब्जा है। अब सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि पाकिस्तानी सेना कितने विद्रोहियों को मार रही है या पकड़ रही है। असली सवाल यह है कि क्या सरकार यहां पुलिस थाने चला पा रही है? क्या हाईवे सुरक्षित हैं? क्या बाजार खुल रहे हैं? और क्या लोग बिना डर के एक शहर से दूसरे शहर जा सकते हैं? बलूचिस्तान के कई इलाकों में हथियारबंद लड़ाके बेखौफ होकर क्वेटा, खुजदार और मस्तुंग जैसे शहरों में घुसते हैं। पुलिस थानों और सरकारी दफ्तरों पर हमले करते हैं। कई जगह बीएलए के लड़ाके और पश्तून गुट सड़कों पर अपने नाके लगा लेते हैं। वहां से गुजरने वाले वाहनों की तलाशी लेते हैं और खुलेआम वसूली करते हैं। यही पैसा क्क्र के फंड में जाता है। बलूचिस्तान को पाकिस्तान के खनिजों की खदान भी कहते हैं। बात शुरू की तो खुजदार शहर के युवक मोमिन का पाक सरकार पर गुस्सा फूट पड़ा। मोमिन कहते हैं यहां के ग्वादर पोर्ट पर चीन का कब्जा है। चीन ने सीपैक के नाम पर यहां लगभग 3 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया है। ग्वादर पोर्ट पर चीन की फिशिंग बोट्स का कब्जा है। स्थानीय बलूच मछुआरों को चीनी बोट्स खदेड़ देती हैं। इनकी बोट्स बड़ी और ज्यादा पावर वाली होती हैं। ज्यादातर बलूच मछुआरों के पास अब भी पालदार नौकाएं हैं। बलूच बेरोजगार हो रहे हैं। 55 साल के असलम का कहना है कि यहां के रेयर अर्थ मिनरल पर अमेरिका का कब्जा है। पाक आर्मी चीफ मुनीर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के सामने मिनरल की नुमाइश करते हैं। इस खजाने पर केवल बलूचों का हक है। खैबर पख्तूनख्वा पाकिस्तान का फ्रंटियर यानी सरहदी इलाका है। डूरंड लाइन पाक और अफगानिस्तान को अलग करती है। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के पांच साल में खैबर के अधिकांश इलाके में इन्हीं का दबदबा है। खैबर में पाक सरकार के कानून नहीं तालिबान का शरिया चलता है। दरअसल, इस इलाके में विभाजन के समय से ही कबिलाई व्यवस्था लागू रही है। स्वात, सैदु, मिंगोरा और मर्दन में 'लोया जिरगा' के जरिए ही कानून चलता है।

ये जिरगा असल में शरिया कानून को लागू करती है। अफगान तालिबान इसका संरक्षक है। अफगान तालिबान तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) संगठन को अपने ठिकानों में पनाह देता है। इमरान खान की सरकार ने 2021 में ञ्ञक्क के साथ सुलह की कोशिश की, लेकिन इमरान की गद्दी जाते ही टीटीपी ने खैबर में अपने दबदबे को और बढ़ा लिया है। खैबर के वजीरिस्तान में पाकिस्तानी सेना कई सैन्य ऑपरेशन कर चुकी है, लेकिन यहां अब टीटीपी काबिज है। आए दिन टीटीपी के हमलों के कारण स्कूल और कॉलेज बंद रहते हैं। पंजाब और सिंध के मूल निवासी कर्मचारी खैबर में अपनी पोस्टिंग नहीं चाहते हैं। खैबर पख्तूनख्वा में टीटीपी के आए दिन होने वाले हमलों से पाक सेना में खौफ है। इस साल टीटीपी फौज पर 145 से ज्यादा हमले कर चुकी है, इनमें 48 सैनिक मारे गए। खैबर में डूरंड लाइन पर अभी पाक सेना की 50 फौजी चौकियां खाली हैं। 22 पोस्ट पर ही पाक फौज तैनात है।

ईरान पर दबाव बढ़ रहा, यह क्रांति के बाद का सबसे मुश्किल समय: राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन

तेहरान , एजेंसी। ईरान और ओमान के बीच होर्मुज स्ट्रेट से एक सुरक्षित कमर्शियल शिपिंग रूट बनाने पर बातचीत लगभग अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। इस बीच, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने देश के लिए वर्तमान समय को काफी मुश्किल भरा बताया और कहा कि प्रतिबंधों और सैन्य टकराव का दबाव बढ़ता जा रहा है। वहीं, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी इस बात की पुष्टि की है कि ईरानी शासन बिखरा हुआ है, जिसकी वजह से दोनों देशों के बीच डील की प्रक्रिया मुश्किल भरी रहेगी। राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन का कहना है कि ईरान पर पाबंदियों और लड़ाई का दबाव बढ़ता जा रहा है और उन्होंने मौजूदा समय को 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद सबसे मुश्किल समय बताया।

अपने शपथ ग्रहण की दूसरी सालगिरह पर बुधवार को सरकारी मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में पेजेश्कियन ने कहा कि पाबंदियां लगातार बढ़ रही हैं और उसके बाद सैन्य टकराव हुआ है। पेजेश्कियन ने आधिकारिक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग (आईआरआईबी) को बताया, 'अभी हम जिन हालात का सामना कर रहे हैं, वे क्रांति के बाद के इतिहास के सबसे मुश्किल हालात हैं। पाबंदियां थीं और वे बढ़ती गईं। फिर, उन्होंने हमारे बैंकों और हमारे फाइनेंशियल ऑपरेशन्स पर पाबंदी लगा दी। इससे खुश नहीं होने पर उन्होंने जंग छेड़ दी। ईरान के राष्ट्रपति ने टीवी पर दिए इंटरव्यू में कहा कि बाहरी दबाव का मकसद सरकार के लिए लोगों का समर्थन कमजोर करना है।उन्होंने दावा किया, 'अब वे जो भी योजना बना रहे हैं और जो भी दबाव डाल रहे हैं, वह लोगों को नाराज करने और जैसा कि वे कहते हैं, उन्हें विरोध करने के लिए उकसाने के लिए है।

पेजेश्कियन ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय एकता ने ईरान को दबाव झेलने में मदद की है। उन्होंने कहा, 'अगर हम आज तक बचे हैं तो इसका श्रेय ईरान के अच्छे लोगों को जाता है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बुधवार को ईरान के साथ संभावित समझौते को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर बातचीत आसान नहीं होगी और इसमें काफी समय लग सकता है। वेंस के मुताबिक ईरानी बेहद जटिल लोग हैं और वहां का शासन तंत्र बिखरा हुआ है, जिसकी वजह से डील की प्रक्रिया मुश्किल भरी रहेगी। बुधवार शाम को फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, 'हमारा काम इससे निपटना है और अमेरिकी लोगों के लिए, बल्कि अमेरिका के राष्ट्रपति के लिए भी सबसे अच्छा नतीजा पाना है। तेल की कीमतें नीचे आएंगी और नीचे ही रहेंगी। ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा और अमेरिका एक मजबूत स्थिति में होगा। इसके अलावा ईरानी प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने यह भी बताया कि इस हफ्ते के अंत में तेहरान के किसी भी वरिष्ठ अधिकारियों के पाकिस्तान या कतर जाने की कोई योजना नहीं है।

ईरानी विदेश मंत्रालय की प्रेस रिलीज के अनुसार,ईरान और ओमान के बीच प्रस्तावित रूट के भौगोलिक समन्वय पर सहमति बन गई है और वे एक संयुक्त बयान को फाइनल कर रहे हैं जिसमें तय किए गए खास पॉइंट्स बताए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि दोनों देश पिछले दो महीनों से प्रस्तावित रास्ते पर बातचीत कर रहे हैं, जिसमें ईरानी अधिकारी तकनीकी, कानूनी, सुरक्षा और पर्यावरण से जुड़े पहलुओं की समीक्षा कर रहे हैं।

बाघेई ने कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल के सैन्य हमले और उसके कारण इलाके की सुरक्षा पर पड़ने वाले असर के कारण स्ट्रेट को बंद कर दिया गया था।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.